THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 368 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.1 2080 मंगलवार, 26 मार्च-2024

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सिक्किम की दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे सीएम तमांग

गंगटोक, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के साथ साथ विधानसभा चुनावों की भी तैयारियां हो रही हैं। चुनाव आयोग द्वारा एलान किया गया है कि लोकसभा चुनाव के साथ चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे। इन चार राज्यों में सिक्किम भी शामिल है। इस बीच खबर है कि सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे।

विधानसभा चुनाव में उनकी पत्नी कृष्णा कुमारी राय नामची-सिंघीथांग सीट से ताल ठोकेंगीं। इस सीट पर उनका मुकाबला विपक्षी पार्टी एसडीएफ के अध्यक्ष पवन कुमार चामलिंग से होगा। दरअसल राज्य में सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने सोमवार को 32 विधानसभा सीटों और एकमात्र लोकसभा क्षेत्र के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की।

महाकाल के गर्भगृह में आग, पुजारी समेत 14 झुलसे

*** भस्म आरती के दौरान भड़की आग * सीएम बोले-घायलों को 1-1 लाख रुपये देंगे**

उज्जैन, 25 मार्च (एजेंसियां)। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार सुबह 5.49 बजे भस्म आरती के दौरान गर्भगृह में आग लग गई। इसमें पुजारी समेत 14 लोग झुलस गए। घायलों में 9 को इंदौर रेफर किया गया है। 3 को उज्जैन जिला अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, 2 भर्ती हैं।

हादसे के समय मंदिर में हजारों श्रद्धालु महाकाल के साथ होली मना रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री के बेटे वैभव और बेटी आकांक्षा भी नंदी हॉल में मौजूद थे। घायल सेवक ने बताया कि आरती कर रहे पुजारी संजीव पर पीछे से किसी ने गुलाल डाला। गुलाल दीपक पर गिरा। अनुमान है कि गुलाल में कोई केमिकल ऐसा था, जिससे आग भड़क गई।

गर्भगृह में लगी चांदी की परत को रंग-गुलाल से बचाने के लिए फ्लैक्स लगाए गए थे। इसमें भी आग लग गई। कुछ लोगों ने फायर एक्सटिंग्विशर से आग पर काबू कर पाया। 6 साल पहले भी महाकाल मंदिर में होली पर इसी तरह की घटना हो चुकी है। तब एक पुजारी झुलस गए थे।

पीएम ने सीएम से कहा- ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके इंतजाम करें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सीएम हाउस में होने वाला होली मिल समारोह स्थगित कर दिया। वे घायलों से मुलाकात के लिए भोपाल से इंदौर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने उज्जैन आकर घायलों का हाल जाना। उज्जैन में घायलों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने सभी घायलों को 1-1 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने भी घटना की जानकारी ली है। प्रधानमंत्री ने मामले की जांच और आगे ऐसी घटना न हो, इसके इंतजाम करने को कहा है।

मजिस्ट्रियल जांच के आदेश, कलेक्टर ने 3 दिन में मांगी रिपोर्ट

उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने बताया कि घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी को तीन दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई करेंगे।

इंदौर रेफर हुए 9 लोग 20 से 25 प्रतिशत झुलसे :

जिला अस्पताल में सिविल सर्जन पीएन वर्मा ने बताया कि 14 घायलों में 9 इंदौर रेफर किए गए हैं। 3 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। 2 लोग फिलहाल एडमिट हैं। इंदौर रेफर हुए लोग 20 से 25 प्रतिशत झुलसे हैं। चमड़ी जलने से जलन बहुत होती है, इसीलिए सभी घबराए हुए थे। कोई भी गंभीर रूप से नहीं झुलसा है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने सीएम यादव से बात की :

घटना को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बात की। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, मुख्यमंत्री डॉ. यादव से घटना की जानकारी ली है। मैं बाबा महाकाल से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। आज धुलेंडी मनाई जा रही है। सुबह 4 बजे भस्म आरती में सबसे पहले महाकाल को रंग-गुलाल लगाया गया। 26 मार्च से महाकाल की प्रतिदिन होने वाली आरती का समय भी बदल जाएगा।

पीएम मोदी ने उज्जैन के महाकाल मंदिर में हुई दुर्घटना पर दुख जताया

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में सोमवार को महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के दौरान गुलाल उड़ाए जाने से आग लग गई। जिसमें पुजारी समेत 13 लोग झुलस गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हुई दुर्घटना पर दुख जताते हुए इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जैन के महाकाल मंदिर में हुई दुर्घटना में घायल हुए सभी व्यक्तियों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, उज्जैन के महाकाल मंदिर में हुई दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस हादसे में घायल सभी श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। रिपोर्ट के अनुसार, भस्म आरती के बाद गर्भगृह में मौजूद पुजारी द्वारा होली के अवसर पर गुलाल उड़ाया जा रहा था। इसी दौरान आग भड़क उठी और गर्भगृह में मौजूद कई पुजारी सहित 13 लोग झुलस गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उज्जैन के जिलाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि गर्भगृह में लगी आग से 13 लोग झुलसे हैं। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। तीन सदस्यीय समिति तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जो गुलाल उड़ाई जा रही थी उसमें कपूर होने की संभावना है। उसी के चलते यह आग भड़की है। मंदिर परिसर में उस समय बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। लेकिन स्थिति को जल्द संभाल लिया गया और आग पर काबू पा लिया गया। बता दें कि रविवार को बाबा महाकाल के दरबार में सुबह फूलों की होली खेली गई थी और शाम को होलिका दहन किया गया था। सोमवार की सुबह भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल के साथ अबीर गुलाल से होली खेली जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हो गया।

'इंडिया' गठबंधन एकजुट, 272 का आंकड़ा पार करेंगे

प्रधानमंत्री का भ्रष्टाचार का आरोप खोखला : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'पलटी मारने' और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के अकेले लड़ने के बावजूद विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' एकजुट है और यह (बहुमत का) 272 का आंकड़ा पार करेगा। टीएमसी प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए रमेश ने कहा, ममता बनर्जी ने आखिर ममता बनर्जी रहने का ही फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विपक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार के विमर्श को खोखला करार देते हुए खारिज कर दिया।

रमेश ने यह भी कहा कि विपक्ष एकजुट होकर चुनाव में 272 का आंकड़ा पार करेगा और भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगा। उन्होंने चुनावी बॉन्ड, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले झामुमो नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी सहित कई मुद्दों पर बात की। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के क्रमशः अमेठी और रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों पर भी अपने विचार साझा किए। बुनियादी ढांचा संबंधी ठेके मिलने के बाद एक भाजपा सांसद द्वारा चुनावी बॉन्ड खरीदे जाने का दावा करते हुए रमेश ने कहा, चुनावी बॉन्ड योजना के काम करने के तरीके को देखें। 4,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड सीधे तौर पर चार लाख करोड़ रुपये के ठेकों से जुड़े हुए हैं। चुनावी बॉन्ड और ठेके देने के बीच एक स्पष्ट संबंध है। उन्होंने कहा कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि भाजपा के पक्ष में कई कंपनियों द्वारा खरीदे गए 4,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड सीधे तौर पर ठेके देने और उनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों द्वारा शुरू की गई कार्रवाई से जुड़े हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, यह कहना कि मोदी भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाएंगे और यह दिखाने के लिए कि वह भ्रष्टाचार से लड़ रहे हैं, उदाहरण देने के लिए हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के मामले का इस्तेमाल करेंगे तो ये बिल्कुल खोखला तर्क है। चुनावी बॉन्ड की कहानी को देखें, यह पूरी तरह से बदले की भावना का मामला है। उन्होंने दावा किया, जहां तक प्रधानमंत्री मोदी का सवाल है, यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि भ्रष्टाचार एक खोखला मुद्दा है।

ईडी ने पशु तस्करी मामले में बंगाल के मंत्री को पूछताछ के लिए बुलाया

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पशु तस्करी मामले में पश्चिम बंगाल के एमएसएमई और कपड़ा मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा को इस सप्ताह पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने कहा कि 22 मार्च को ईडी के अधिकारियों ने बीरभूम जिले के बोलपुर में मंत्री के आवास पर छापा मारा था। उस दौरान जांच अधिकारियों ने मंत्री का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया था।

सूत्रों ने बताया कि मोबाइल से डेटा निकालने के बाद अधिकारियों ने मामले से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज हासिल कर लिए हैं। इसके बाद ईडी को पार्टी के कद्दावर नेता अणुब्रत मंडल के करीबी विश्वासपात्र माने जाने वाले सिन्हा से पूछताछ करने की जरूरत है। मंडल पशु तस्करी मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी और तलाशी अभियान के दौरान ईडी के अधिकारियों ने सिन्हा के आवास से 41 लाख रुपये से अधिक की नकदी भी बरामद की।

ईडी अधिकारियों ने केजरीवाल से पुराना फोन मांगा

> दिल्ली सीएम बोले-पता नहीं कहां गया > जेल से ऑर्डर पास करने की जांच भी जारी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति केस में 21 मार्च को गिरफ्तार हुए दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टडी में हैं। इस दौरान ईडी के अधिकारियों ने उनसे शराब नीति लागू करने के दौरान इस्तेमाल किए गए फोन की मांग की। इस पर केजरीवाल ने कहा कि उन्हें नहीं पता की वो फोन अब कहां है।

दरअसल, ईडी को जांच में पता चला था कि 36 आरोपियों के पास कुल 171 फोन हैं, जिनमें घोटाले के अहम सबूत और डेटा है। इन 171 फोन में केजरीवाल का वो 2 साल पुराना फोन भी शामिल है, जो केजरीवाल एजेंसी को नहीं सौप रहे। इन 171 फोन में से एजेंसी के हाथ अब तक सिर्फ 17 फोन ही लगे हैं। इन्हीं 17 फोन से मिले डेटा के आधार पर एजेंसी ने अब तक के सबूत जुटाए हैं। सूत्रों ने बताया कि कई फोन आरोपी नष्ट कर चुके हैं। इसलिए सबूत जुटाने में दिक्कत हो रही है। उधर, जेल से ऑर्डर पास करने को लेकर भी केजरीवाल के खिलाफ राज्यपाल को शिकायत भेजी गई है। इस पर भी ईडी के अधिकारी जांच कर रहे हैं। केजरीवाल 28 मार्च तक ईडी की कस्टडी में रहेंगे।

जेल से सरकार चलाने पर विनीत जिंदल ने शिकायत की थी :

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चला रहे हैं। उन्होंने रविवार (24 मार्च) को जल मंत्रालय के नाम पहला सरकारी आदेश जारी किया। उन्होंने जल मंत्री आतिशी को निर्देश दिया कि दिल्ली में जहां पानी की कमी है, वहां टैंकरों का इंतजाम करें।

केजरीवाल के जेल के अंदर से सरकार चलाने के खिलाफ वकील विनीत जिंदल ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से शिकायत की। इसमें लिखा है कि केजरीवाल को ईडी ने गिरफ्तार किया है। अगर कोई सरकारी आदमी रिमांड में है तो उसे बिना कोर्ट के ऑर्डर के बाहरी दुनिया के साथ बातचीत की इजाजत नहीं होती है।

केजरीवाल के मामले में केवल उनकी पत्नी और उनके कानूनी सलाहकार को ही उनसे मिलने की इजाजत है। कोर्ट ने केजरीवाल को किसी भी तरह के ऑर्डर को जारी करने की परमिशन नहीं दी है। फिर उन्होंने ऑर्डर कैसे पास किए। इसे लेकर फिलहाल ईडी की जांच जारी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी के सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों ने उनको न तो कोई कंप्यूटर दिया, न तो कोई पेपर दिया। केजरीवाल की उनकी पत्नी के साथ मुलाकात हुई थी। हो सकता है कि उन्होंने अपनी पत्नी को ऑर्डर का पेपर दिया हो, लेकिन कुछ भी पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता है। हम इसकी जांच कर रहे हैं।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ 31 मार्च को रैली करेगा इंडिया ब्लॉक :

केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर इंडिया गुट के नेताओं ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें आप नेता गोपाल राय ने कहा कि केंद्र सरकार विधायकों की खरीद-फरोख्त कर, लोगों को डरा-धमकाकर पूरे विपक्ष को चुप करा रही है। जो झुकने और डरने को तैयार नहीं हैं, उन पर फर्जी मुकदमे करके उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।

गोपाल राय ने कहा कि अगर कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी का खाता सीज हो सकता है, तो जो व्यापारी इन्हें चंदा नहीं देगा उसका खाता सीज किया जाएगा। हर किसी की आवाज दबाई जाएगी। इनके खिलाफ लड़ाई को बड़ा करने के लिए 31 तारीख को 10 बजे रामलीला मैदान में हम महारैली करेंगे। पूरी दिल्ली से अपील है कि एकजुट हों।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ भाजपा का 'तुरुप का इक्का'

टीएमसी को टक्कर देंगी शाही परिवार की राजमाता

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए रविवार को भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की पांचवीं लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें 111 उम्मीदवारों के नाम हैं। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से राजमाता अमृता रॉय को अपना उम्मीदवार बनाया है, जो टीएमसी की महुआ मोइत्रा को टक्कर देंगी। यह सीट पश्चिम बंगाल की अहम सीटों में से एक है। बीजेपी के इस फैसले को महुआ मोइत्रा के खिलाफ तुरुप का इक्का माना जा रहा है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लोकसभा चुनाव में इस बार महाराजा कृष्णचंद्र का नाम सीधे तौर पर राजनीति से जुड़ रहा है। अमृता रॉय, कृष्णानगर के प्रतिष्ठित राजबाड़ी (रॉयल पैलेस) की राजमाता हैं। उनकी संभावित उम्मीदवारी को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलें चल रही हैं। अमृत रॉय 20 मार्च को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई थीं। उन्होंने बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की मौजूदगी में बीजेपी की सदस्यता हासिल की थी।

कृष्णानगर से अमृता रॉय मैदान में हैं, नदिया जिले के इतिहास में राजा कृष्णचंद्र का योगदान सभी जानते हैं। कृष्णानगर राजपरिवार की भूमिका आज भी याद की जाती है, चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि अमृता रॉय की उम्मीदवारी से बीजेपी को बढ़ावा मिलेगा और वह महुआ मोइत्रा को भी टक्कर दे सकेंगी।

बीजेपी सूत्रों के मुताबिक जिला नेतृत्व ने सबसे पहले अमृता को उम्मीदवार बनाने में दिलचस्पी दिखाई और फिर पार्टी ने उनसे बातचीत शुरू की। बताया गया कि कई दौर की बातचीत के बाद अमृता कैंडिडेट बनने के लिए तैयार हो गईं।

पिछले चुनाव में महुआ मोइत्रा की प्रचंड जीत :

टीएमसी लीडर महुआ मोइत्रा ने 21019 के लोकसभा चुनावों में कृष्णानगर सीट से जीत हासिल की थी। उन्हें 614872 वोट मिले, जबकि बीजेपी के कल्याण चौबे को कुल 551654 वोट मिले थे। महुआ मोइत्रा ने 63218 के भारी अंतर से जीत दर्ज की। 2019 के लोकसभा चुनाव में महुआ की जीत के पीछे की वजह चोपड़ा, पलाशीपारा और कालीगंज विधानसभाएं थीं। इन तीनों विधानसभाओं से महुआ को भारी वोट मिले, पिछले पांच सालों में कालीगंज विधानसभा में बीजेपी का संगठन काफी मजबूत हुआ है।

इसके अलावा बीजेपी इस तथ्य पर भी विचार कर रही है कि पिछले कुछ महीनों में उस इलाके में टीएमसी की संगठनात्मक ताकत कमजोर हुई है, इन चुनावों के दौरान भ्रष्टाचार के आरोप और सत्तारूढ़ दल में झगड़े टीएमसी के लिए चुनावी नजरिए से मुश्किल बनकर सामने आ सकते हैं।

बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक, वोटों का अंतर बढ़ाने के लिए 'रानीमा' जैसे स्थानीय, प्रभावशाली और परिचित चेहरे को मैदान में उतारने के बारे में सोचा जा रहा है। ऐसे में अमृता रॉय के नामांकन से बीजेपी को ताकत हासिल करने में मदद मिलेगी।

राजा कृष्ण चंद्र देव और कृष्णानगर रॉयल पैलेस की विरासत :

राजा कृष्ण चंद्र देव भारतीय इतिहास में, खासतौर से बंगाल में काफी मशहूर हैं, जो 18वीं शताब्दी के दौरान अपने दूरदर्शी शासन के लिए जाने जाते हैं। प्रशासनिक सुधारों, कला को बढ़ावा देने और बंगाली संस्कृति में गौरवशीलता की वजह से उनकी विरासत आज भी बंगाल में संजोकर रखी गई है, जो उनके शासन की खासियत थी।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की पत्नी की फॉर्च्यूनर कार चोरी, सीसीटीवी से हुआ खुलासा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड कार टोयोटा फॉर्च्यूनर चोरी होने की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यह कार दक्षिणी दिल्ली से चोरी हो गई है। यह वाकया 19 मार्च 2024 का बताया जा रहा है। वहीं अब तक इस कार को कोई पता नहीं चल पाया है।

इस मामले में पुलिस ने मुताबिक जेपी नड्डा की पत्नी की कार का ड्राइवर जोगिंदर फॉर्च्यूनर उसे लेकर गोविंदपुरी के एक सर्विस सेंटर में छोड़ दिया था और कुछ देर के लिए वह घर गया था लेकिन जब वापस आया था तो कार वहां नहीं थी। इसके बाद तुरंत ही एफआईआर दर्ज की गई और पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

इस मामले में एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच करने वाली पुलिस टीम को पता चला कि वाहन को आखिरी बार गुरुग्राम की ओर जाते देखा गया था। पुलिस ने काफी कोशिश कर ली है, लेकिन अभी तक कार का कुछ भी पता नहीं चल पाया है। गौरतलब है कि यह फॉर्च्यूनर कार हिमाचल प्रदेश में जेपी नड्डा की पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड थी। दिल्ली पुलिस ने मामले की गहन जांच करने और चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है।

बता दें कि राजधानी दिल्ली में वाहनों की चोरी के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। एक रिपोर्ट बताती है कि हर 14 मिनट में एक वाहन चोरी की घटना होती है। एसीकेओ ने वाहन चोरी के मामलों को लेकर घटनाओं पर आधारित 'थेफ्ट एंड द सिटी 2024' दूसरा संस्करण रिलीज किया था। इस हालिया रिपोर्ट में बताया गया था कि 2022 और 2023 के बीच भारत में वाहनों की चोरी में करीब 2.5 गुना की बढ़ोतरी हुई है।

जनार्दन रेड्डी की पार्टी का बीजेपी में विलय

2022 में भाजपा से ही अलग होकर पार्टी बनाई थी; बोले- मां की गोद में लौटा हूं

बेंगलुरु, 25 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के गंगावती सीट से विधायक और माइनिंग कारोबारी जनार्दन रेड्डी ने लोकसभा चुनाव से पहले अपनी पार्टी कल्याण राज्य प्रगति पक्ष (केआरपीपी) का सोमवार (25 मार्च) को भाजपा में विलय कराया। 1999 से 2022 तक भाजपा में रहे रेड्डी ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले ही अपनी पार्टी बनाई थी।

बेंगलुरु में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इस दौरान रेड्डी ने कहा- यहां आकर ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपनी मां की गोद में वापस आ गया हूं। गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे दिल्ली बुलाकर कहा था कि बाहर से समर्थन देने के बजाय आपको भाजपा में शामिल होना चाहिए। आपने राजनीतिक जन्म भी भाजपा में ही लिया था। आपको वापस आकर पार्टी को मजबूत करना चाहिए। रेड्डी ने कहा कि गृहमंत्री शाह के कहने और नरेंद्र मोदी को तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए मैं केआरपीपी का भाजपा में विलय करा रहा हूं। मुझे खुशी है कि मुझे कर्नाटक के भाजपा नेताओं के साथ एकबार फिर काम करने का मौका मिलेगा। रेड्डी दिवंगत भाजपा नेता सुषमा स्वराज के करीबी नेता माने जाते हैं। 2011 में अवैध खनन मामले में वे गिरफ्तार हुए थे, जिसके बाद सुषमा स्वराज ने उनसे दूरी बना ली थी। 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के समय से रेड्डी ने भी भाजपा से दूरी बना ली थी। करीब दो दशक भाजपा में रहने के बाद उन्होंने 2022 में इस्तीफा दिया था और अपनी पार्टी बनाई थी।

रेड्डी बोले-मैं बिना किसी शर्त के पार्टी में आया हूं

रेड्डी ने कहा- मुझे खुशी है कि अनुभवी नेता येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र के साथ पार्टी में काम करने का मौका मिला है। मैं विजयेंद्र के नेतृत्व में अन्य नेताओं के साथ एक आम पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा। मैं कोई शर्त लेकर इस पार्टी में नहीं आया हूं। पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी, मैं ईमानदारी से काम करूंगा। भाजपा हमेशा मेरे खून में थी, लेकिन कुछ कारणों से पिछले साल मैं बाहर चला गया था। अपने भाइयों को यहां देखकर मुझे नहीं लगता कि मैं 13 साल बाद भाजपा कार्यालय लौटा हूं। उधर, येदियुरप्पा के बेटे और कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा- रेड्डी के शामिल होने से कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में भाजपा मजबूत होगी।

पिता कॉन्स्टेबल थे, परिवार आंध्रप्रदेश से कर्नाटक आया

मिडिल क्लास फैमिली में पैदा हुए जनार्दन रेड्डी के पिता पुलिस में कॉन्स्टेबल थे। वे आजादी के बाद आंध्रप्रदेश से बेल्लारी आए थे। जनार्दन के दोनों भाई ग्रेजुएट हैं, लेकिन वो हाईस्कूल तक ही पढ़े हैं। 1990 में ही वे फाइनेंस बिजनेस में एक्टिव हो गए थे और उन्होंने इन्वेस्टमेंट कंपनी बना ली थी। इसी वक्त उनकी मुलाकात भाजपा नेता श्रीरामुलु से हुई, जो 2018 से 2023 तक कर्नाटक सरकार में ट्रांसपोर्ट और ट्राइबल वेलफेयर मिनिस्टर थे। शुरूआत में रेड्डी बदर्स कांग्रेस में थे, लेकिन 1999 के चुनाव में श्रीरामुलु को कांग्रेस ने टिकट देने से इनकार कर दिया। इसके बाद श्रीरामुलु रेड्डी भाइयों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए थे। कर्नाटक में लोकायुक्त रहे जस्टिस संतोष हेगड़े ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि रेड्डी भाइयों ने अवैध खनन के जरिए देश के 10 बंदरगाहों से चीन को तकरीबन 16,500 करोड़ रुपए का लौह अयस्क गैरकानूनी तरीके से निर्यात किया था। इन आरोपों के बाद सुषमा ने साल 2011 में रेड्डी भाइयों को एक संदेश भेजकर साफ कर दिया कि अब वे उनकी 'मां' नहीं हैं। अवैध माइनिंग केस में जेल काटकर आ चुके जनार्दन रेड्डी से 2018 में ही बीजेपी ने दूरी बना ली थी। तब अमित शाह उनसे नाराज थे। रेड्डी बंधुओं को कर्नाटक में खनन कारोबार का बादशाह कहा जाता है। आंध्रप्रदेश से सटी कर्नाटक बॉर्डर वाले एरिया में अब भी इनका अच्छा खासा प्रभाव बताया जाता है।

ऑपरेशन लोटस से बीजेपी को पहली बार सरकार में लाए थे रेड्डी

जनार्दन रेड्डी ने बीजेपी को कर्नाटक में पहली बार सत्ता दिलाई थी। 2008 में बीजेपी ने 224 में से 110 सीटें जीती थीं। बहुमत के लिए पार्टी को सिर्फ 3 सीटें चाहिए थीं। रेड्डी बंधुओं की मदद से बीजेपी ने कांग्रेस के तीन और जेडीएस के चार विधायकों का इस्तीफा करवा दिया। ये विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे। उपचुनाव में बीजेपी के 7 में से 5 उम्मीदवार जीत गए और पार्टी का आंकड़ा 115 पर पहुंच गया था। विधायकों को तोड़ने का आरोप रेड्डी ब्रदर्स पर लगा था। 2008 से 2013 तक बीजेपी सत्ता में रही। इस दौरान उसे तीन मुख्यमंत्री बदलने पड़े। इसी दौरान 2011 में उन्हें 16 हजार करोड़ के माइनिंग स्कैम में गिरफ्तार किया गया था।

आंध्रप्रदेश में भी रेड्डी ब्रदर्स की पकड़

रेड्डी भाइयों की सिर्फ कर्नाटक नहीं, बल्कि आंध्रप्रदेश में भी मजबूत पकड़ रही है। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाईएसआर रेड्डी से उनके काफी अच्छे संबंध थे। 2001 में उन्होंने 10 लाख रुपए लगाकर ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी शुरू की थी। इसके बाद से ही वे कर्नाटक-आंध्रप्रदेश में माइनिंग के बिजनेस में एक्टिव थे। 5 साल में उनकी कंपनी का टर्नओवर 3 हजार करोड़ रुपए हो गया था।

2006 में जनार्दन रेड्डी ने पॉलिटिक्स में सीधे तौर पर एंट्री ली थी। तब बीजेपी ने उन्हें कर्नाटक लेजिस्लेटिव काउंसिल में चुना गया था। 2008 में येदियुरप्पा सरकार में जनार्दन अपने दोनों भाइयों और दोस्त श्रीरामुलु के साथ मंत्री बने। मंत्री बनने के एक साल के अंदर ही उन्होंने बेल्लारी में चल रहे माइनिंग के बिजनेस पर पूरी तरह कंट्रोल कर लिया था।

8 बार के बीजेपी सांसद की राजनीति का अंत!

संघ से जुड़े पूर्व मंत्री को बनाया प्रत्याशी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बरेली से पूर्व मंत्री छत्रपाल गंगवार को लोकसभा का प्रत्यशी बनाया है. वर्तमान सांसद संतोष गंगवार 8 बार सांसद रह चुके है और बढ़ती उम्र के चलते उनका टिकट कटा है. वही बरेली लोकसभा में कुर्मी वोटरों की संख्या बहुतायत होने की वजह से पार्टी ने जातिगत समीकरण साधते हुए कुर्मी नेता को मैदान में उतारा है.

बरेली में आखिरकार संतोष गंगवार की राजनीति का अंत हो ही गया. लंबे समय से संतोष गंगवार का विरोध हो रहा था. पार्टी के. अंदर से भी संतोष का विरोध शुरू हो गया था. यही वजह रही कि पार्टी ने उनकी जगह छरपाल गंगवार को टिकट दिया है. छत्रपाल गंगवार दो बार विधायक रह चुके है. संघ से जुड़े होने के चलते छत्रपाल गंगवार को पार्टी हाईकमान का आशीर्वाद प्राप्त हुआ. छत्रपाल गंगवार 2007 और 2017 में विधायक चुके गए थे. वही 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें भाजपा को लहर के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था. समाजवादी पार्टी के अताउर रहमान ने छत्रपाल गंगवार को हराकर जीत हासिल की थी. योगी सरकार में छत्रपाल गंगवार राजस्व मंत्री बने थे. छत्रपाल गंगवार बहेड़ी विधानसभा में रहते है. बहेड़ी विधानसभा पीलीभीत लोकसभा में आती है. 20 जनवरी 1956 में जन्में छत्रपाल गंगवार अर्थशास्त्र से एमए है और बीएड की पढ़ाई कर चुके है. धनीराम इंटर कालेज में 1979-2009 तक प्रवक्ता रहे और 2009 में प्रधानाचार्य भी बने.वर्ष 1985 से वर्ष 1987 तक राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के जिला प्रचारक रहे.

सिद्धारमैया बोले-मंत्रियों के बच्चों को टिकट देना वंशवाद नहीं

कर्नाटक कांग्रेस ने नेताओं के 12 रिश्तेदारों को उम्मीदवार बनाया, खड़गे के दामाद को भी टिकट

मैसूर, 25 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मैसूर में कहा कि मंत्रियों के बच्चों और रिश्तेदारों को टिकट देना 'वंशवाद की राजनीति' नहीं है। हमने उन लोगों को टिकट दिए, जिनकी सिफारिश क्षेत्र के लोगों ने की थी। यह वंशवादी राजनीति नहीं, बल्कि जनता की सिफारिश को स्वीकार करना है।

दरअसल, कांग्रेस अब तक कर्नाटक के 22 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। इनमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि समेत 12 ऐसे कैंडिडेट्स हैं, जिनका वहां के नेता से रिश्ता है। इसे लेकर ही मैसूर में सिद्धारमैया से सवाल किया गया था, जिसके जवाब में उन्होंने इसे वंशवाद की राजनीति बताने से इनकार किया था।

दो दिन में उम्मीदवार का ऐलान करेंगे

सिद्धारमैया ने कहा कि पार्टी एक या दो दिन में कर्नाटक की बाकी चार सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। उनसे पूछा गया कि क्या चामराजनगर लोकसभा क्षेत्र का उम्मीदवार तय करने में कोई पेंच फंस रहा है, तो उन्होंने कहा सीट पर कोई पेंच नहीं नहीं फंस रहा है। हम एक स्लॉट में सारे नाम जारी नहीं करना चाहते, इसलिए बाद में ऐलान करेंगे।

कांग्रेस राज्य में 20 लोकसभा सीट जीतेगी

सिद्धारमैया ने भरोसा जताया कि कांग्रेस राज्य में कम से कम 20 लोकसभा सीटें जीतेगी। हम भाजपा की तरह झूठ नहीं बोलेंगे। भाजपा वालों को लगता है कि वे कर्नाटक की 28 सीटें जीतेंगे, जो संभव ही नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा- भाजपा और जेडी(एस) गठबंधन कांग्रेस के ही पक्ष में होगा। उनका गठबंधन हमारे फेवर में कैसे काम करेगा, ये अभी नहीं बताएंगे, क्योंकि सारे राज सबको नहीं बताए जा सकते। हमें विश्वास है कि हमारी सरकार ने जो पांच गारंटियां शुरू की हैं, वे निश्चित रूप से पार्टी को चुनाव जीतने में मदद करेंगी।

कर्नाटक सीएम बोले-भाजपा वादे करती है पर पूरे नहीं करती

सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के लोगों के लिए इस साल 36,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए हम 52,900 करोड़ रुपए खर्च करेंगे। हम भाजपा की तरह झूठ नहीं बोलते हैं। हमने जो वादा किया है उसे लागू करते हैं। कर्नाटक में 28 लोकसभा सीटें हैं, जिसके लिए दो चरणों में मतदान 26 अप्रैल और 7 मई को होगा।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव : 27 साल बाद दलित प्रेसिडेंट बना

लेफ्ट चारों पदों पर जीता, 12 साल में सबसे ज्यादा 73% वोटिंग हुई

धनंजय प्रेसिडेंट | **अविजीत** वाइस प्रेसिडेंट | **स्वाति** जनरल सेक्रेटरी | **साजिद** जॉइंट सेक्रेटरी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन चुनाव में लेफ्ट ने एबीवीपी को हराकर चारों सीटों- प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट, जनरल सेक्रेटरी और जॉइंट सेक्रेटरी पर जीत हासिल की है। 2973 वोट पाकर धनंजय स्टूडेंट यूनियन के प्रेसिडेंट बने। इस जीत के साथ ही जेएनयू छात्र संघ को 27 साल के बाद लेफ्ट की तरफ से दलित प्रेसिडेंट मिला है। इसके पहले 1996-97 में बट्टी लाल बैरवा पहले दलित प्रेसिडेंट बने थे। लेफ्ट के धनंजय ने एबीवीपी के उमेश चंद्र अजमीरा को 934 वोटों से हराया। वाइस प्रेसिडेंट अविजीत घोष ने 2649 वोट पाकर एबीवीपी की दीपिका शर्मा को 1104 वोटों से हराया। जनरल सेक्रेटरी पोस्ट पर लेफ्ट की प्रियांशी आर्य को 3307और एबीवीपी के अर्जुन आनंद को 2309 वोट मिले।

जॉइंट सेक्रेटरी पोस्ट पर लेफ्ट कैंडिडेट मोहम्मद साजिद ने 2893 वोट पाकर जीत हासिल की। वहीं, एबीवीपी के गोविंद दांगी को 2496 वोट मिले। जेएनयू में 4 साल बाद चुनाव हुए हैं। 22 मार्च को रिकॉर्ड 73% वोटिंग हुई थी। पिछले 12 साल में यह पहली बार है जब इतने वोट पड़े हों। इससे पहले 2019 में 67.9% मतदान हुआ था।

ओडिशा में फाइव स्टार होटलों में रात गुजारने वाला चोर गिरफ्तार

पैतृक स्थान पर बनवा रखी है हवेली

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। पुलिस ने भुवनेश्वर में एक ऐसे चोर को गिरफ्तार किया है जो फाइव स्टार होटलों में रात गुजारा करता था। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी कि चोर वर्षों तक फरार रहने के बाद भुवनेश्वर में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि पिछले एक साल में शहर में हुई चोरी के कम से कम 21 मामलों में आरोपी परशुराम गिरी वांछित था। पुलिस ने बताया कि गिरि को चुनाव के मद्देनजर शहर में बनाई गई एक जांच चौकी पर पकड़ा गया।

बंद इमारतों में करता था चोरी

पुलिस आयुक्त संजीब पांडा ने बताया कि चोर के निशाने पर आमतौर पर शहर में बंद आवासीय इमारतें होती थीं। वह इमारतों में घुसने के लिए खिड़कियों को तोड़ता था और नकदी और आभूषण चुराता था। वह अकेले ही चोरी को अंजाम देता था।

चोर ने अपने पैतृक स्थान पर हवेली बनाई

आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में नकदी और आभूषण जब्त किए गए हैं। इनमें 21 लाख रुपये नकद, लगभग 50 लाख रुपये के सोने और चांदी के आभूषण, दो मोटरसाइकिल और भुवनेश्वर में पांच फ्लैटों के दस्तावेज शामिल हैं। इनमें से कुछ फ्लैट उसने किराये पर दे रखे हैं। फ्लैटों के अलावा उसने बालासोर जिले के सोरो में अपने पैतृक स्थान पर एक महलनुमा इमारत भी बनाई है। आरोपी रईसों वाली जिंदगी जीता था और महानगरों के फाइव स्टार होटलों में रुकता था। वह बार और पब में भी पैसा खर्च करता था।

संदेशखाली में तृणमूल के न बैनर, न प्रचार

नेता घर-घर मांग रहे माफी; पार्टी ने सांसद नुसरत जहां का टिकट काटा, इस्लाम को उतारा

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की बसीरहाट लोस सीट इस बार तृणमूल कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। बड़ी वजह है संदेशखाली, जो महिलाओं के यौन उत्पीड़न व जमीन कब्जाने की शिकायतों के चलते सुर्खियों में है।

तृणमूल नेता शाहजहां शेख, सिबू हाजरा और उत्तम सर्दार इस केस के मुख्य आरोपी हैं। इसके चलते तृणमूल नेता यहां प्रचार से बच रहे हैं। यहां तृणमूल के बैनर-पोस्टर भी नहीं हैं। चुनाव स्थानीय नेताओं के भरोसे है, जो घर-घर जाकर माफी मांग रहे हैं। संदेशखली बेड़मजूर पंचायत के तृणमूल नेता हलधर आड़ी कहते हैं, 'पार्टी के कुछ नेताओं ने लंबे समय तक जो अत्याचार किए हैं उनके लिए हमें माफी मांगनी पड़ रही है। लोगों में दहशत है। हम उन्हें आश्वासन दे रहे हैं कि तृणमूल जीती तो तीनों आरोपी नेताओं को साथ नहीं रखेगी। ब्लॉक चुनाव समिति के सदस्य प्रसेनजित गांगुली कहते हैं, हम लोगों को बता रहे हैं कि तीनों आरोपी वाममोर्चा के दौर के हैं। ये मूल रूप से तृणमूल के नहीं हैं और आगे भी कभी नहीं होंगे।

तृणमूल ने सांसद नुसरत जहां का टिकट काटा, इस्लाम को उतारा

तृणमूल ने चुनाव संचालन के लिए संदेशखाली के दो ब्लॉकों में दो अलग-अलग चुनाव समितियां बनाई हैं। स्थानीय विधायक सुकुमार महतो इन्हें संभाल रहे हैं। 2019 में तृणमूल के टिकट पर अभिनेत्री नुसरत जहां यहां से जीती थीं, लेकिन संदेशखाली की घटना के दौरान उनके रवैए के चलते पार्टी की जमकर किरकिरी हुई थी। इसलिए ममता बनर्जी ने नुसरत का टिकट काटकर पूर्व सांसद हाजी नूरुल इस्लाम को टिकट दिया है। इस्लाम 2009 में इस सीट से जीत चुके हैं। वहीं दूसरी ओर भाजपा ने संदेशखाली पीड़िता रेखा पात्रा को इस सीट से मैदान में उतारा है।

तृणमूल नेता जितनी माफी मांगें, लोग माफ नहीं करेंगे

भाजपा नेता संदेशखाली में घर-घर जाकर तृणमूल के तीनों आरोपी नेताओं के कुकर्म बता रहे हैं। स्थानीय नेता विकास सिंह कहते हैं- तृणमूल चाहे जितनी माफी मांगे, लोग कभी माफ नहीं करेंगे। बता दें कि संदेशखाली मुद्दे को भाजपा पूरे राज्य में जोर-शोर से उठा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी अपनी चार जनसभाओं में इस मुद्दे को उठा चुके हैं। चुनाव आयोग ने शनिवार (16 मार्च) को देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की थी। कुल 543 सीटों के लिए सात फेज में चुनाव होगा। पहले फेज की वोटिंग 19 अप्रैल को और आखिरी फेज की वोटिंग 1 जून को होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे। पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों के लिए सभी 7 चरणों में वोटिंग होगी।

2019 लोकसभा चुनाव में टीएमसी ने 22 और भाजपा ने 18 सीटें जीतीं

2019 लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी के बीच कांटे की टक्कर हुई थी। ममता बनर्जी की अगुआई वाली तृणमूल कांग्रेस ने 42 में से 22 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा को 18 सीटें मिलीं। अन्य दो सीटें कांग्रेस ने जीती थी।

खबरें जरा हटके

एक कंकड़ भी उठाया तो 2 लाख जुर्माना

पर्यटकों के लिए सख्त चेतावनी, क्यों ले जाते हैं लोग यहां के पत्थर

समुद्री बीच पर आप घूमने जाएं, तो वहां से रेत-पत्थर हर कोई उठा लेता है. कई लोग समुद्र में फेंकते हैं. लहरों का मजा लेते हैं. लेकिन एक द्वीप ऐसा भी है, जहां अगर आपने एक एक कंकड़ भी उठाया तो 2 लाख जुर्माना देना पड़ेगा. पर्यटकों के लिए सख्त चेतावनी जारी की गई है. गलती से भी कसि ने ऐसा कयिा तो भारी मुश्कलि में फंस जाएगा. रिपोर्ट के मुताबिक, कैनेरी आइलैंड में लैनजारोट और फ्यूरटेवेंटुरा जाने वाले पर्यटकों के लिए के लिए ये चेतावनी जारी की गई. दरअसल, यहां हर साल गर्मियों हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं. कई-कई दिनों तक बिताते हैं. लेकिन जब वे जाते हैं तो यादगार के तौर पर यहां के कंकड़ उठाकर ले जाते हैं.

कुछ लोग इस बीच से रेत भी भरकर ले जाते हैं, ताकि यादों में सजा सकें. इससे आइलैंड पर कंकड़ों की कमी हो गई है. उसकी खूबसूरती पर असर हो रहा है. पर्यटकों की स्मृति चिन्ह एकत्र करने की यह आदत द्वीपों के पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत खराब असर डाल रही है. इसके बाद ये फैसला लयिा गया.

कई टन रेत-पत्थर उठा ले जाते लोग

अफसरों का कहना है कि लैनजारोट द्वीप के समुद्र तटों से करीब एक टन ज्वालामुखी सामग्री हर साल पर्यटक उठा ले जाते हैं. इसी तरह फ्यूरटेवेंटुरा के प्रसिद्ध "पॉपकॉर्न बीच" से हर महीने एक टन रेत टूरिस्ट अपने साथ ले जाते हैं. कई बार मिट्टी, पत्थर और चट्टानों को जब्त किया गया, लेकिन टूरिस्टों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. पहली बार इस तरह सख्ती करने का फैसला लिया गया है. अब अगर कोई समुद्र तटों से चट्टानें, पत्थर और मिट्टी चुनने की कोशशि करेगा तो उस पर 13,478 रुपये से लेकर 2.69 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा.

गजब का देसी जुगाड़, शख्स ने किया दावा, 1 लीटर पेट्रोल में 90 किलोमीटर दौड़ेगी बाइक!

सोशल मीडिया पर इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कब यहां क्या वायरल हो जाए, कहा नहीं जा सकता है. कभी तो यहां यूं मजेदार वीडियो वायरल हो जाते हैं तो कई बार ऐसा भी होता है कि कोई अपने टैलेंट का यहां प्रदर्शन करता है. ज़रूरी नहीं है कि ये टैलेंट सिर्फ नाचने-गाने या फिर एक्टिंग तक ही सीमित रहे, ये जुगाड़ू टैलेंट भी हो सकता है. एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है. बाइक और कार चलाने वालों की हमेशा दिक्कत रहती है कि वो कम से कम ईंधन में ज्यादा से ज्यादा गाड़ी चलाना चाहते हैं. इस वक्त वायरल हो रहे एक वीडियो में एक शख्स इसी का धांसू जुगाड़ बता रहा है. इस वीडियो में भी एक शख्स ऐसा ही करता हुआ नज़र आ रहा है. उसे देखकर आप इसकी तारीफ भी करेंगे और आपको ये दिलचस्प लगेगा.

गाड़ी का माइलेज बढ़ाने का जुगाड़

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते है कि एक शख्स दावा कर रहा है कि बस एक छोटा सा डिवाइस लगा कर बाइक के दो सिरों से जोड़ दें तो 10-15 किलोमीटर चलने वाली बाइक 90 का एवरेज देने लगेगी. इस डिवाइस से ना सिर्फ बाइक का एवरेज बढ़ेगा बल्कि बाइक धुआं छोड़ना भी बंद कर देगी. शख्स तो ये भी दावा कर रहा है कि इस डिवाइस की मदद से वो गांव की किसी भी बाइक का एवरेज बढ़ा कर दिखा सकता है.

घर की सफाई कर रही थी महिला, आलमारी हटाते ही दिखा 'खुफीया दरवाजा'

अंदर मिली ऐसी चीज, लोग बोले-अंदर मत जाना

जिस घर में आप वर्षों से रह रहे हों, उसके कोने-कोने के बारे में आपको पता होता है. कई लोग तो दीवारों के अंदर क्या है, इसका भी पता लगा लेते हैं. लेकिन ब्रिटेन में एक महिला को अपने ही घर में कुछ ऐसा दिखा कि वह शॉक्ड रह गई. इतने दिनों से घर में रह रही थी, लेकिन इसके बारे में उसे पता तक नहीं था. महिला की बेटी ने सोशल मीडिया पर पूरा मामला शेयर किया और लोगों से पूछा कि उसे क्या करना चाहिए. तो तमाम लोगों ने कहा-अंदर जाने से पहले सावधान. हो सकता है कि कोई आत्मा अंदर बंद हो. मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, महलि ने बताया कि इस घर में वे दशकों से रह रहे थे. लेकिन कभी इस पर नजर नहीं गई. एक दिन सफाई कर रहे थे, तभी सोचा कि आलमारी को हटाकर पीछे की सफाई भी कर दें. जैसे ही आलमारी हटाई, पीछे दीवार में एक खुफिया दरवाजा नजर आया. यह देखकर मैं शॉक्ड रह गई. पहले कभी हमने इसे नहीं देखा था. कभी किसी ने इसके बारे में कोई चर्चा भी नहीं की. यहां तक कि जब हमने मकान खरीदा था, तब भी इसके बारे में कोई बात नहीं हुई थी.

अंदर एक छिपा हुआ कमरा मिला

महिला ने इसके बाद उस दरवाजे को खोलने का फैसला किया. खोलते ही अंदर एक छिपा हुआ कमरा मिला. ऐसा भी नहीं था कि यह छोटा सा कमरा हो. अच्छा खासा बेडरूम टाइप का कमरा था, जिसे हमने कभी नहीं देखा था. यह देखकर पूरे परिवार का मुंह खुला का खुला रहा गया. जैसे ही महिला की बेटी ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, यह अविश्वसनीय रूप से वायरल हो गया. 10 लाख से ज्यादा बार इसे देखा गया. लोगों ने कहा-हर किसी को घर लेते वक्त जरूरत सारा कुछ तलाश लेना चाहिए. यह वाकई जबरदस्त है.

सुविचार

चलो माना कि हर कोशिश में सफलता नहीं मिलती लेकिन हर सफलता का कारण कोशिश ही होती है।

हैदराबादवासियों ने धूमधाम से मनाया होली का जश्न

हैदराबाद, 25 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। ट्विन सिटीज में लोगों ने होली का त्योहार हर्षोल्हास से मनाया। युवा और बुजुर्ग सभी ने एक साथ होली समारोह में भाग लिया और एक-दूसरे को रंग लगाकर रंग-बिरंगे त्योहार का आनंद लिया। नतीजा यह हुआ कि पूरा शहर रंगों के दंगल में तब्दील हो गया।

हैदराबादवासियों ने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ त्योहार मनाया। सिकंदराबाद, गच्चीबावली, हाई-टेक सिटी और पीपुल्स प्लाजा में होली कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के आयोजक डीजे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सहयोग किया। सिकंदराबाद के तारनाका में जीएचएमसी के तत्वाधान में बलदिया कार्यकर्ताओं की होली मनाई गई। इन समारोहों में उप महापौर श्रीलता शोभन रेड्डी ने भाग लिया। जिला पुलिस मुख्यालय में होली की धूम देखने को मिली। वरिष्ठ अधिकारियों सहित कर्मियों ने एक दुसरे को रंग लगाकर उत्सव मनाया।

इस बीच रविवार को शहर के कुछ हिस्सों में होली का जश्न मनाया गया। यहां बता दें कि हर साल होली का त्योहार फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। होली के त्यौहार को होलिका पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

देशभर में होली की धूम शुरू हो गई है। रविवार की रात काम दहन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। होली उत्सव की पूर्व संध्या पर कामुदी जलाने की प्रथा है। यह दाह संस्कार वाल्मिकी समाज के लोग करते हैं। अपने अनुष्ठानों के एक भाग के रूप में, वाल्मिकी समाज के लोग इन उत्सवों को भव्य तरीके से मनाते थे।

वियतनाम के मीडिया पेशेवरों ने नागार्जुन कोंडा और बुद्धवनम परियोजना का किया दौरा

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वियतनाम के 26 मीडिया पेशेवरों का एक समूह डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में पत्रकारिता और जनसंपर्क पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। उन्होंने नागार्जुन कोंडा का दौरा किया। यह दक्षिण भारत में भारत के सबसे अमीर बौद्ध शिक्षण केंद्रों में से एक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। मीडिया पेशेवरों ने एएसआई संग्रहालय का दौरा किया और बुद्ध स्तूप और संबंधित लेखों के संग्रह को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना की। मीडिया पेशेवरों ने बुद्धवनम परियोजना का भी दौरा किया। उन्होंने प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु और विद्वान आचार्य नागार्जुन से संबंधित वीडियो देखे। उन्होंने प्रार्थना की और अपने पेशेवर और व्यक्तिगत कल्याण के लिए आचार्य नागार्जुन से आशीर्वाद मांगा। मीडिया पेशेवरों ने कहा कि उन्होंने अपने माता-पिता से भगवान बुद्ध और आचार्य नागार्जुन के जन्मस्थान के बारे में सुना था। मीडिया पेशेवरों ने कहा कि नागार्जुन कोंडा, एएसआई संग्रहालय और बुद्धवनम परियोजना का दौरा करना जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है जो हमें विदेश मंत्रालय के आईटीईसी प्रभाग और महानिदेशक, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान द्वारा प्रदान किया गया है।

श्री गुरु जम्भेश्वर मंदिर में संपन्न हुआ होली पाहल एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम

हैदराबाद, 25 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। सुभाष नगर जीडीमेटला स्थित श्री गुरु जम्भेश्वर मंदिर प्रांगण में विश्नोई समाज द्वारा परंपरागत हवन एवं पाहल का आयोजन पंडित मनोहर सियोल के सानिध्य में समाज के सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में संपन्न हुआ।

श्री विश्नोई महासभा हैदराबाद द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन में महासभा के अध्यक्ष सोहनलाल जाणी ने पाहल किया, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बोला ने संचालन एवं कोषाध्यक्ष रघुनाथ जाणी ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। समारोह में लोकसभा प्रत्याशी इटेला राजेन्द्र ने शिरकत की जिनका साफा बंधवाकर सम्मान किया। आयोजन को सफल बनाने में रामसा जाणी, श्रवण साहू, ओमप्रकाश बोला, विरदाराम ढाका, रघुनाथ जाणी, हनुमान गोदारा, अमृत सारण, जगदीश धायल, मुल्तान लेगा, ललित खिलेरी, तेजाराम लोल, रमेश खिलैरी, एवं धीमाराम का सहयोग रहा। अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

होली के अवसर पर रंग खेलते हुए अपने पोते को गोद में लेकर फुले नहीं समा रहे हैं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी।

ओल्ड एयरपोर्ट रोड़ स्थित तेलंगाना गार्डन में श्री राधा कृष्णा सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन कथा का रसपान कराते हुए श्याम सुन्दरजी महाराज। अवसर पर परम श्रद्धेय श्री बायोसा आशा माताजी का सम्मानकर भागवत कथा, हवन-यज्ञ, पुजा-अर्चना, भोजन-प्रसादी कार्यक्रम का लाभ लेते हुए जस्साराम-शानूदेवी कारीवाल, लिख्माराम, माणकचन्द, रमेश कारीवाल, महेन्द्र कुमावत, विनोद भाई, आयोजक व भक्तगण।

जंगलों में लगातार आग लगने की घटना से मंत्री चिंतित

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वन पर्यावरण एवं राजस्व मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा ने तेलंगाना के जंगलों में लगातार लग रही आग पर चिंता व्यक्त की है। गर्मी की शुरूआत से ही लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए वन विभाग को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है मंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में अमराबाद, कव्वाल, तडवई, इलांडु और अन्य क्षेत्रों में वन दुर्घटनाओं की खबरें आई हैं। मंत्री ने वन विभाग और सभी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी क्योंकि इन वन दुर्घटनाओं से बहुमूल्य वन संपदा के साथ-साथ जंगली जानवरों को भी बड़ी क्षति होने की आशंका है। कहा जा रहा है कि विमानन में संतुलन की कमी है और हम आपदाओं से जूझ रहे हैं। मंत्री ने कहा कि वनों की सावधानीपूर्वक सुरक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। मंत्री ने वन क्षेत्रों से यात्रा करने वाले लोगों से सतर्क रहने और गर्मी के दौरान जंगलों में खाना पकाने, सिगरेट, बीड़ी आदि न फेंकने को कहा है। मानवीय लापरवाही के कारण जंगल में आग लगने की घटनाएं अधिक होती हैं, उन्होंने कहा कि लोगों को उचित सावधानियों के साथ सतर्क रहना चाहिए। साथ ही मंत्री ने वन विभाग में जंगल की आग से बचाव के उपकरणों की जानकारी ली। मंत्री ने फोन पर अधिकारियों से जंगल की आग की रोकथाम के लिए मौजूदा उपकरणों और दुर्घटनाओं को यथासंभव रोकने के लिए और अधिक प्रयास करने के प्रस्तावों पर चर्चा की। पीसीसीएफ आर.एम. डोबरियाल से फोन पर बात करते हुए मंत्री ने सुझाव दिया कि अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी उपाय किए जाने चाहिए, अग्नि दुर्घटनाओं की रिपोर्ट मिलते ही त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को सतर्क किया जाना चाहिए, उन्हें जल्द से जल्द खतरे वाले क्षेत्रों में पहुंचना चाहिए और आग से बचाव के उपाय करें और इसमें स्थानीय लोगों का भी सहयोग लें।

आदिलाबाद में अलग-अलग घटनाओं में दो किशोर डूबे

आदिलाबाद, 25 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। अलग-अलग घटनाओं में, सोमवार को होली उत्सव में भाग लेने के बाद दो किशोर नहर और नाले में डूब गए।

पहली घटना में, गोपालपुरम कार्तिक (15) को एक लिफ्ट सिंचाई योजना की नहर में डुब गए। जब वह दांडेपल्ली मंडल के ममिदिपेल्ली गांव में समारोह के बाद डुबकी लगा रहा था। वह तैराकी से परिचित नहीं थे। कार्तिक के साथ आए दोस्तों ने उसके दादा-दादी को सचेत किया। जन्नाराम मंडल के धर्माराम गांव का रहने वाला कार्तिक त्योहार मनाने के लिए अपने दादा-दादी के पास जा रहा था। दूसरी घटना में, आदिलाबाद शहर के जयजयवान नगर का नौवीं कक्षा का छात्र गुम्मुला सात्विक (14) आदिलाबाद ग्रामीण मंडल के भीमसारी गांव के पास एक धारा में डूब गया, जब वह होली समारोह के बाद डुबकी लगा रहा था। सात्विक की मां स्वर्णलता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

कांग्रेस की बैठक 30 को

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा संसदीय क्षेत्र चुनाव तैयारी कांग्रेस पार्टी की बैठक 28 मार्च के बजाय अब 30 मार्च को हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र के मट्टापल्ली गांव में होगी। नलगोंडा संसदीय क्षेत्र के प्रभारी कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी ने आज मट्टापल्ली गांव और मंदिर का दौरा किया और 30 मार्च को होने वाली बैठक की तैयारियों की समीक्षा की।

वामदलों की 11 राज्य समितियों ने सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 11 वामपंथी दलों की राज्य समितियों ने आज राज्य के लोगों से सांप्रदायिक नीतियों के खिलाफ 30 मार्च को होने वाले उनके राज्य सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। एक बयान में उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देश की जनता की समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है। यह लोगों का ध्यान भटका रहा है। सांप्रदायिक नीतियों को आगे बढ़ाने और तानाशाही नीतियों को लागू किया जा रहा है। वह अपने स्वार्थों के लिए विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल प्रणाली का उपयोग कर रही है और संबंधित सरकारों को उखाड़ फेंक रही है। आम चुनाव से पहले ही ईडी और आईटी विपक्ष का गला घोंट रहे हैं। इसने नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) को असंवैधानिक करार दिया। इसी पृष्ठभूमि में 11 वामपंथी दलों की राज्य कमेटियों के तत्वावधान में जनविरोधी, कट्टरवादी एवं कॉरपोरेट नीतियों के विरोध में 30 मार्च 2024 को सुबह 10 बजे शहर के सुंदरैया विज्ञान केंद्र में राज्य सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। भाजपा सरकार की और राज्यव्यापी अभियान के लिए गतिविधियां तैयार करें। उन्होंने कहा, 11 दलों के नेताओं ने लोगों और तंत्रवादियों से बड़े पैमाने पर सम्मेलन में भाग लेने और इसकी सफलता सुनिश्चित करने की अपील की।

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद का रंग रसिया संपन्न

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना, सिकंदराबाद नॉर्थ शाखा द्वारा होली मिलन कार्यक्रम रंग रसिया - 2024 हर्षोल्हास के साथ सिकंदराबाद स्थित अग्रसेन गार्डन में मनाया गया।

इसमें शाखा सदस्यों ने सपरिवार सम्मिलित होकर कार्यक्रम का आनंद लिया।

सर्वप्रथम शाखा के अध्यक्ष नारायण चौधरी ने सभी सदस्यों के साथ महाराज अग्रसेन की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सहभागी सदस्यों के लिए डीजे म्यूजिक, रेन डांस, सेल्फी बूथ, बच्चों के लिए पिचकारी, हर्बल गुलाल की विशेष व्यवस्था कि गई थी। कार्यक्रम के संयोजक राकेश कुमार अग्रवाल, बिकी शराफ, विकास अग्रवाल, पवन गुप्ता, एवं अजय जैन थे। अन्त में लकी ड्रॉ द्वारा 21 सदस्यों को उपहार दिए गए।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, संयुक्त मंत्री अशोक आर डाणी कोषाध्यक्ष बिकी शराफ, आईपीपी विकास कुमार केशान, सलाहकार किशन लाल सरावगी, रमेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य विपिन सिंघानिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, एवं कार्यकारिणी सदस्य सुनील सिंघल, गोपाल चांदगोठिया, विकास अग्रवाल, मुकुल जैन, अजय जैन, संदीप गोयनका, रविंद्र भालोटिया, पवन गुप्ता, नितिन तायल, संजय अग्रवाल एँव अशोक मित्तल उपस्थित थे।

कांग्रेस विधायक ने पूर्व मंत्री पर लगाया जमीन पर कब्जा करने का आरोप

नाकरेकल, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नाकरेकल विधायक वेमुला वीरेशम ने पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी के खिलाफ सनसनीखेज टिप्पणी की है, उन्होंने आरोप लगाया है कि बीआरएस सरकार के दौरान जगदीश रेड्डी ने 1.50 लाख एकड़ जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि उनके पास जगदीश रेड्डी द्वारा दस वर्षों में की गई अनियमितताओं से संबंधित सबूत हैं और वह बहुत जल्द बीआरएस नेताओं के भ्रष्टाचार के बारे में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को पत्र लिखेंगे। सोमवार को यहां मीडिया से बात करते हुए वेमुला वीरेशम ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने पिछले दस वर्षों के दौरान कई अनियमितताएं की हैं और अवैध रूप से धन जमा किया है।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं द्वारा रंगों का त्यौहार होली पर आयोजित पुजा-अर्चना, बच्चों की ढूंढ, रंगारंग गैर महोत्सव व भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, नारायणलाल वरपा, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, रावतराम बर्फा, पूर्व अध्यक्ष चेनाराम चोयल, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पप्पू यादव को सामने कर कांग्रेस ने लालू को घेरा

तेजस्वी बोले-100% सब ठीक, कांग्रेस के खेल के बाद लालू की 4 चुनौतियों को समझिए

पटना, 25 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में महागठबंधन में सीटों का बंटवारा अबतक नहीं हो पाया है। जबकि लालू यादव ने सिंबल बांटना भी शुरू कर दिया है। बिहार कांग्रेस लालू प्रसाद की राजनीति के आगे कमजोर दिख रही थी, लेकिन पप्पू यादव को दल-बल कांग्रेस में शामिल कर कांग्रेस ने जैसे अपनी ताकत सामने रख दी है। पूर्णिया की सीट न सिर्फ पप्पू यादव के लिए प्रतिष्ठा की सीट बन गई है बल्कि कांग्रेस के लिए भी। लालू प्रसाद यहां से बीमा भारती को लोकसभा चुनाव के समर में उतारना चाहते हैं।

लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव दिल्ली गए हैं। वहां इस पर आरजेडी और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से बातचीत कर समाधान ढूंढ़ा जाएगा। देर रात पटना से दिल्ली पहुंचने के बाद आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन में तनातनी के सवाल पर पत्रकारों लालू प्रसाद ने विवाद को खारिज करते हुए कहा कि आपको कोई जानकारी नहीं है। तेजस्वी यादव ने खींचतान की खबरों पर कहा कि सब ठीक है, कोई दिक्कत नहीं है, 100 परसेंट सब ठीक है। अगर गठबंधन को लेकर आपको डाउट है तो आप गलतफहमी में जी रहे हैं।

इन सबके बीच राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी का बड़ा बयान सामने आया है। राजद की ओर से लोकसभा प्रत्याशियों को सिंबल दिए जाने पर कांग्रेस के ऐतराज पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जरूरत से ज्यादा सीट दी जा रही है, जिसके कारण से सीट बंटवारे में दिक्कत सामने आ रही है। महागठबंधन में सबसे बड़े भाई की भूमिका में मजबूत दल राजद है। राजद के सहारे ही कांग्रेस को लोकसभा चुनाव निकालना है। राजद के कंधे पर ही महागठबंधन को बिहार में जीत दिलाने की जिम्मेदारी है। सहयोगी दल चाहे माले हो या कांग्रेस अपने जनाधार को देखकर ही सीट मांगे। राजद ने महागठबंधन के सहयोगी दलों से उम्मीदवारों की जानकारी मांगी थी, मगर उन्होंने नहीं दिया। उम्मीदवारों की जानकारी जब महागठबंधन के अन्य घटक दलों ने राजद को नहीं दी, तब लालू यादव ने सिंबल बांट दिया। इस विषय पर बात करने के लिए सभी लोग दिल्ली गए हैं।

कांग्रेस ने लालू प्रसाद की जाति के नेता पप्पू यादव को ही सामने कर जैसे लालू प्रसाद की राजनीति को जवाब देने का मन बनाया है। महागठबंधन में सीटें फाइनल नहीं होने के बावजूद लालू प्रसाद सिंबल बांटते रहे और दिखाते रहे कि वे जो चाहेंगे महागठबंधन में वही होगा। कांग्रेस विधान सभा उपचुनावों में देख चुकी है कि कांग्रेस की सीट पर भी किस तरह से आरजेडी ने उम्मीदवार दे दिया था।

लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव का गुस्सा इस बात को लेकर है कि 71 सीटें लेकर 19 सीटें विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने हासिल की थी। तब यह बात सामने आई थी कि कांग्रेस बेहतर परफॉर्म करती तो तेजस्वी सीएम बन गए होते। लालू प्रसाद बीजेपी को रोकने की बात करते रहते हैं, यह उनकी सबसे बड़ी चुनौती नंबर वन दिखती है लेकिन अन्य चुनौतियां भी हैं।

दूसरी चुनौती- यह कि घर के अंदर राजनीतिक संतुलन बनाना। इसे उन्होंने तीसरी बार मीसा भारती को पाटलिपुत्रा से सिंबल देकर और सारण से रोहिणी आचार्या को मैदान में उतारने का मन बनाकर साधा है। तीसरी चुनौती- कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी और माले जैसी पार्टी को भी साइज में रखना। लेफ्ट पार्टियों के बीच खटपट यह बता रहा है कि क्या खेल हो रहा है। सीपीआई को माले की पॉलिटिकल मांग पर आपत्ति हो रही है।

चौथी चुनौती- मधेपुरा, पूर्णिया जैसे इलाके यादव बहुल हैं और लालू प्रसाद इसे अपने हाथ से निकलना नहीं देना चाहते। हालांकि पिछली बार मधेपुरा में आरजेडी के शरद यादव को जेडीयू के दिनेश चंद्र यादव को हराया। पप्पू यादव तीसरे नंबर पर रहे। पूर्णिया में जेडीयू के संतोष कुमार ने कांग्रेस के उदय सिंह को हराया। नीतीश कुमार लालू प्रसाद को विधान सभा में ही नहीं रोक रहे बल्कि यादव के गढ़ में भी लालू प्रसाद को ठीक कर दिया। कोर्ट-कचहरी के चक्कर के साथ ही स्वास्थ्य कारणों से भी लालू प्रसाद इस बीच परेशान रहे। कांग्रेस ने जब देखा कि वह कन्हैया कुमार को बिहार के लोकसभा चुनाव में बेगूसराय से नहीं उतार पायी तो पप्पू यादव को पूर्णिया में आगे कर दिया। पप्पू, लालू यादव की इच्छा जान रहे हैं, उन्हें पिता तुल्य भी बता रहे हैं लेकिन लालू यादव की बात मानने को तैयार नहीं है। कांग्रेस के किसी नेता का यह बयान नहीं आया कि पप्प पूर्णिया की जिद छोड़ दें। साफ है कांग्रेस क्या चाहती है।

कांग्रेस पार्टी ने पप्पू यादव को कांग्रेस में शामिल कराकर लालू प्रसाद को परेशान करने का खेला खेल रही है। पप्पू यादव का मधेपुरा, पूर्णिया, सहरसा में वोट बैंक है।

बेगूसराय में सड़क हादसे में मां-बेटी समेत 3 की मौत

बेगूसराय, 25 मार्च (एजेंसियां)। बेगूसराय में होली मनाने जा रहे परिवार की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। जिसमें महिला, उनकी बेटी और घर में काम करनेवाली हेल्पर की मौत हो गई। जबकि पिता-बेटा और गाड़ी का ड्राइवर जख्मी हैं। जिन्हें इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि अचानक सामने से तेज रफ्तार पुलिस की गाड़ी आ गई, जिससे कार अनियंत्रित हो गई और गड्ढे में पलट गई। हादसे में कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना एनएच- 28 पर बछवाड़ा थाना क्षेत्र के झमटिया ढाला के पास की है। मृतका की पहचान मुजफ्फरपुर जिला के गायघाट निवासी सुधीर कुमार सिंह की पत्नी अर्चना देवी (45), बेटी नम्रता सिंह (15) और घर में रह रही हेल्पर काजल (12) के रूप में की गई है। इस हादसे में घायल सुधीर कुमार सिंह (50) एवं उनके बेटे ओम कुमार (12) को पटना रेफर कर दिया गया है। जबकि वाहन चालक को मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया है। इस हादसे में के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। घटना के बारे में मृतका के भाई जमुई निवासी गुंजन कुमार ने बताया कि सुधीर कुमार सिंह अपनी पत्नी और बच्चों सहित पूरे परिवार के साथ होली खेलने जमुई नगर के वार्ड संख्या- 25 स्थित ससुराल जा रहे थे। रात 10:30 बजे हम लोगों की बात हुई तो उन्होंने कहा था कि मुजफ्फरपुर से निकल गए हैं।

75 साल में इतना टॉर्चर पहले कभी नहीं हुआ मुसलमान'

सांसद हसन बोले-मुसलमानों में दहशत, हमारी नस्लों का क्या होगा; सबक सिखाने का वक्त

मुरादाबाद , 25 मार्च (एजेंसियां)। सपा सांसद और मुरादाबाद से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी घोषित हुए डॉ. एसटी हसन ने भाजपा का नाम लिए बगैर उस पर देश के मुसलमानों को टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। एक बार फिर मुरादाबाद से प्रत्याशी घोषित होने के बाद रविवार रात करीब 2 बजे मुरादाबाद पहुंचे एसटी हसन ने मीडिया से कहा, "पिछले 10 सालों में देश के मुसलमान ने जितना झेला है, जितना टॉर्चर सहा है, उतना आजादी के 75 सालों में कभी नहीं हुआ। आज मुसलमानों के दिमाग में एक अजीब-सी दहशत है। हम सोचने को मजबूर हैं कि हमारी आने वाली नस्लों का क्या होगा।

रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बातचीत में एसटी हसन ने कहा, ''देश में आज बड़े-बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट देश के मुद्दों के लिए होती है। इस वक्त हिंदुस्तान की बड़ी आबादियों के बीच में फासले पैदा हो गए हैं। हमारी बुजुर्गों से मिली तहजीबें और प्यार मोहब्बत खत्म हो रही है। उन्हें सियासत की भेंट चढ़ाया जा रहा है। अब ऐसी ताकतों को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। ये नफरतों के सौदागरों को सबक सिखाने का वक्त है।

एसटी हसन ने कहा, "महंगाई, किसान, रोजगार, कारोबार, बच्चों की तालीम, लोगों का इलाज...ये बड़े चुनावी मुद्दे हैं। सरकार इनमें से हर मोर्चे पर विफल रही है। विकास के नाम पर सिर्फ नफरतों की दुकानें खोली गई हैं।

डॉ. एसटी हसन ने कहा, ''मुरादाबाद में एम्स बनाने के लिए 42 साल पहले ठाकुरद्वारा क्षेत्र में 800 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था। ये जमीन तब से ऐसे ही पड़ी है। मैंने 2 बार ये मामला लोकसभा में उठाया। इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से भी मिला। लेकिन, किसी ने कुछ नहीं किया। जीतने के बाद मैं फिर से इस मुद्दे को उठाऊंगा।

नेताओं की होली : ऊंट पर डिप्टी सीएम, हाथ में पिचकारी

सैफई में अखिलेश ने खेली फूलों वाली होली; गोरखपुर में सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव का वक्त है। सियासत पर भी होली के रंग चढ़ चुके हैं। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिव का रुद्राभिषेक किया। सैफई में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव ने सपा समर्थकों के साथ फूलों की होली खेली। लखनऊ के चौक इलाके में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा नजर आए। बृजेश पाठक ऊंट पर बैठकर लोगों पर रंग बरसा रहे थे। केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ में पटका पहनाकर लोगों को शुभकामनाएं दी।

सहारनपुर से भाजपा के प्रत्याशी राघव लखनपाल लोगों के बीच होली खेलते दिखे। वह गुलाल से रंगे हुए थे। रामपुर मनिहारन के भाजपा विधायक देवेंद्र कुमार निम ने भी लोगों के साथ जमकर होली खेली। होली के अवसर पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा प्रमुख मायावती, अखिलेश यादव ने यूपी के लोगों को शुभकामनाएं दी है। पूरे देश में आज होली का त्योहार मनाया जा रहा है। यूपी सरकार में राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, राज्य मंत्री जसवंत सैनी, नकुड विधायक मुकेश चौधरी होली मानते हुए नजर आए। इस दौरान, रंग बरसे भीगे चुनर वाली...गाने पर उन्होंने डांस भी किया।

अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आने वाला चुनाव देश का भविष्य बदलने वाला चुनाव होगा। इसलिए आप लोगों को बहुत सतर्कता के साथ होली खेलनी है, फिर वोट देने हैं।

डिंपल यादव सैफई में सपा के होली सम्मेलन में शामिल हुईं। उन्होंने आने वाले चुनाव में बीजेपी को हटाने का संकल्प लेने के लिए कार्यकर्ताओं से कहा। मथुरा में बीजेपी सांसद प्रत्याशी हेमा मालिनी ने अपने समर्थकों के साथ होली खेली। उन्हें शुभकामनाएं दीं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव होली खेलने सैफई पहुंचे हुए थे। यहां सपा कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने होली खेली। उनके साथ मंच पर शिवपाल यादव भी नजर आए।

यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा चौक में होली खेलने पहुंचे। बृजेश पाठक ऊंट पर बैठकर होली खेल रहे थे। वहीं राज्य सभा सांसद दिनेश शर्मा रंग बरसाते नजर आए।

सहारनपुर में भाजपा प्रत्याशी राघव लखन पाल के घर होली वाले दिन दीपावली का एहसास भी हो रहा है। एक और होली का पर्व मनाया जा रहा है वहीं राहुल लखनपाल के टिकट मिलने पर लोगों में और उनके समर्थकों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। दिन में ही पटाखे चलाए जा रहे हैं।

अखिलेश की राह में सहयोगी बने रोड़ा

पूरब से पश्चिम तक सपा का चुनावी समीकरण बिगाड़ेंगे

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले अखिलेश यादव अकेले पड़ते दिख रहे हैं। 8 महीने में 4 सहयोगी दलों ने सपा का साथ छोड़ दिया है। इसमें सुभासपा, राष्ट्रीय लोक दल, जनवादी सोशलिस्ट पार्टी और अब अपना दल (कमेरावादी) हैं। इस चुनाव में अखिलेश को सिर्फ राहुल गांधी का साथ मिला है।

चुनाव से पहले दलित-पिछड़े चेहरों का साथ छूटने से पश्चिम से लेकर पूरब तक सपा के समीकरण बदलते दिख रहे हैं। उसकी वजह यह है कि जिस पीडीए की अखिलेश बार-बार बात करते हैं वह इन छोटे दलों से कहीं न कहीं जुड़ा हुआ है। यही नहीं, जिन दलों ने अखिलेश का साथ छोड़ा है, उन्हीं की मदद से 2022 विधानसभा चुनाव में सपा गठबंधन 47 सीट से आगे बढ़कर 111 सीट तक पहुंचा था। तब इन दलों ने ही बीजेपी की टेंशन बढ़ा दी थी। अब वहीं दल सपा के खिलाफ लोकसभा चुनाव में ताल ठोक रहे हैं। यूपी में करीब 4% राजभर मतदाता माने जाते हैं। पूर्वांचल के 25 जिलों में 26 लोकसभा सीटें हैं। गाजीपुर, बलिया, आजमगढ़, घोसी, जौनपुर, लालगंज, वाराणसी, सलेमपुर, चंदौली और मछलीशहर समेत 18 सीटों पर राजभर समाज के वोटर्स निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में हैं।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी राजभर ने अखिलेश यादव के साथ विधानसभा चुनाव-2022 में लड़ा। उनके 6 विधायक जीते थे। लेकिन 8 महीने पहले राजभर ने अखिलेश को छोड़ दिया। इस चुनाव में राजभर एनडीए का हिस्सा हैं। जाहिर है कि पूर्वांचल में सियासी गुणा-गणित के लिए अखिलेश को अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। पश्चिम यूपी में करीब 18% जाट आबादी है, जो सीधे चुनाव पर असर डालती है। पश्चिम यूपी की बागपत, मथुरा, मुजफ्फरनगर, मेरठ, मुरादाबाद, शामली, बिजनौर, अमरोहा, कैराना और गाजियाबाद लोकसभा सीट पर जाट वोटर का एकमुश्त वोट किसी भी दल की हार-जीत तय करने में अहत रहता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जाटलैंड की 7 सीटों पर भाजपा को हार मिली थी। 2019 के आम चुनाव में जयंत चौधरी की पार्टी रालोद ने सपा-बसपा के साथ गठबंधन में 3 सीट पर चुनाव लड़ा था और तीनों सीटों पर दूसरे नंबर पर आई थी। अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल ने मिर्जापुर, कौशांबी और फूलपुर सीटों पर चुनाव लड़ने का पहले ऐलान किया।

नालंदा में नाबालिग की हत्या, आंख फोड़ी, हाथ-पैर तोड़े

रिश्तेदार से था अफेयर, किडनैप कर 10 लाख मांगे; 3 दिन पहले घर से निकला था

नालंदा, 25 मार्च (एजेंसियां)। नालंदा में तीन दिन पहले किडनैप नाबालिग (16) का शव मिला है। परिजनों का आरोप है कि गला दबाकर उसकी हत्या की गई है। साथ ही एक आंख फोड़ी गई है, हाथ-पैर तोड़ दिए हैं। हाथ रस्सी से बंधे हैं। बेरहमी से उसे मारा गया है। मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ रहा है। बताया जा रहा है कि मृतक का अपनी ही रिश्तेदार से अफेयर था, जिसे लेकर घटना को अंजाम दिया गया। लड़की मृतक की भांजी लगती है। पूरा मामला सिलाव थाना क्षेत्र का है।

परिजन ने बताया कि 22 मार्च सुबह किशोर घर से पढ़ने के लिए राजगीर आया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजन अभी ढूंढ ही रहे थे, तभी किशोर के नंबर से घरवालों को 10 लाख की फिरौती के लिए फोन आया। पैसे नहीं देने पर मार देने की धमकी दी गई। इसके बाद परिजन राजगीर में मामला दर्ज कराने पहुंचे। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस खोजबीन शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान ही पुलिस को शव मिलने की सूचना मिली।

घटना के संबंध में चाचा श्रीकांत चौरसिया ने बताया कि किशोर 22 मार्च को घर से पढ़ने के लिए राजगीर आया था। जिसके बाद परिवार के नंबर पर उसके नंबर से फोन आता है कि 10 लाख रुपए दो नहीं तो बच्चे को मार देंगे। इसके बाद परिवार के लोग बथानी थाना मामला दर्ज कराने पहुंचे। जहां पुलिस ने केस लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद राजगीर में परिजनों ने मामला दर्ज कराया।

मृतक के चाचा ने बताया कि बेरहमी से हत्या की गई है। उसके आंख फोड़ दी गई। हाथ-पैर तोड़ दिया गया। गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। हाथ और पैर को रस्सी से बांध दिया गया था। बताया कि सिलाव में ही दूर के रिश्तेदार खुदागंज थाना क्षेत्र के बौरी गांव के शुभम चौरसिया ने फोन कर पार्टी देने के बहाने बुलाया और 5-6 लोगों के साथ मिलकर उसकी निर्मम हत्या कर दी।

बीजेपी को कुमार पर नहीं विश्वास

लोकसभा टिकट पाने से फिर चूके, 5 साल से बीजेपी में नहीं हो पा रहे सेट

गाजियाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि डॉ. कुमार विश्वास एक बार फिर टिकट पाने से वंचित रह गए। मेरठ-गाजियाबाद में किसी भी लोकसभा सीट से वे बीजेपी से टिकट नहीं पा सके। शुरुआत में उनके नाम दोनों सीटों पर चले, लेकिन जातीय समीकरण में वे पिछड़ गए। कुल मिलाकर कुमार विश्वास पिछले 5 साल से बीजेपी में अपनी जगह पक्की नहीं कर पा रहे हैं। कभी एमएलसी, कभी राज्यसभा तो कभी लोकसभा चुनाव लड़ने की उनकी चर्चाएं उड़ती रहीं और निराधार साबित होती रही हैं।

कुमार विश्वास मूल रूप से हापुड़ जिले में पिलखुवा क्षेत्र के रहने वाले हैं। फिलहाल वे गाजियाबाद के वसुंधरा में रहते हैं। कुमार ने अपना करियर एक कवि के रूप में शुरू किया। इसके बाद वे राजस्थान और गाजियाबाद के डिग्री कॉलेजों में प्रवक्ता रहे। 2011 में वे जनलोकपाल बिल के लिए गठित टीम अन्ना के मेंबर बन गए और सक्रिय राजनीति में आ गए। 2012 में वे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बने। 2014 में उन्होंने अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। कुमार को सिर्फ 25527 वोट प्राप्त हुए थे। इधर, साल-2016 से ही अरविंद केजरीवाल और कुमार विश्वास में मतभेद शुरू हो गए। 2018 में जाकर कुमार विश्वास पूरी तरह आप से अलग हो गए। अब पिछले कुछ वक्त से वे पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफें कर रहे हैं। उन्हें पिछले दिनों श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा का न्योता भी मिला था। कुमार विश्वास आजकल देश के अलग-अलग राज्यों में रामकथा करने के लिए जाते हैं।

अयोध्या में लिखी गई 'रामायण के राम' की चुनावी पटकथा

प्राण-प्रतिष्ठा में अरुण गोविल भाजपा नेताओं के साथ नजर आए; संघ से जुड़ा है परिवार

मेरठ, 25 मार्च (एजेंसियां)। यूपी की टॉप वीआईपी सीटों में वाराणसी के बाद अब मेरठ-हापुड़ भी शामिल हो गई है। पर्दे के राम अरुण गोविल को भाजपा ने मेरठ सीट से प्रत्याशी बनाकर उतारा है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम 22 जनवरी 2024 को 500 साल का वनवास काटकर अपने धाम लौटे। उसी तरह मेरठ में जन्मे, पले-बढ़े अरुण गोविल यानी पर्दे के राम की 40 साल बाद घर वापसी हुई है। जन्मभूमि छोड़ मुंबई में बसे अरुण गोविल को टिकट देकर भाजपा ने पर्दे के राम की अपने धाम में वापसी करा दी है। जिसकी पटकथा अयोध्या में बालक राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ही आकार लेने लगी थी।

शुरुआत 22 जनवरी 2024 से करते हैं। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भक्तों ने पर्दे के राम और बालक राम के साक्षात दर्शन किए। मंदिर के अंदर रामलला दर्शन दे रहे थे और परिसर में अरुण गोविल यानी पर्दे के राम बैठे थे। भाजपा नेताओं के बीच खड़े अरुण गोविल का जनता ने अभिवादन किया। वहीं से अरुण के टिकट की पटकथा लिखनी शुरू हो गई थी। रामनाम की गूंज का असर गोविल ने वहीं पहचान लिया और राजनीतिक लहर में उतरना तय कर लिया।

पीला कुर्ता पहनकर गलियों में किया भ्रमण

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में अरुण गोविल, दीपिका चिलखिया और सुनील लहरी खासतौर पर आमंत्रित थे। समारोह में अरुण गोविल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से लेकर ब्रजेश पाठक तक से कई बार मिलते नजर आए। 21 जनवरी को अरुण गोविल पीला कुर्ता पहनकर अयोध्या की गलियों में घूमने निकले, तो भक्तों ने उन्हें साक्षात राम रूप में देखा। देशभर के संतों, उद्योगपतियों और अभिनेताओं को पर्दे के राम के चरणों में शीश नवाते देख पार्टी ने तय कर लिया कि अब राम नाम ही पूरे लोकसभा चुनाव में पार्टी की नैय्या पार लगाएगा। भाजपा मेरठ सीट पर हैवीवेट चेहरा उतारना चाह रही थी। जिससे सामाजिक, धार्मिक और जातीय सारे समीकरण सेट हो जाएं। मेरठ में राजेंद्र अग्रवाल के स्थान पर वैश्य, ब्राह्मण दोनों ही वर्गों से तमाम दावेदार टिकट की लाइन में थे। लेकिन पार्टी ऐसा नाम चाहती थी, जो पश्चिमी यूपी से लेकर पूरब और अन्य राज्यों में भी चुनाव संभाल सके। ऐसे में पर्दे के राम का नाम शीर्ष पर आ गया। राम के नाम पर कवि कुमार विश्वास और अरुण गोविल दोनों ही नामों पर चर्चा हुई। मगर अरुण गोविल की भगवान राम की मानस चरित्र की छवि काम कर गई और उनका नाम चुन लिया गया। भाजपा अरुण गोविल को केवल मेरठ नहीं, बल्कि पूरे देश के चुनाव में सेलिब्रिटी चेहरे के रूप में इस्तेमाल करेगी। पार्टी 2024 का चुनाव राम के सहारे लड़ रही है। अयोध्या में बालकराम पूरब में चुनाव मजबूत करेंगे। पश्चिम में पर्दे के राम के जरिए पार्टी जनता में संदेश देगी। रामलहर के जरिए जनता की धार्मिक डोर कसेगी।

रावण की ससुराल मानी जाती है मेरठ

कभी मेरठ की गलियों में जिस अरुण गोविल का बचपन गुजरा, लोकसभा चुनाव में वो उन्हीं गलियों में लोगों से वोट की अपील करेंगे। जो मेरठ रावण की ससुराल है। मेरठ में मंदोदरी का मायका है, उसी रावण की ससुराल से अब राम चुनाव लड़ेंगे। मान्यता है कि मंदोदरी के पिता मयदानव ने ही मेरठ नगरी को बसाया था। मयदानव के नाम पर मेरठ का पुराना नाम मयनगरी थी। जो बाद में मेरठ बन गया।

मेरठ की गलियों में गुजरा बचपन

अरुण गोविल का जन्म 12 जनवरी 1952 में हुआ। उनके पिता का नाम चंद्र प्रकाश गोविल है। वह अभियंता जलकल विभाग मेरठ नगरपालिका रहे हैं। मेरठ के रामनगर में अरुण गोविल का परिवार रहता था। गोविल ने सरस्वती शिक्षा मंदिर पुरवा महावीर मेरठ से पढ़ाई की। जीआईसी मेरठ से 1966 में कॉलेज की शिक्षा ली।

इसके बाद उनके पिता का ट्रांसफर शाहजहांपुर हो गया, जहां उन्होंने स्नातक की पढाई की है। इसके बाद वो फिल्मी दुनिया में करियर बनाने मुंबई चले गए। जहां रामानंद सागर के सीरियल रामायण में राम का किरदार निभाया है। परिवार लंबे समय से संघ से जुड़ा हुआ है। अरुण गोविल की पढ़ाई-लिखाई सहारनपुर और शाहजहांपुर में हुई।

छह भाई बहनों में चौथे नंबर के हैं अरुण

अरुण गोविल की माताजी शारदा गोविल का निधन हो चुका है। पिताजी का भी निधन हो चुका है। गोविल ने अभिनेत्री श्रीलेखा से शादी की है। एक फिल्म के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली। अरुण गोविल के बेटी सोनिका गोविल और बेटा अमल गोविल है। गोविल के बड़े भाई विजय गोविल ने मशहूर टीवी एंकर तब्ससुम से शादी की है।

अरुण गोविल ने सीरियल के साथ ही फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, फिल्मों में उनका करियर बहुत लंबा नहीं रहा। अरुण गोविल छह भाई बहनों में चौथे नंबर के थे। सबसे बड़े भाई अशोक गोविल रिटायर गर्वमेंट ऑफिसर हैं। उसके बाद विजय गोविल। तीसरे नंबर के भाई नवीन गोविल नेवी से सेवानिवृत्त हैं। इनकी पत्नी का नाम नौरी जांस है। चौथे नंबर पर अरुण गोविल हैं। दो बहनें एक गुड्डी और आशा है। आशा की शादी मेरठ में रहने वाले सुशील कुमार से हुई है। सुशील कुमार गायक हैं और रामायण सीरियल में रविंद्र जैन के साथ गायन कर चुके हैं। हालांकि अब बहन का परिवार भी मुंबई शिफ्ट हो गया।

सोनीपत की दवा कंपनी ब्लैकलिस्ट

सैंपल फेल होने पर एक्शन, सरकारी टेंडर रोके, कफ सिरप से बच्चों की मौत पर चर्चा में आई थी

चंडीगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत की मेडेन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड को तीन साल के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही कंपनी को सरकारी टेंडरों में शामिल होने पर भी रोक लगा दी गई है। कंपनी को जारी किए गए सभी दर अनुबंध भी रद्द कर दिए गए हैं। मेडेन फार्मा की एल्बेंडाजोल गोलियों के 19 बैच क्वालिटी टेस्ट में फेल होने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

सीएम नायब सैनी की मंजूरी मिलने के बाद मेडेन फार्मा के मामले में कार्रवाई करने का फैसला किया गया है। हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएमएससीएल) ने कंपनी के 3 अलग-अलग उत्पादों के गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के बाद यह कार्रवाई की है। एचएमएससीएल सरकारी अस्पतालों और औषधालयों के लिए दवाएं खरीदती है। यह कंपनी गांबिया में बच्चों की कथित कफ सिरप की वजह से मौत के बाद चर्चा में आई थी।

इन गोलियों को किया ब्लैक लिस्ट एचएमएससीएल द्वारा सूचीबद्ध लैब्स ने एल्बेंडाजोल टैबलेट (400 मिलीग्राम) के 21 बैचों को मानक गुणवत्ता का घोषित नहीं किया। परीक्षण में इबुप्रोफेन टैबलेट (आईपी 400 मिलीग्राम) के तीन बैच भी मानक गुणवत्ता के साबित नहीं हुए। एजिथ्रोमाइसिन सस्पेंशन (40 मिलीग्राम/एमएल) के 16 बैच परीक्षण में विफल रहे और उन्हें मानक गुणवत्ता का घोषित नहीं किया गया। इन उत्पादों को 2022 और 2023 में खरीद आदेशों के विरुद्ध आपूर्ति की गई थी।

गांबिया केस के बाद चर्चा में आई थी कंपनी

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मेडेन फार्मास्यूटिकल्स गांबिया केस से चर्चा में आई थी। इस कंपनी ने गांबिया को कफ सिरप की आपूर्ति की थी, जिसके कारण 66 बच्चों की मौत हो गई थी। गांबिया सरकार द्वारा नमूना परीक्षण में अत्यधिक विषाक्त पदार्थ पाए गए, जिसके कारण किडनी खराब हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कफ सिरप को लेकर भी अलर्ट जारी किया था।

पहले भी फेल हो चुके सैंपल

आदेश में कहा गया है कि कंपनी पिछले वर्षों में गुणवत्ता नियंत्रण में सिलसिलेवार अपराधी रही है। जांच के बाद, राज्य औषधि नियंत्रक, हरियाणा ने 11 अक्टूबर, 2022 के एक आदेश द्वारा अपनी सभी विनिर्माण गतिविधियों को रोक दिया था। केरल सरकार ने 5 दवा फॉर्मूलेशन पाए थे, जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक दवा फॉर्मूलेशन को मानक गुणवत्ता का नहीं पाया था।

बैंक गारंटी भी जब्त की गई

सोनीपत की एक अदालत ने घटिया रेनिटिडीन हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट मामले में फर्म के दो निदेशकों को दोषी ठहराया था। एचएमएससीएल की नीति के अनुसार, यदि 3 से अधिक उत्पाद गुणवत्ता परीक्षण में विफल हो जाते हैं, तो सभी निविदाओं के लिए एक फर्म को 3 साल के लिए ब्लैक लिस्ट किया जा सकता है, लेकिन यहां 3 आइटम 'मानक गुणवत्ता के नहीं' पाए गए। फर्म की परफॉर्मेंस बैंक गारंटी भी जब्त कर ली गई है।

चुनाव से पहले बंगाल में हिंसा का दावा

बीजेपी विधायक ईसी से बोले-ये 2023 के पंचायत चुनावों का नरसंहार दोहराने से रोकने का समय

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने लोकसभा चुनाव से पहले हिंसा शुरू होने का दावा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में तृणमूल कांग्रेस के लोगों पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट का आरोप लगाया। उन्होंने अपने पोस्ट में चुनाव आयोग (ईसी) को टैग करते हुए कहा-ईसी से आग्रह है कि अगर वे 2021 के विधानसभा चुनाव के वोटिंग के बाद की हिंसा और 2023 के पंचायत चुनावों का नरसंहार दोहराने से रोकने चाहते हैं, तो कार्रवाई करने का समय आ गया है। सुवेंदु अधिकारी के बताया कि कैनिंग पुरबा विधानसभा क्षेत्र में टीएमसी के गुंडों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर बेरहमी से हमला किया है। कैनिंग पुरबा से टीएमसी विधायक सौकत मोल्ला के करीबी हुसैन शेख ने घटना को अंजाम दिया है।

भाजपा एमएलए बोले-सौकत मोल्ला की छवि शेख शाहजहां के समान

हमले में भाजपा के दो कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए कैनिंग सब डिविजनल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाजपा विधायक ने दावा किया कि कैनिंग पुरबा में सौकत मोल्ला की छवि संदेशखाली में शेख शाहजहां के समान है। सुवेंदु ने कहा- सौकत मोल्ला जैसे लोगों के पास चुनावों में धांधली करने की मशीनरी है। चुनाव आयोग को उन्हें निगरानी में रखना चाहिए। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का यही एकमात्र तरीका है। सुवेंदु ने हुसैन शेख को गिरफ्तार करने की भी मांग की।

बंगाल में 8 जुलाई 2023 में पंचायत चुनाव हुए थे। वोटिंग के दिन अलग-अलग इलाकों में हुई हिंसा में 15 लोगों की मौत हुई थी। कई जगह बैलेट पेपर फाड़े गए तो कहीं बैलेट बॉक्स को पानी में डाल दिया गया और कहीं आग लगा दी गई। मरने वालों में 8 टीएमसी कार्यकर्ता, तीन सीपीआई(एम) कार्यकर्ता, कांग्रेस-भाजपा और आईएसएफ के एक-एक कार्यकर्ता और एक निर्दलीय कैंडिडेट का पोलिंग एजेंट शामिल थे।

लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में सभी 7 फेज में वोटिंग

चुनाव आयोग ने शनिवार (16 मार्च) को देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की थी। कुल 543 सीटों के लिए सात फेज में चुनाव होगा। पहले फेज की वोटिंग 19 अप्रैल को और आखिरी फेज की वोटिंग 1 जून को होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे। पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों के लिए सभी 7 चरणों में वोटिंग होगी।

2 दिन पहले क्रिकेट खेलने निकला था बच्चा, दिल्ली में गाड़ी में सूटकेस में मिली लाश

औरैया, 25 मार्च (एजेंसियां)। औरैया जिले में एरवाकटरा थाना क्षेत्र से शनिवार की दोपहर घर से क्रिकेट खेलने के लिए निकले किशोर का अपहरण कर अज्ञात लोगों ने उसकी हत्या कर शव को सूटकेस में बंद कर गाड़ी में रख दिया। सर्विलांस की मदद से दिल्ली पहुंची पुलिस ने शव को पश्चिम विहार से गाड़ी से सूटकेस बरामद कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एरवाकटरा थाना क्षेत्र के गांव उमरेन से शनिवार दोपहर स्कूल के बाद कस्बा निबासी सराफ शकील का नाबालिग पुत्र शबहान घर से क्रिकेट खेलने के लिए निकाला था। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। जिसपर शनिवार की देर रात परिजनों ने एरवाकटरा थाना पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

उद्योगपति पल्लवी डेम्पो को टिकट

भाजपा ने गोवा में पहली बार महिला प्रत्याशी पर लगाया दांव

पणजी, 25 मार्च (एजेंसियां)। डेम्पो इंडस्ट्रीज की कार्यकारी निदेशक पल्लवी डेम्पो गोवा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही हैं। वह चुनावी इतिहास में पहली महिला उम्मीदवार हैं जो पार्टी के टिकट पर मैदान में उतरी हैं।

भाजपा ने रविवार को आम चुनावों के लिए 111 उम्मीदवारों की अपनी नवीनतम सूची में दक्षिण गोवा से डेम्पो को उम्मीदवार घोषित किया। गोवा की उद्यमी और शिक्षाविद्, पल्लवी के पास एमआईटी, पुणे से रसायन विज्ञान में स्नातक की डिग्री और व्यवसाय प्रबंधन (एमबीए) में स्नातकोत्तर की डिग्री है। वह अपने कार्यकारी निदेशक के रूप में डेम्पो इंडस्ट्रीज की मीडिया और रियल एस्टेट शाखा की देखरेख करती हैं। बता दें कि दक्षिण गोवा सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में कांग्रेस नेता फ्रांसिस्को सरदिन्हा कर रहे हैं। 1962 के बाद से बीजेपी ने इस सीट पर केवल दो बार जीत हासिल की है। दरअसल, साउथ गोवा लोकसभा सीट के दायरे में 20 विधानसभा सीटें आती हैं। इससे पहले हुए चुनावों में महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, यूनाइटेड गोअन्स पार्टी और कांग्रेस के ही प्रत्याशी चुने जाते रहे हैं। हालांकि, 1999 और 2014 के चुनाव में बीजेपी ने यह सीट जीती, लेकिन इसे बरकरार नहीं रख पाई।

सरकारी स्कूल को डेम्पो परिवार ने ले रखा है गोद

डेम्पो के पति श्रीनिवास डेम्पो एक प्रसिद्ध उद्योगपति हैं जो गोवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (जीसीसीआई) के प्रमुख हैं। डेम्पो परिवार ने लड़कियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ग्रामीण स्कूल दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के तहत सरकारी उच्च विद्यालयों को गोद लिया है।

वहीं, पल्लवी डेम्पो इंडो-जर्मन एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसाइटी की अध्यक्ष हैं, जो जर्मनी और गोवा के बीच सांस्कृतिक संवर्धन में योगदान देती है। वह मोडा गोवा फाउंडेशन की ट्रस्टी हैं, जो वेंडेल रॉड्रिक्स द्वारा शुरू किया गया एक फैशन और कपड़ा संग्रहालय है। पल्लवी ने 2012 से 2016 तक गोवा विश्वविद्यालय से संबद्ध अकादमिक परिषद के सदस्य के रूप में कार्य किया। विभिन्न अन्य संगठनों की सदस्य होने के अलावा, पल्लवी डेम्पो गोवा कैंसर सोसायटी की प्रबंध समिति का भी हिस्सा हैं और अखिल भारतीय प्रबंधन संघ की महिला परिषद- एआईएमए एस्पायर की कोर समिति में भी कार्य करती हैं।

रक्षा मंत्री और गृह मंत्री ने दीं होली की शुभकामनाएं

बैद्यनाथ मंदिर में लोगों ने की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। आज रंगों के पर्व होली की धूम है। देशभर में लोग इस त्योहार को उल्लास और उत्साह के साथ मना रहे हैं। इसी बीच ओडिशा में सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने खूबसूरत अंदाज में होली की शुभकामनाएं दी है। आर्टिस्ट ने इसके लिए पुरी में रेत से एक सुंदर कलाकृति बनाई है।

अमेरिकी राजदूत ने गुझिया के साथ मनाया त्योहार

भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गारसेटी ने भी रंगों के पर्व को खास तरीके से मनाया है। गारसेटी ने एक एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि वह भारत में अपनी पहली होली अमेरिकी मेवों से बनी स्वादिष्ट गुझिया के साथ मना रहे हैं। उन्होंने होली को परंपराओं का एक आनंददायक मिश्रण और अमेरिका-भारत दोस्ती का उत्सव बताया है। गारसेटी ने लिखा, 'मैंने लॉस एंजिल्स में होली समारोह मनाया है, लेकिन रंगों के त्योहार के लिए यहां भारत आने से बेहतर कुछ नहीं है।'

सियासी हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं

सियासी हस्तियों ने भी होली के त्योहार की शुभकामनाएं दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रंगों के त्योहार होली पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में खुशी, समृद्धि, सद्भाव और नई ऊर्जा की कामना की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में शाह ने लिखा, 'सभी देशवासियों को रंग व हर्षोल्लास के महापर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं। खुशियों का यह रंगोत्सव आप सभी के जीवन में समृद्धि व सद्भाव का रंग लाए और नई ऊर्जा के संचार का माध्यम बने।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में अपने आवास पर एनएसजी कमांडो के साथ होली मनाई। रक्षा मंत्री ने भी होली के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, 'होली के पर्व की आप सभी को अनंत शुभकामनाएं। रंगों का यह त्योहार आपके जीवन में उल्लास, उत्साह और नई ऊर्जा का संचार करे।

भोजशाला में सर्वे का चौथा दिन, मुस्लिम पक्ष ने उठाए सवाल

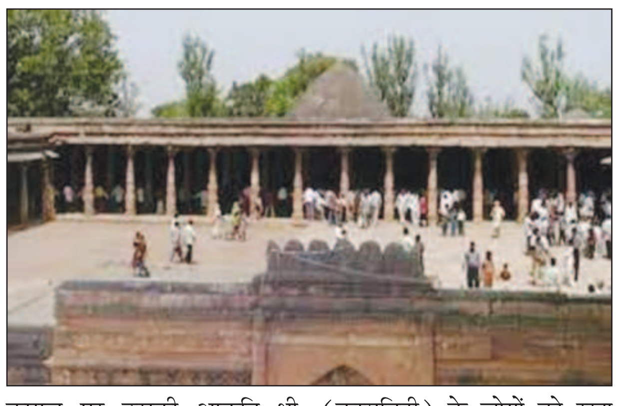

धार, 25 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले की भोजशाला में सरस्वती मंदिर था या मस्जिद, इसका पता लगाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम चौथे दिन भी अपने अभियान में जुटी है।

मुस्लिम समाज के प्रतिनिधि ने सर्वे करने वाली टीम में एक ही वर्ग के लोगों के होने पर आपत्ति दर्ज कराई है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर एएसआई ने शुक्रवार को भोजशाला में सर्वे शुरू कर दिया था।

सोमवार को सर्वे का चौथा दिन है। होली का पर्व होने के बावजूद सर्वे करने वाली टीम सुबह आठ बजे भोजशाला पहुंच गई। टीम ने एक स्तंभ का परीक्षण किया और कागज पर उसकी आकृति भी बनाई। मुस्लिम और हिंदू पक्ष के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह सर्वे कार्य चल रहा है।मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधि ने आरोप लगाया है कि सर्वे के लिए जो टीम आई हुई हैं उसमें एक ही वर्ग (कम्युनिटी) के लोगों को रखा गया है, जबकि इसमें दोनों कम्युनिटी के लोग होने चाहिए।ज्ञात हो कि भोजशाला में मंदिर और मस्जिद को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा है। भोजशाला एएसआई के अधीन संरक्षित स्मारक है। यहां साल 2003 में ऐसी व्यवस्था की गई जिसके तहत शुक्रवार को नमाज होती है और मंगलवार को पूजा।वही आमजन एक रुपये का टिकट लेकर भोजशाला में प्रवेश करते हैं। भोजशाला में सरस्वती मंदिर होने का दावा करते हुए हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने एक याचिका हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में दायर की थी।कोर्ट ने एएसआई को पांच सदस्यीय समिति गठित करने के आदेश दिया था। भोजशाला में उत्तर प्रदेश की ज्ञानवापी की तरह एएसआई सर्वे करने जा रहा है। भोजशाला के सर्वे शुरू होने पर मौके पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर भी पुलिस बल सतर्क है।

केरल भाजपा अध्यक्ष बोले-'वायनाड में राहुल गांधी का वही हश्र होगा जो पिछली बार अमेठी में हुआ था'

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। देश में इन दिनों चुनावी माहौल है। सत्ताधारी भाजपा ने रविवार को 111 और उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया। पांचवीं सूची में पार्टी ने वायनाड सांसद राहुल गांधी के सामने के. सुरेंद्रन को उतारा है। सुरेंद्रन केरल भाजपा के अध्यक्ष हैं।

पार्टी द्वारा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद सुरेंद्रन ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता को अमेठी जैसा ही परिणाम का सामना करना पड़ेगा। सुरेंद्रन ने कहा, 'वायनाड एक ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहां विकास का संकट है। राहुल गांधी ने इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया है। वायनाड में उनका वही हश्र होगा जो पिछली बार उन्होंने अमेठी में किया था।'

2019 के लोकसभा चुनावों कैसे थे वायनाड के नतीजे?

वायनाड सीट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2019 में 4 लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। राहुल ने पिछली बार सीपीआई के पीपी सुनीर को 4.31 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। भाजपा की सहयोगी भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) ने तुषार वेल्लापल्ली को मैदान में उतारा था। एनडीए उम्मीदवार को केवल 78,816 वोट (7.25 प्रतिशत) वोट मिले थे।

इस बार कौन-कौन हैं उम्मीदवार?

वायनाड से मौजूदा सांसद राहुल गांधी के प्रतिद्वंद्वी भाजपा केरल प्रमुख के सुरेंद्रन होंगे। जबकि वाम मोर्चा ने वरिष्ठ सीपीआई नेता एनी राजा को मैदान में उतारा है। सुरेंद्रन ने कहा, 'केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे एक जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में लड़ने के लिए कहा है।

वायनाड के लोग निश्चित रूप से पूछेंगे कि इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक-दूसरे से क्यों चुनाव लड़ रहे हैं।' इस बीच एनी राजा ने कहा कि वाम दल विरोधी उम्मीदवारों के आधार पर उम्मीदवारी तय नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'हम चुनाव प्रचार में बहुत आगे हैं। हम समाज के सभी वर्गों तक पहुंच चुके हैं।'

अंबाजोगाई में खुदाई के दौरान मिले दो प्राचीन मंदिरों के आधार, एएसआई की कार्रवाई में हुआ खुलासा

संभाजीनगर, 25 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुरातत्व विभाग के हाथ बड़ी सफलता लगी है। राज्य के बीड जिले के अंबाजोगाई के पास सकलेश्वर मंदिर परिसर में चल रही खुदाई के दौरान दो मंदिर के आधार मिलने की पुष्टि हुई है। पुरातत्व विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। मामले के जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया कि सकलेश्वर मंदिर का निर्माण तकरीबन 1228 ईस्वी में यादव राजवंश द्वारा किया गया गया, जो पहले मिले एक शिलालेख के मुताबिक देवगिरि किले से शासन करते थे। इसे बाराखंबी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

परिसर में हमें दो मंदिरों के मिले आधार

राज्य पुरातत्व के सहायक निदेशक अमोल गोटे जानकारी देते हुए कहा कि सकलेश्वर मंदिर के परिसर में खुदाई 15 मार्च से शुरू हुई थी। प्रत्येक 100 वर्ग फुट की 14 खाइयां बनाई गई है। अपनी पुरातत्व खोज के दौरान हमें परिसर में दो मंदिरों के आधार मिले हैं, जिनमें से एक खोलेश्वर हैं। जिसका नाम एक यादव जनरल के नाम पर रखा गया है। खुदाई के दौरान हमें कुछ प्राचीन ईंटें भी मिली है। जो मंदिर के शिखर होने का प्रमाण देती है। साथ ही हाथ, पैर जैसे मूर्तिकला के हिस्से में खुदाई के दौरान सामने आए।

अंबाजोगाई के प्राचीन स्मारकों का करेंगे सर्वेक्षण

अमोल गोटे ने कहा कि इसी परियोजना के तहत हम अंबाजोगाई में प्राचीन स्मारकों का सर्वेक्षण भी करेंगे, जो क्षेत्र को विरासत गांव का दर्जा देने में बहुत मदद करेगा। अंबाजोगाई शहर को पहले के समय में अमरापुर, जयंतीपुर, जोगायम्बे के नाम से भी जाना जाता था। इसे हैदराबाद निजाम काल के दौरान मोमिनाबाद के नाम से भी जाना जाता था। इसमें हत्थीखाना, दासोपंत मंदिर, योगेश्वरी मंदिर जैसे अन्य स्मारक भी हैं।

पिछले साल पुरातत्व विभाग को यहां मिली थी सफलता

गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त माह में पुरातत्व विभाग को महाराष्ट्र के औरंगाबाद में सदियों पुराने मकाई (मक्का) गेट के पास टैंक जैसी संरचना पाई गई है। एक अधिकारी ने बताया था कि टैंक जैसी संरचना मिलने के बाद राज्य पुरातत्व विभाग ऐसी संरचनाओं को खोजने के लिए खुदाई करने के लिए प्रेरित हुआ। बता दें, मकाई गेट का निर्माण 17वीं शताब्दी में मुगल काल के दौरान किया गया था। खाम नदी के तट पर स्थित यह गेट औरंगाबाद शहर के चारों ओर निर्मित किलेबंदी का हिस्सा है।

बेकाबू कार कूड़ेदान से टकराई, तीन लोगों की मौत

हल्द्वानी, 25 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में सोमवार सुबह होली की खुशियां मातम में बदल गईं। यहां सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

हल्द्वानी में नैनीताल रोड पर देवाशीष होटल के पास एक दिल्ली नंबर तेज रफ्तार कार कूड़ेदान से टकराकर पलट गई। हादसे के दौरान बेकाबू कार ने मॉर्निंग वॉक पर निकले राहगीरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दो व्यक्तियों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक कार सवार भी शामिल बताया जा रहा है। इस हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। पुलिस ने आगे मामले की जांच शुरू कर दी है।

अपने ही बढ़ा रहे भाजपा की मुश्किलें

ओडिशा-बंगाल के दो नेता हुए बागी कहा-अकेले चुनाव लड़ेंगे

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। पूरा देश इस समय चुनावी रंग में रंगा हुआ है। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावों की घोषणा के बाद से ही विभिन्न पार्टियों के नेता वोटरों को अपने पक्ष में लामबंद करने में लगे हुए हैं। वहीं, पार्टियां भी लगातार अपने प्रत्याशियों के नामों का एलान भी कर रहे हैं। कई नेता ऐसे भी हैं जो निर्दलीय के रूप में अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं। कुछ ऐसा ही दो भाजपा नेताओं ने किया है। पश्चिम बंगाल की कर्सियांग विधानसभा सीट से भाजपा विधायक विष्णु प्रसाद शर्मा ने तो अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ बागी रुख अपना लिया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि वह दार्जिलिंग लोकसभा सीट से अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार राजू बिस्ता के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। हालांकि उन्होंने पार्टी में बने रहने की भी बात कही है। उन्होंने कहा कि वह निर्दलीय चुनाव लड़ते समय भाजपा में ही रहेंगे। इस दौरान पार्टी अपनी इच्छानुसार कोई भी अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है, लेकिन उनका खुद से पार्टी से नाता तोड़ने का कोई इरादा नहीं है। इस दौरान उन्होंने पार्टी के उम्मीदवार को लेकर कहा कि भाजपा ने दार्जिलिंग से बाहर के व्यक्ति को मौका दिया है। उन्होंने कहा कि बिस्ता मेरे उम्मीदवार नहीं हैं। हम किसी बाहरी व्यक्ति को नहीं चाहते। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा को कोई 'भूमि पुत्र' नहीं मिला। यह चौथी बार है जब भाजपा ने दार्जिलिंग पहाड़ियों से नहीं आने वाले किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है। आगे उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे उम्मीदवार 'लोगों के वास्तविक मुद्दों को नहीं उठाते हैं।' भाजपा पर तंज कसते हुए शरमा ने कहा कि यह दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र के 17 लाख मतदाताओं के चेहरे पर तमाचा है।

बीजेपी नेता खरबेला स्वैन ने बालासोर लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया एलान

वहीं, ओडिशा में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। यहां भाजपा नेता एमए खरबेला स्वैन ने सोमवार को ओडिशा की बालासोर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। उन्होंने भी पार्टी न छोड़ने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव प्रचार करने और उन्हीं के नाम पर वोट मांगने की बात कही। खरबेला स्वैन ने यह एलान तब किया है जब एक दिन पहले ही भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पांचवीं लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में ओडिशा की बालासोर सीट से भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रताप सारंगी को मौका दिया है।

प्रेस कांफ्रेंस करते हुए खरबेला स्वैन ने कहा कि मैं आगामी चुनाव में बालासोर लोकसभा सीट से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ूंगा। मैं पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर प्रचार करूंगा। आगे उन्होंने रहा कि जनता तय करेगी की भाजपा का असली उम्मीदवार कौन है। उन्होंने कहा कि वह बीजेपी नहीं छोड़ेंगे, लेकिन पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 26 मार्च- 2024

आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती

जो विकसित दुनिया इस भ्रम में जी रही है कि आतंकवाद सिर्फ विकासशील देशों की समस्या है तो उनका यह भ्रम 22 मार्च की रात उस समय टूट गया होगा जब मास्को के क्राकस सिटी हाल में एक समारोह की शुरुआत के ठीक पहले कुछ आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर 143 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इस गोलीबारी में लगभग डेढ़ सौ लोग घायल भी हो गए हैं। मरने वालों में कई बच्चे भी शामिल हैं। मास्को में हुए आतंकी हमले से एक बार फिर यह साबित हो गया है कि दावे चाहे जितने भी किए जाएं लेकिन आतंकवाद का राज दुनिया पर अब भी कायम है। आतंकियों ने दुनिया के शक्तिशाली देश रूस की राजधानी में हमला कर दिखा दिया कि कोई इस भरोसे में न रहे कि आतंकवाद खत्म हो गया है। यूक्रेन और रूस के बीच पिछले करीब दो वर्ष से युद्ध चल रहा है, इसलिए एक स्वाभाविक आशंका है कि यह हमला इसी की कड़ी हो सकता है। लेकिन यूक्रेन ने इस हमले में अपना हाथ होने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं वैश्विक स्तर पर एक खौफनाक आतंकी संगठन माने जाने वाले इस्लामिक स्टेट ने इस गोलीबारी की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली है। अब व्यापक पड़ताल के बाद ही पता लगाया जा सकेगा कि इस हमले के पीछे कौन और कितना जिम्मेदार है और हमले का उसका मकसद क्या था। हैरानी है कि रूस के जिस इलाके को सबसे सुरक्षित माना जाता रहा है, वहां पर आतंकियों ने बर्बर हमला करके वहां की सरकार को एक तरह से बड़ी चुनौती दी है। इस संदर्भ में अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि उसने रूस में ऐसे हमले की आशंका जताई थी, लेकिन लगता है कि रूस ने इस पर गौर नहीं किया। पिछले कुछ दशकों में दुनिया ने जिस तरह का आतंकवाद देखा है, उसके मद्देनजर अगर कहीं से केवल आशंका ही जाहिर की जाती या खुफिया सूचना मिलती है तो उसके बाद सावधानी बरतने की जरूरत है, ताकि शायद किसी आतंकी हमले को रोका जा सके। लेकिन जरूरत है कि हर सूचना पर गंभीरता से विचार कर उस पर कार्रवाई की जाए। आतंकवादी संगठनों की कार्यशैली से दुनिया परिचित है कि उनका मकसद सिर्फ मानवता के विरुद्ध आतंक फैलाना है, भले इसके लिए अनगिनत निर्दोष लोगों, यहां तक कि मासूम बच्चों का भी कत्लेआम करना पड़े। असली चुनौती सरकारों के लिए है कि वे तमाम संसाधनों और सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद ऐसे आतंकी हमलों को रोक पाने में कैसे चूक जाती हैं। आतंकवाद को खत्म करने के लिए वैश्विक स्तर पर ठोस और साझा प्रयास की जरूरत है।

कानूनी दांवपेच में उलझी धोनी के साथ 15 करोड़ की धोखाधड़ी

'मैं धोनी को कॉलेज के दिनों से जानता हूं। एक ही रूम में साथ रहे, साथ क्रिकेट खेला। 2017 से साथ बिजनेस शुरू किया। मैंने धोनी को ब्रांड डील्स के जरिए 130 करोड़ रुपए का बिजनेस दिया है। 2022 से धोनी ने मुझे पैसे देना बंद कर दिया। ये रकम करीब 28 करोड़ रुपए है। पैसा न देना पड़े, इसलिए वे मुझ पर फ्रॉड का आरोप लगा रहे हैं, मेरा नाम खराब कर रहे हैं।'

क्रिकेटर एमएस धोनी पर नाम खराब करने का आरोप लगा रहे 41 साल के मिहिर दिवाकर खुद भी क्रिकेटर रहे हैं। 39 फर्स्ट क्लास और 36 लिस्ट ए मैच खेले। बिहार की रणजी टीम में धोनी के साथ थे। साल 2000 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंडियन टीम में भी रहे। फिलहाल धोनी के साथ धोखाधड़ी करने के आरोपों से घिरे हैं। मिहिर 2021 तक धोनी के मैनेजर थे। रांची की सिविल कोर्ट ने 20 मार्च को मिहिर, उनकी पत्नी सौम्या दास और कंपनी अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने नोटिस जारी कर 19 अप्रैल की तारीख तय की है। ये मामला धोनी से 15 करोड़ रुपए की ठगी का है। धोनी की तरफ से 4 जनवरी, 2024 को धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया गया था। इसके बाद मिहिर ने धोनी पर मानहानि का केस दर्ज करा दिया था।

मिहिर और धोनी 1999 में बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में साथ खेले थे। मिहिर बताते हैं, 'धोनी और मैं सात साल अंडर-19 और रणजी ट्रॉफी में साथ खेले। फिर धोनी का सिलेक्शन इंडियन क्रिकेट टीम में हो गया।' 'ये 2014 की बात है। मैंने पत्नी सौम्या के साथ अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट की शुरुआत की थी। मेरा घर बिहार के सीवान में है। काम के सिलसिले में अक्सर रांची जाता था। तब धोनी ने मुझसे कहा था कि अच्छे ब्रांड्स की डील नहीं आ रही है। तब धोनी का नाम फिक्सिंग जैसी कंट्रोवर्सी से जुड़ रहा था। इसलिए उन्होंने मुझसे मदद मांगी थी।'

धोनी की ओर से दी गई शिकायत के मुताबिक, 7 मई, 2017 को उन्होंने दिवाकर के साथ भारत के अलावा विदेशों में क्रिकेट एकेडमी खोलने के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया था। मिहिर को एकेडमी के कामकाज और मैनेजमेंट की जिम्मेदारी मिली। सहमति बनी कि मिहिर साल के आखिर में पूरा हिसाब धोनी से शेयर करेंगे। ये भी तय हुआ कि अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट को मिली फ्रेंचाइजी फीस तीन हिस्सों में बंटेगी। एक एकेडमी खुलने पर धोनी, मिहिर की कंपनी अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और श्री सांई ट्रेडमार्ट प्राइवेट लिमिटेड को 10% कमीशन देना तय हुआ। 15 अगस्त, 2021 को एकेडमी से जुड़े कामकाज से मिहिर को हटा दिया गया। उन्हें मेल से इसकी जानकारी दी गई। साथ ही कहा गया कि अब तक जिन एकेडमी के खुलने का समझौता हुआ है, वे उनकी जानकारी मेल पर दें।

मिहिर से एमएस धोनी का नाम 7 मई, 2017 के कॉन्ट्रैक्ट में जोड़ने को कहा गया था। उन्होंने ऐसा नहीं किया। धोनी ने आरोप लगाया है कि 2021 में मिहिर से अधिकार लेने के बावजूद उन्होंने मेरा नाम इस्तेमाल किया और इनवेस्टर्स से कॉन्ट्रैक्ट किए।

धोनी ने दिवाकर के खिलाफ 6 जनवरी को रांची में आपराधिक साजिश का केस दर्ज कराया था। उन्होंने मिहिर और उनकी पत्नी सौम्या दास के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी और जाली दस्तावेज इस्तेमाल करने जैसे आरोप लगाए हैं। 2020 तक सिंगापुर, दुबई और कतर में एमएस धोनी क्रिकेट एकेडमी खुल गई थीं। भारत में 50 से ज्यादा एकेडमी खुल गई हैं। इसके भारत में 18 सेंटर हैं।

मिहिर कहते हैं, 'हम धोनी के लिए ब्रांड डील्स ढूंढ रहे थे। तभी दुबई की एक रियल एस्टेट कंपनी ने हमें एप्रोच किया था। ये कंपनी धोनी के नाम से क्रिकेट एकेडमी खोलना चाहती थी। डील 10 करोड़ रुपए की थी। मैंने इस बारे में धोनी को बताया। वे तैयार हो गए थे।' 'मैं क्रिकेटर और सर्टिफाइड कोच हूं। इसलिए धोनी ने डील फाइनल करने और एकेडमी खोलने का काम मुझे सौंपा था। इसके लिए धोनी ने मुझे 7 मई, 2021 को लेटर साइन करके दिया था। इसमें लिखा था कि मैं धोनी की ओर से डील कर सकता हूं। डील के बाद पहला सेंटर दुबई में खुला था।' एमएस धोनी एकेडमी ऑपरेशनल कॉस्ट के बदले अपनी फ्रेंचाइजी दूसरों को देकर पैसा कमाती थी। ऑपरेशनल कॉस्ट में कोच, ट्रेनिंग का पैसा शामिल होता है। मिहिर और धोनी इसे आपस में शेयर करते थे। मिहिर का आरोप है कि इसका कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं हुआ था।

मिहिर बताते हैं, 'मैं लगातार धोनी को उनके पर्सनल मेल आईडी पर कॉन्ट्रैक्ट मेल करता था, लेकिन वे टालते रहे। 2019 में मैं धोनी से मिला और एग्रीमेंट उनके हाथ में दे दिया। उन्होंने तब भी साइन नहीं किए। मैं मेल और वॉट्सऐप दोनों पर एग्रीमेंट भेजता था।'

श्री इंटरप्राइजेज नाम की कंपनी ने मिहिर और सौम्या के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसकी शिकायत अहमदाबाद के वस्त्रापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज है। शिकायत में लिखा है कि 2020 में अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर मिहिर दिवाकर और सौम्या दास ने श्री इंटरप्राइजेज से कॉन्टैक्ट किया और बताया कि महेंद्र सिंह धोनी देश के अलग-अलग शहरों में क्रिकेट एकेडमी शुरू करना चाहते हैं।

श्री इंटरप्राइजेज से जुड़े विनीत बताते हैं, 'मिहिर ने अक्टूबर 2020 में मुझे एप्रोच किया था। वे गुजरात में 5 एकेडमी खोलना चाहते थे। मैंने अरका स्पोर्ट्स की वेबसाइट देखी थी। मिहिर ने धोनी के साथ अपनी फोटोज दिखाईं। इससे मुझे उस पर यकीन हो गया।'

'हमने मिहिर को 45 लाख रुपए लाइसेंस फीस दी थी। क्रिकेट एकेडमी को लेकर 26 अक्टूबर 2020 को अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। अरका स्पोर्ट्स और श्री इंटरप्राइजेज के बीच ये एग्रीमेंट 10 साल के लिए हुआ था। मैं हर महीने रॉयल्टी के 75 हजार रुपए मिहिर को भेजता था। इसके अलावा ब्रांड अलायंस फीस भी होती थी। अब तक मैं मिहिर को 9.25 लाख रुपए दे चुका हूं।' विनीत बताते हैं, 'मैंने मिहिर को नवंबर, 2022 तक पैसे भेजे थे। नवंबर के आखिर में मुझे धोनी की टीम से ई-मेल मिला। इससे पता चला कि मिहिर और धोनी के बीच एग्रीमेंट 2021 में खत्म हो गया है। इसके बाद से अब मैं धोनी के साथ डायरेक्ट काम कर रहा हूं। हमारे बीच अच्छे संबंध हैं। मैं उन्हें हर महीने पैसे भेजता हूं, लेकिन अभी कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं है।'

कंपनी के साथ 2021 से पहले एग्रीमेंट साइन हुआ था। आज तक ये एकेडमी शुरू नहीं हो पाई है। इसकी फ्रेंचाइजी फीस 44,73,105 रुपए थी। ये प्रोजेक्ट लॉस में है।

धोनी का रांची के सिमरिया में फार्म हाउस है। यहां वे खेती करते हैं। मिहिर बताते हैं, 'धोनी यहां स्कूल खोलना चाहते थे। उन्होंने मुझसे बात की। हमने स्पोर्ट्स स्कूल खोलने के बारे में सोचा। ये भारत का पहला स्कूल होता, जहां हर खेल की ट्रेनिंग दी जाती। धोनी ने मुझसे प्लान तैयार करने के लिए कहा।' इस बीच बेंगलुरु की कंपनी श्रद्धा ग्लोबल एजुकेशन ट्रस्ट ने मुझे एकेडमी के लिए एप्रोच किया। वे लोग स्कूल में पैसा लगाने को तैयार थे। 2019 में दिल्ली में स्कूल के लिए एग्रीमेंट साइन हुआ। तब धोनी भी मौजूद थे। शुरुआत में बेंगलुरु और होसुर में स्कूल खोलने की योजना थी।' मिहिर बताते हैं, 'मैंने धोनी को एक ड्राफ्ट भेजा था। इसमें भी धोनी से मुझे ऑथोराइज्ड करने की बात लिखी थी, लेकिन धोनी ने इस पर साइन नहीं किया।' मिहिर आरोप लगाते हैं कि 2022 में धोनी और मेरे बीच रिश्ते बिगड़ने लगे। तब धोनी के करीबियों ने श्रद्धा ग्लोबल एजुकेशन ट्रस्ट से मेरे खिलाफ मामला दर्ज करने को कहा। श्रद्धा ग्लोबल एजुकेशन ट्रस्ट ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कहा है कि मिहिर ने बिना किसी अधिकार के धोनी की ओर से समझौता किया था और ट्रस्ट से 35 लाख रुपए लिए थे।

मिहिर कहते हैं, 'ये मामला स्कूल या एकेडमी का नहीं है। मामला एंडोर्समेंट का है। एकेडमी आज तक प्रॉफिट में नहीं है। एकेडमी या स्कूल का कोई एग्रीमेंट साइन नहीं है। एंडोर्समेंट का भी कोई एग्रीमेंट मेरे और धोनी के बीच साइन नहीं है।

'स्कूल के लिए धोनी ने कभी भी मिहिर को ऑथोराइज नहीं किया था। इसके बावजूद वे धोनी के नाम का इस्तेमाल कर डील्स करते रहे। वे अगर धोनी को किए मेल दिखा रहा है तो ये भी दिखाएं कि धोनी ने कभी उन मेल्स का जवाब नहीं दिया। फिर कैसे वे खुद से डील कर रहे थे।'

शेख शाहजहां का जुल्म सहा, अब चुनाव लड़ेंगी

वो संदेशखाली में तालाब से घास उखाड़ने और सफाई का काम करती थीं। ये तालाब टीएमसी नेता रहे शेख शाहजहां के करीबी उत्तम सरदार का है। आरोप है कि उत्तम सरदार ने एक दिन टीएमसी के ऑफिस में बुलाया। यहां उत्तम सरदार और शिबू हाजरा ने उनसे गैंगरेप किया। कुछ दिन बाद उत्तम सरदार ने दोबारा बुलाया। इनकार करने पर थप्पड़ मार दिया। इस थप्पड़ से उनका सब्र टूट गया। वे थाने गईं और उत्तम सरदार और शिबू हाजरा के खिलाफ एफआईआर करा दी। यहीं से संदेशखाली आंदोलन की शुरुआत हुई। एक के बाद एक रेप-गैंगरेप की पीड़ित महिलाएं सामने आने लगीं। अब बीजेपी उसी विक्टिम को चुनाव लड़ा रही है। 24 मार्च को पार्टी ने पश्चिम बंगाल की 19 सीटों पर कैंडिडेट घोषित किए हैं। इनमें संदेशखाली की विक्टिम का नाम भी है। शुभेंदु अधिकारी ने उनका नाम आगे बढ़ाया था। संदेशखाली के सूत्र बताते हैं कि विक्टिम ने उत्तम सरदार के थप्पड़ मारने वाली बात गांव में बताई तो लोग भड़क गए। उसी दिन तय किया कि अब बर्दाशत नहीं करेंगे। आंदोलन की रणनीति बनी और संदेशखाली में शेख शाहजहां का विरोध शुरू हो गया। ये वही वक्त था, जब राशन घोटाले की जांच कर रही ईडी ने शेख शाहजहां के घर रेड डाली थी। ईडी शेख शाहजहां की तलाश कर रही थी और इधर उसके जुल्म से परेशान गांववालों का गुस्सा बढ़ रहा था। शेख शाहजहां के जुल्म बर्दाश्त कर रही महिलाएं सामने आने लगीं। बताया कि कैसे शेख और उसके लोगों ने उनकी जमीन कब्जा ली, ऑफिस में बुलाकर रेप किया। 6 मार्च को नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात में पीएम मोदी की रैली हुई थी। इसमें भी विक्टिम शामिल हुई थीं। उनका नाम प्रधानमंत्री से मिलने वाली महिलाओं में शामिल था, लेकिन देरी से पहुंचने की वजह से वे मिल नहीं पाई थीं। रैली के बाद उन्होंने बताया कि ड्राइवर ने हमें पूरा शहर घुमाया। बस को चेकिंग के नाम पर रास्ते में कई बार रोका गया। इसीलिए भी हमें देर हुई। हमने गाड़ी किराए पर ली थी और अब हमें लग रहा है कि ड्राइवर टीएमसी का था। रैली में देर से पहुंचने और प्रधानमंत्री से न मिल पाने के सवाल पर बोलीं, 'मैंने टीवी पर सुना था कि मोदी जी ने रैली में सभी को बुलाया है। हम इसीलिए उनसे मिलने गए थे। सोचा था उन्हें बताएंगे कि संदेशखाली की औरतें बहुत मुश्किल में हैं। आप हमारी मदद करें। हमें लगा कि मोदी जी के पास कैसे भी पहुंच जाएं। उसी गुस्से में हमने बैरिकेडिंग भी तोड़ दी थी।' हालांकि, वे आगे कहती हैं, 'इस बार नहीं मिल पाए, लेकिन जब भी मोदी जी बंगाल में कहीं आएंगे, हम लोग वहां मिलने जरूर जाएंगे। जिन बहनों ने पीएम से मुलाकात की, उनसे हमारी कोई नाराजगी नहीं। वे भी संदेशखाली की ही हैं। हम नहीं मिल सके तो क्या हुआ, कोई तो अपनी तकलीफ बता सका।' सूत्रों बताते हैं कि टिकट के लिए गैंगरेप विक्टिम का नाम शुभेंदु अधिकारी ने आगे किया था। हालांकि, एक और विक्टिम का नाम भी चल रहा था। उन्होंने शेख शाहजहां के लोगों पर रेप की कोशिश का आरोप लगाया है। संदेशखाली का मामला सामने आने के बाद शुभेंदु अधिकारी लगातार वहां जा रहे थे। उन्होंने विक्टिम महिलाओं से मुलाकात भी की थी। संदेशखाली ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी डिसट्रिक्ट प्रेसिडेंट रहे शाहजहां शेख का एरिया है। शेख शाहजहां अभी सीबीआई की हिरासत में है। 5 जनवरी को ईडी की टीम पर हुए जानलेवा हमले के मामले में 29 फरवरी को स्टेट पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट किया था। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद बंगाल पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई को सौंप दिया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, संदेशखाली में अब तक रेप और सेक्शुअल हैरेसमेंट की 17 एफआईआर लिखी गई हैं। 100 से ज्यादा शिकायतें हैं। शेख शाहजहां के खिलाफ भी तीन एफआईआर हैं। इनमें रेप, सेक्शुअल हैरेसमेंट और जमीन पर कब्जा करने के आरोप हैं। संदेशखाली का पात्रोपाड़ा आंदोलन का सेंटर है। यहां की एक महिला बताती हैं, 'शाहजहां शेख के लोग जबरदस्ती पार्टी ऑफिस में बुलाते थे। यहां पार्टी की मीटिंग होती थी, जिसमें गांव के सभी लोगों को जाना होता है। जो नहीं जाता, उसके साथ वे मारपीट करते थे।' महिला कहती है, 'छोटी बच्चियों के साथ तो ये सब नहीं हुआ, लेकिन 18 साल, 20 साल की लड़कियों और 30-40 साल की महिलाओं के साथ हो रहा था। किसी भी उम्र की हो, जो महिला उन्हें अच्छी लगी, वो उसे उठा लेते थे। उनका जो मन करता, वही करते थे।' एक और विक्टिम कहती हैं, 'वो लोग औरतों को दफ्तर में बिठाकर रखते थे। कितने दिन रखेंगे, कोई तय नहीं। 5-6 महीने पहले मेरे साथ यही हुआ था। पुलिस और सरकार दोनों उनकी हैं।' चौथी विक्टिम ने बताया, 'शाहजहां के लोगों ने मेरी जमीन हड़प ली। मेरे साथ कुछ गलत नहीं हुआ, लेकिन जमीन तो चली गई। वे लोग किसी को भी उठा लेते हैं। मैं भी कब तक बचूंगी।' संदेशखाली के अलावा कुछ विक्टिम तुसीखाली और तिमोरा बाजार में भी रहती हैं।। तिमोरा बाजार में एक ग्रॉसरी शॉप में बैठी महिला कहती हैं, 'शेख, हाजरा और सरदार बहुत ताकतवर लोग हैं। अमी मार देबो। वे यहां के डॉन हैं। उनकी सरकार है। हम गरीब मानुष बोले, तो मारे जाएंगे। नॉर्थ 24 परगना जिले में शाहजहां की पहचान मछुआरों के लीडर, कारोबारी, डॉन और जमीन माफिया की है। वह 1999 में सवारी ढोने वाली गाड़ी में कंडक्टर का काम करता था। इसी दौरान लोकल मार्केट में सब्जियां भी बेचीं। कुछ दिन बाद शाहजहां ने कंडक्टर की नौकरी छोड़ दी और गुंडा बन गया। जमीन के सौदे करने लगा। शाहजहां के चाचा मुस्लिम शेख के लोकल लीडर थे। उनकी मदद से वो पॉलिटिक्स में आ गया। जरूरतमंदों की मदद करने की वजह से लोग उसे पसंद करने लगे। सैकड़ों लड़कों को मोबाइल और बाइक देकर उसने अपने सिंडिकेट में शामिल कर लिया। इसी दौरान वो ममता सरकार में मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का करीबी बना। इलाके में शाहजहां का इतना दबदबा था कि लोग आपसी झगड़े और जमीन के विवाद सुलझाने उसके पास आने लगे। पंचायत चुनाव में दिए हलफनामे में शाहजहां ने बताया कि उसके पास 17 कारें, 43 बीघा जमीन, 2 करोड़ रुपए के गहने हैं और उसकी सालाना आमदनी करीब 20 लाख रुपए है। हालांकि, संदेशखाली के लोग बताते हैं कि शाहजहां शेख के पास डॉक्यूमेंट में किए दावे से कहीं ज्यादा जमीन है।

ये भी आरोप है कि शाहजहां के लोग इलाके के हर मछली व्यापारी से पैसा वसूलते हैं। इसी दौरान शाहजहां पर पुलिस केस भी दर्ज होते गए। शाहजहां शेख बीजेपी के तीन वर्कर्स प्रदीप मंडल, देबदास मंडल और सुकांत मंडल के मर्डर के मामले में मुख्य आरोपी है।

सोशल मीडिया उपयोग की आयु-सीमा तय करनी होगी

हाल ही में फ्लोरिडा की विधायिका ने एक कानून पारित किया है, जिसके तहत सोशल मीडिया यूजर्स की आयु कम से कम 16 वर्ष होनी आवश्यक है। और उनकी आयु का तीसरे पक्ष द्वारा सत्यापन किया जाएगा। 14-15 वर्ष के बच्चों के लिए माता-पिता की सहमति जरूरी होगी। 13 और उससे कम आयु वालों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स बंद करने होंगे। यह कानून फिलहाल गवर्नर की मेज पर है। लेकिन लागू होने के बाद इसके दूरगामी प्रभाव होने की उम्मीद है। भारत में भी, सरकार और अदालतों ने सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए उम्र-सीमा तय करने के विचार पर बहस की है। लोग आम तौर पर इस बात से चिंतित रहते हैं कि सरकार लोगों के जीवन में बहुत हस्तक्षेप कर रही है। कोई यह तर्क दे सकता है कि यह पैरेंट्स पर निर्भर है कि वे तय करें उनके बच्चों के लिए क्या अच्छा है। अगर उन्हें इंस्टाग्राम रील्स या एक्स के फीड से दिक्कत नहीं है, तो हम हस्तक्षेप करने वाले कौन होते हैं? क्या सोशल मीडिया के अच्छे पहलू नहीं हैं? उदाहरण के लिए, दुनिया में क्या हो रहा है, यह बच्चों को इस बारे में जानने में मदद कर सकता है। या यह उन्हें दोस्तों से जुड़ने में सहायक है। या इससे उन्हें पढ़ाई में मदद मिल सकती है। ठीक है- सैद्धांतिक रूप से- इनमें से कई अच्छी चीजें सोशल मीडिया से मिल सकती हैं, लेकिन हकीकत ये है कि यह बच्चों के लिए बेहद हानिकारक भी है। सबसे अधिक समस्याएं मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित हैं - डिप्रेशन, एंग्जाइटी और एडिक्शन। किशोरावस्था के शुरुआती दिन अपने दोस्तों से तुलना, उनकी राय के प्रभाव और अपनी पहचान को लेकर असुरक्षा का समय है (हम सभी ऐसे थे)। इसमें जोड़ दें सोशल मीडिया की अराजक दुनिया, जिसमें आपको तराशी हुई देहें, समृद्ध जीवन शैली, सफलता की कहानियां, ध्रुवीकृत विचार, सनसनीखेज दृश्य दिखाए जाते हैं। ये तमाम तरह के कंटेंट आपके अटेंशन को होल्ड करने के लिए तैयार किए गए हैं। ऐसे में आपको क्या लगता है क्या होगा? क्या आपको इस बात को समझने के लिए किसी रिसर्च या स्टडी की आवश्यकता है कि बारह या चौदह साल के बच्चे के लिए यह सब खतरनाक है? मानसिक स्वास्थ्य के अलावा नींद, आहार और पोषण से संबंधित समस्याएं भी हैं। सोशल मीडिया से किशोरों की शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है। याद करें पहले बच्चे हर शाम पार्क में खेलते थे, अब वे उतना नहीं खेलते हैं। वे पैरेंट्स के साथ अब ज्यादा बहस करने लगे हैं। यदि आप हर दिन सोशल मीडिया पर घंटों बिता रहे हैं तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और रचनात्मकता कम हो जाती हैं। इसके बावजूद, आज लाखों बच्चे और टीनएजर्स सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। पैरेंट्स अपने बच्चों पर कितना ध्यान रख रहे हैं। लेकिन रेस्तरां में फोन और टैबलेट देखने वाले बच्चों की भारी तादाद पर नजर डालें, तो ज्यादा उम्मीद नहीं जगती। सोशल मीडिया कंपनियां उम्र की जांच बेमन से करती हैं, जिसमें खुद यूजर ही अपनी उम्र को प्रमाणित करता है। 12 साल के बच्चे को यह कहने से कोई नहीं रोकता कि वह 18 साल का है, और तुरंत उसका अकाउंट बना दिया जाता है। उसके बाद हमें नहीं पता वो बच्चा क्या कर रहा होता है। और हम सभी जानते हैं कि जब पैरेंट्स टीनएजर्स पर रोक-टोक लगाते हैं तो क्या होता है। यही कारण है कि सोशल मीडिया एज-रेगुलेशन के लिए सरकारी हस्तक्षेप आवश्यक हो गया है। सब जानते हैं कि सोशल मीडिया न केवल बच्चों, बल्कि बड़ों के लिए भी एडिक्टिव है। कोई कह सकता है कि वयस्कों को अपना जीवन अपनी इच्छानुसार जीने का अधिकार है। लेकिन सोशल मीडिया की सभी बुराइयों को जानने के बावजूद अगर हम अपने बच्चों को उसका इस्तेमाल करने देते हैं तो क्या हम युवा पीढ़ी के प्रति गैर जिम्मेदार नहीं साबित होंगे? आदर्श तरीका तो यही होगा कि पैरेंट्स घर पर ही इसका ध्यान रखें, लेकिन रेगुलेटरी-मदद के बिना यह संभव नहीं है। एज-वेरिफिकेशन की उचित प्रणाली के अभाव में बच्चे हमेशा अपनी उम्र के बारे में झूठ बोलकर अकाउंट खोलने के तरीके ढूंढते रहेंगे। बच्चों के मस्तिष्क को सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश करने से पहले और अधिक विकसित होने दें। उनके विकास के लिए ये प्री-टीन और अर्ली-टीन वर्ष महत्वपूर्ण हैं, साथ ही यह वह समय भी है जब स्कूल में पढ़ाई पहले से और कठिन होती चली जाती है। ऐसे में उन्हें सोशल मीडिया से दूर रखना उन्हीं के हित में होगा। उचित रेगुलेशन के बिना बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना बेहद मुश्किल है। एक समाज के रूप में हमें तय करना होगा कि हम क्या चाहते हैं : हमारे बच्चे 12-15 साल की उम्र में रील देखें, या पढ़ाई करें, किताबें पढ़ें और खेल खेलें?

बारूद के मुहाने पर बैठा पाकिस्तान

हाल ही में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी काम्प्लेक्स पर हुए एक जटिल हमले का मुकाबला करने में दो घंटे तक काफी परेशानियों से जूझना पड़ा। इस जंग में आठ हमलावर और दो सिपाही मारे गए। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने जोर देकर यह दावा किया कि पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस और मिलिटरी इंटेलिजेंस के ठिकाने उनके लड़ाकों के निशाने पर थे। अभी दो हफ्ते पहले ही बलूच लिबरेशन फ्रंट ने केच इलाके के कोल्वा कस्बे में भी दस सैन्य वाहनों के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। पिछले दो वर्षों से पाकिस्तान में बलूच घुसपैठ बढ़ती जा रही है। घुसपैठिए हिम्मत के साथ सामने से हमला कर पाकिस्तानी सैन्य और पारा सैन्य संस्थानों की सुरक्षा की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ग्वादर का यह हमला बलूच समूहों की बढ़ती हुई आक्रामक क्षमता को ही इंगित करता है। यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि ग्वादर बंदरगाह में चीन का अच्छा-खासा निवेश है, और यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। वस्तुतः इसे महज एक आतंकवादी हमला कह कर खारिज नहीं किया जा सकता। इस हमले ने पाकिस्तान के, खुद अपने देश में चीनी हितों की सुरक्षा के प्रयासों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। बीजिंग ने बारंबार अपने नागरिकों और निवेश की सुरक्षा के प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया है। कंगाल हो चुके पाकिस्तान को इस चीनी निवेश की जबर्दस्त जरूरत है। भू-राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि बलूचिस्तान में अलगाववाद की आग इस कदर पनप चुकी है कि बारूद के मुहाने पर बैठा पाकिस्तान का यह प्रांत कभी भी विस्फोट कर सकता है। यह प्रदेश तेल, कोयला सोना, तांबा और गैस भंडारों सहित प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद पकिस्तान का सबसे गरीब और सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इसका क्षेत्रफल भी सर्वाधिक है। यह हमला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कुर्सी संभालने के चंद हफ्तों के भीतर हुआ है। पाकिस्तान में उग्रवाद के विशेषज्ञ और स्वतंत्र विश्लेषक फाखर ककाखेल के अनुसार, प्रतीकात्मक रूप से उक्त हमला महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, इस हमले से अखबारी सुर्खियां बनीं और यही बलूच घुसपैठिए चाहते भी थे। वे यह संदेश देना चाहते थे कि खासे सुरक्षा इंतजामों के बावजूद वे अपने मकसद में कामयाब रहे। हमला पाकिस्तान के पुख्ता सुरक्षा इंतजामों से लैस शहर के हाई सिक्योरिटी जोन में हुआ है। इस हमले से बलूच अलगाववादियों ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है कि चीन या किसी अन्य विदेशी दल के लिए निवेश के लिए ग्वादर बंदरगाह सुरक्षित नहीं है। बात केवल पाकिस्तान द्वारा चीनी हितों की सुरक्षा बढ़ाने तक सीमित नहीं है। बलूच घुसपैठिए और पाकिस्तानी तालिबान उस इलाके को निशाना बना रहे हैं, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इस क्षेत्र की शांति उक्त गलियारे के पूरा होने की दिशा में एकमात्र हल है और यह तभी हो सकता है, जब सरकार बलूचिस्तान की जरूरतें पूरी करने के लिए बातचीत की शुरुआत करे, बजाय कड़ा रुख अख्तियार कर तनाव बढ़ाने के। यह संवाद बलूच युवकों के साथ शुरू किया जाना चाहिए। विश्लेषकों का यह भी मानना है कि चीन अब खुद के सुरक्षाकर्मी रखने का प्रस्ताव दे सकता है, जिसे पाकिस्तान ने दो साल पहले खारिज कर दिया था। शुरुआती तौर पर बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे बलूच अलगाववादी समूह प्रांतीय संसाधनों में अपना हिस्सा मांग रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने पूरी आजादी के लिए आंदोलन छेड़ दिया। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा पर स्थित बलूचिस्तान में उपेक्षा का इतिहास रहा है। वर्ष 1948 में पाकिस्तान ने भारत से अलग होते ही इस प्रांत पर कब्जा कर लिया था और अलगाववादी आंदोलन तभी से चला आ रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं काबुल में तालिबान सरकार बनने के बाद बढ़ गई हैं। इससे पाकिस्तान की यह उम्मीद भी खत्म हो गई है कि अफगानिस्तान में दोस्ताना सरकार बनने से आतंकवाद से निपटने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान के सेंटर फॉर रिसर्च ऐंड सिक्योरिटी स्टडीज की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में पाकिस्तान में हुए 789 आतंकवादी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 1,524 लोग मारे गए और 1,463 लोग घायल हुए।

विटामिनों का अंधाधुंध सेवन खतरनाक है

पिछले हफ्ते मेरे पास एक मरीज आया, जिसने कई महीने पहले अपने चिकित्सक की सलाह पर साप्ताहिक विटामिन डी लेना शुरू कर दिया था। अब उसे थकान, कमजोरी, चिड़चिड़ापन और भूख न लगने की शिकायत आ रही थी। जब उसकी मेडिकल हिस्ट्री ली गई तो पता चला डॉक्टर ने कुछ सप्ताह विटामिन डी लेने की सलाह दी थी लेकिन वह छह महीने से अधिक समय से हाई डोज विटामिन लिए जा रहा था। बात साफ थी, ये सब लक्षण अत्यधिक विटामिन डी सप्लीमेंटेशन के थे।

वास्तव में हाइपरविटामिनोसिस या विटामिन का अत्यधिक उपयोग भारत में एक बड़ी चुनौती बन गया है। हम जानते हैं कि विटामिन और माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। यदि इनकी कमी हो तो इसका असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। जैसे विटामिन ए की कमी से दृष्टि कमजोर हो सकती है। विटामिन डी की कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। आज से कुछ दशक पहले तक विटामिन की कमी बहुत आम बात थी। लेकिन पिछले कुछ दशकों में खाद्यान्न की बेहतर उपलब्धता और संतुलित आहार पर जोर दिए जाने के कारण विटामिन की कमी काफी सीमित हो गई है। सरकार द्वारा विभिन्न पूरक कार्यक्रम चलाए गए हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि हमें खाद्य-पूरक के माध्यम से आयरन, आयोडीन और विटामिन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व मिलते रहें। नमक में आयोडीन डाला जाता है और दूध व अन्य उत्पादों में विटामिन ए और विटामिन डी होता है। इसलिए जो व्यक्ति फिट है, उसे विटामिन सप्लीमेंट्स की आवश्यकता नहीं होती है। हालांकि कई देशों में मल्टीविटामिन लेना परंपरा-सी बन गई है। अमेरिका में बाजार मल्टीविटामिन से भरा पड़ा है और हर कोई इन्हें भोजन की तरह खाना पसंद करता है। फिर महामारी में, भारत में भी ऐसा चलन आया कि हर किसी ने मल्टीविटामिन लेना शुरू कर दिया। बहुत-से लोग मानते हैं कि विटामिन सी सामान्य सर्दी और फ्लू से लड़ने में मदद करता है। हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। विटामिन और सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता तभी होती है जब शरीर में इनकी कमी हो। अगर कमी नहीं है तो इनको लेने का कोई खास फायदा नहीं है। विटामिन डी जैसे कुछ विटामिनों का अधिक उपयोग तो उलटे हानिकारक हो सकता है। दरअसल, लंबे समय से यह बहस चल रही है कि विटामिन डी का भारतीय आबादी के लिए सामान्य स्तर क्या है।

कोराडी देवी मंदिर नागपुर

जहां देवी लक्ष्मी सुबह एक लड़की, दोपहर में एक महिला और रात में एक बूढ़ी महिला के रूप में पूजी जाती हैं

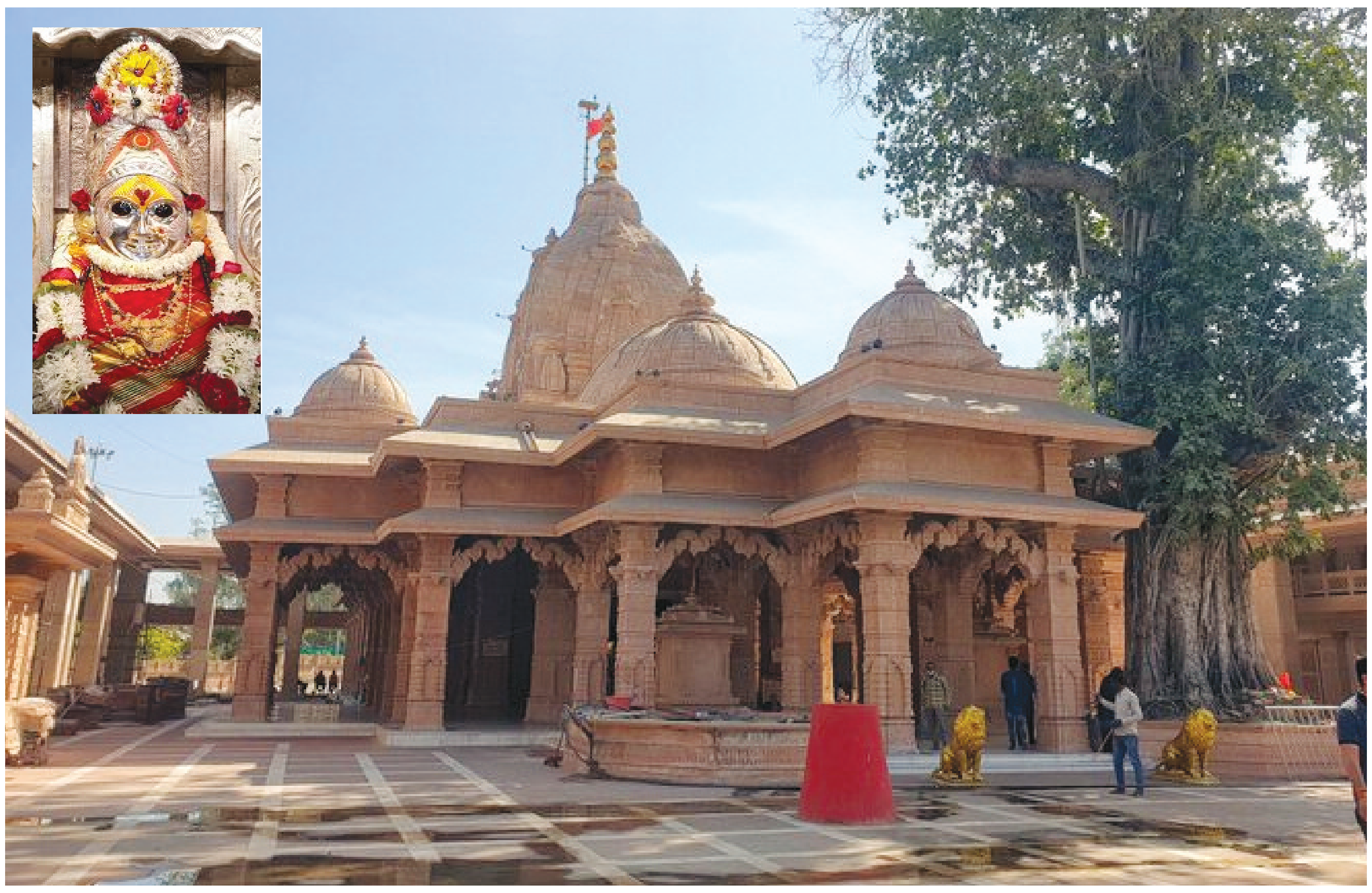

नागपुर एक ऐसा शहर है जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत इतिहास के लिए जाना जाता है। नागपुर में कई मंदिर हैं जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करते हैं। नागपुर के सबसे लोकप्रिय मंदिरों में से एक कोराडी मंदिर है, जो शहर से लगभग 15 किमी दूर स्थित है।

कोराडी, नागपुर में श्री महालक्ष्मी जगदम्बा मंदिर, माता दुर्गा के एक रूप माँ जगदंबा को समर्पित है। इस मंदिर में एक शक्ति पीठ का महत्व है। इस मंदिर में जगदंबा माता की मूर्ति विराजमान है, जो स्वयंभू मूर्ति है। यहां भक्तों को एक अच्छे जीवन के चार घटक मिलते हैं, अर्थात - अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष।

कोराडी मंदिर का इतिहास

देवी जगदम्बा के लगभग 51 शक्तिपीठ हैं। कोराडी देवी मंदिर - श्री महालक्ष्मी जगदंबा को शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। इसका एक महान इतिहास है और हर साल लाखों भक्त मंदिर आते हैं।

पिछले युग में, कोराडी को जखापुर के नाम से जाना जाता था। जाखपुर के राजा, राजा झोलन के सात बच्चे थे - जानोबा, नैनोबा, बनोबा, बैरोबा, खैरोबा, अग्नोबा, दत्तासुर। राजा दुखी था क्योंकि उसकी कोई बेटी नहीं थी। उन्होंने यज्ञ, हवन, पूजा, तपश्चर्या की और देवताओं को प्रसन्न किया और उनसे एक बेटी का आशीर्वाद देने का अनुरोध किया।

भारतीय संसद जैसा दिखने वाले चौसठ योगिनी मंदिर की यात्रा

दिव्य सौंदर्य वाली एक बेटी का जन्म हुआ। अपनी बेटी को पहली बार देखने के बाद राजा को लगा कि आदि शक्ति उनकी बेटी के रूप में प्रकट हुई हैं। झोलन के राजा को दिव्य शक्ति के विभिन्न अनुभव थे जो उनकी बेटी के रूप में पैदा हुए थे। उसने उसे उचित मार्गदर्शन दिया था जिससे उसके लिए निर्णय लेना आसान हो गया था।

कोराडी मंदिर इतना प्रसिद्ध क्यों है

यहां की सच्चाई के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं कि नवरात्रि पर्व के दौरान मां जगदंबा जीवन के तीन अलग-अलग चरणों में प्रकट होती हैं- सुबह छोटी कन्या, दोपहर में कन्या और रात्रि में स्त्री रूप में।

कोराडी मंदिर की वास्तुकला

श्री महालक्ष्मी जगदंबा मंदिर एक छोटी पहाड़ी मंदिर है। मंदिर की स्थापत्य सुंदरता मंदिर की प्राचीन जड़ों को सूक्ष्मता से प्रदर्शित करती है। परिवेश में एक कुंड और गौमुख शामिल हैं। शीतल जल की एक प्राकृतिक धारा है और रंगोली के पत्थर आज भी इस क्षेत्र में पाए जाते हैं।

कोराडी मंदिर का महत्व

श्री महालक्ष्मी जगदंबा माता मंदिर हिंदू धर्म के भक्तों के लिए एक आवश्यक तीर्थ स्थान है। मंदिर देवी जगदंबा माता को समर्पित है, जिन्हें धन, समृद्धि और उर्वरता का अवतार माना जाता है। भक्त देवी से आशीर्वाद लेने और प्रार्थना और प्रसाद चढ़ाने के लिए मंदिर में आते हैं।

कोराडी मंदिर में मनाए जाने वाले उत्सव

कोराडी मंदिर नागपुर में स्थित है और देवी दुर्गा को समर्पित है। कोराडी झील के तट पर स्थित यह मंदिर दशहरा और नवरात्रि के दौरान सबसे व्यस्त रहता है। यह शक्ति-पीठों में से एक है और साल भर लाखों तीर्थयात्रियों से भरा रहता है। नवरात्रि सबसे लोकप्रिय त्योहार है जब मूर्ति को तीन अलग-अलग अवतारों में तैयार किया जाता है।

कोराडी मंदिर की कथा

श्री महालक्ष्मी जगदंबा माता मंदिर से जुड़ी कई स्थानीय कहानियां और किंवदंतियां हैं। सबसे लोकप्रिय कथा में से एक मंदिर के निर्माण के बारे में है। किंवदंती के अनुसार, नागपुर का शाही परिवार देवी जगदंबा माता को समर्पित एक मंदिर बनाना चाहता था, लेकिन उन्हें कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था।

उनके सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, मंदिर का निर्माण योजना के अनुसार प्रगति नहीं कर रहा था। एक दिन, एक संत शाही परिवार के पास गए और उन्हें देवी का आशीर्वाद लेने के लिए एक विशेष पूजा करने की सलाह दी। शाही परिवार ने संत की सलाह का पालन किया और चमत्कारिक ढंग से, मंदिर का निर्माण सुचारू रूप से आगे बढ़ने लगा। ऐसा माना जाता है कि देवी ने स्वयं हस्तक्षेप किया और मंदिर को आशीर्वाद दिया।

माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर में क्या हैं खास और कैसे करे जा सकते हैं दर्शन

मंदिर से जुड़ी एक अन्य कथा एक राक्षस के बारे में है जिसने नागपुर के लोगों को आतंकित किया था। किंवदंती के अनुसार, दानव अजेय था और किसी भी नश्वर द्वारा पराजित नहीं किया जा सकता था। नागपुर के लोगों ने देवी जगदंबा माता से मदद मांगी, जो एक योद्धा के रूप में प्रकट हुईं और राक्षस को हरा दिया। नागपुर के लोगों ने अपना आभार व्यक्त करने के लिए उनके सम्मान में मंदिर का निर्माण किया।

कोराडी मंदिर का पता

श्री महालक्ष्मी जगदंबा संस्थान पोस्ट कोरडी कॉलोनी, कामठी तालुका, कोरडी, नागपुर, महाराष्ट्र - 441111

कोराडी मंदिर का समय

पूजा घर से जुड़ी ये गलती आपकी जिंदगी में मचा सकती है हड़कंप

हिंदू धार्मिक शास्त्रों के अनुसार घर में पूजा-पाठ करना बेहद शुभ माना जाता है और सनातन धर्म की खास बात ये है कि पूजा में दीपक या ज्योति जरूर जलाते हैं। कहते हैं दीपक जलाने से भगवान जल्दी प्रसन्न होते हैं और घर में सकारात्मक उर्जा का वास होता है। कई लोग पूजा में धूप या अगरबत्ती भी जलाते हैं और इसे जलाने के लिए माचिस का प्रयोग करते हैं। ये ही नहीं प्रयोग करने के बाद माचिस वहीं पूजा घर में रख देते हैं। बता दें, ऐसा करना आपके लिए कई परेशानियां खड़ी कर सकता है। बता दें कि पूजा घर में माचिस रखने से घर मे कई संकट आने लगते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजा घर में माचिस रखने से घर में हमेशा कलह की स्थिति बनी रहती है। जैसा कि सब जानते हैं माचिस का काम आग लगाने का होता है ऐसे में माचिस का पूजा घर में रखना आपके पारिवारिक रिश्तों पर असर डाल सकता है। तो वहीं माचिस की तीली भी कभी पूजा रुम में न फेंके इससे आप पर आर्थिक संकट भी छा सकता है।

बेहतर होगा आप इसे डस्टबिन में फेंक दें और अगर माचिस की बात करें तो इसे आप पूजास्थल के बाहर कहीं भी रख सकते हैं। अगर ज़रूरी हो पूजा रूम में रखना तो इसे किसी कपड़े में लपेटकर ही रखें।

इसके अलावा आपको बता दें, हिंदू धर्म में अगरबत्ती जलाना भी अशुभ माना जाता है, चूंकि अगरबत्ती बांस की बनी होती है और इसका संबंध पितरों से होता है इसलिए इसे पितरों के आगे जलाना शुभ रहता है। तो अगर आपने अपने घर के मंदिर में अगरबत्ती रखी है तो उसे आज की निकाल दें।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंदिर में या पूजा घर में किसी भी देवता की एक से अधिक तस्वीर या प्रतिमा नहीं रखना चाहिए।

आप चाहें तो अलग-अलग देवी-देवता के अलग-अलग तस्वीर को रख सकते हैं, लेकिन एक देवता का दो फोटो या प्रतिमा कभी भी घर में नहीं रखनी चाहिए। इससे घर में परेशानियां आनी लगती हैं और साथ ही वास्तु दोष भी उत्पन्न होता है।

बता दें कि पूजा घर में जली हुई माचिस की तिल्ली, मुरझाए हुए फूल, धूप और अगरबत्ती की राख नहीं रखनी चाहिए। यह सब नकारात्मक शक्तियों का प्रतीक माना जाता है। पूजा करते वक्त इन सभी चीजों के दर्शन से आपका बना हुआ काम भी बिगड़ सकता है।

इसके अलावा रसोई घर में भी मंदिर नहीं बनाना चाहिए। रसोई घर में कई प्रकार का खाना बनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि रसोई घर में मंदिर होने से घर के किसी सदस्य को रक्त से संबंधित बीमारी हो सकती है इसलिए कभी भी मंदिर को रसोईघर में नहीं बनवाना चाहिए।

न हो सीढ़ियों के नीचे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजा घर को कभी भी सीढ़ियों के नीचे नहीं बनवाना चाहिए। सीढ़ियों के नीचे की जगह अशुभ मानी गई है। यहां मंदिर बनवाने से घर के सदस्यों में हर समय कलह-कलेश का माहौल रहता है। इसके अलावा घर में भी मानसिक अशांति बनी रहती है।

बेसमेंट में न बनवाएं मंदिर

घर का मंदिर कभी भी बेसमेंट में भी नहीं बनवाना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, इससे पूजा का फल नहीं मिलता और ऐसी जगह पर हमेशा अंधेरा ही रहता है। इसलिए यहां पर पूजा घर बनवाना शुभ नहीं माना जाता है। पूजा घर हमेशा खुली और साफ जगह में ही बनवाना चाहिए।

न रखें ऐसी मूर्तियां

पूजा घर में कभी भी गणेश भगवान और मां दुर्गा की 3 प्रतिमाएं नहीं रखनी चाहिए। इसके अलावा शिवलिंग, शंख, सूर्य देव की प्रतिमा और शालिग्राम भी हमेशा एक ही रखना चाहिए। इससे मन भी अशांत रहता है।

न बनाएं बाथरुम के पास पूजा रुम

घर के पूजा रुम कभी भी बाथरुम के पास नहीं बनवाना चाहिए। बाथरुम को पूजा रुम के पास बनवाना अशुद्ध माना जाता है। इससे घर की सदस्यों को कष्ट झेलना पड़ता है और धन की हानि भी हो सकती हैं।

बुढ़ापे में भी आपको जवान रखेंगे स्वस्थ जीवन के ये 10 मंत्र

पहला मंत्र - प्यास लगे न लगे, पर्याप्त मात्रा में पानी पीजिए। कम से कम 2 लीटर पानी दिन में पीना जरूरी है। इससे आपका शरीर स्वस्थ रहता है।

दूसरा मंत्र - शरीर से जितना भी हो सके, उतना काम लीजिए। आप आलसी रहेंगे, शरीर को नहीं हिलाएंगे तो शरीर का चक्का जाम हो जाएगा। तो चलिए तैरिए किसी भी तरह का काम करिए क्योंकि शारीरिक गतिविधियां बहुत जरूरी हैं।

तीसरा मंत्र - खाना उतना ही खाइए, जितना शरीर के लिए जरूरी है। 'जीने के लिए खाइए, खाने के लिए मत जीएं'। यह मंत्र बहुत महत्वपूर्ण है। पौष्टिक आहार का ही सेवन करना है। कार्बोहाइड्रेट कम करना है। यदि आप 2 हफ्ते के लिए मीठा कम कर देते हैं तो चेहरे से लेकर शरीर में कहीं भी मौजूद सूजन चली जाएगी। आप बहुत स्वस्थ और एक्टिव महसूस करेंगे। प्रोटीन ज्यादा तथा कार्बोहाइड्रेट कम रखना है। विशेष रूप से रात में कार्बोहाइड्रेट खाना बंद कर दें। बड़ा-सा दाल का कटोरा, सलाद खाइए।

चौथा मंत्र - वाहन का इस्तेमाल कम से कम करें। यदि आपको कहीं करीब जाना है तो पैदल जाइए या सम्भव है तो साइकिल चलाइए। लिफ्ट के स्थान पर सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। स्टेशन पर एस्केलेटर की बजाय सीढ़ियों से जाएं।

पांचवां मंत्र - आपको गुस्सा नहीं होना। गुस्से पर कंट्रोल रखने के लिए बोलने से पहले सोचिए क्योंकि जुबान कई बार दिमाग से तेज चलती है, जिससे गुस्सा और चिड़चिड़ापन पैदा होता है। अपने काम के स्थान पर पोस्टर लगाइए 'नो एंगर जोन' जिससे देखने वाला भी कहे कि यहां गुस्सा नहीं होना और पोस्टर आपको भी इसकी याद दिलाएगा।

छठा मंत्र - धन का मोह छोड़ दीजिए। उतना ही धन कमाना जरूरी है, जितना जीने के लिए आवश्यक है। धन के पीछे मत भागो, धन को अपने पीछे भागने दो क्योंकि अगर धन पर आपका अधिक ध्यान रहेगा तो अपने से जुड़े लोगों को आप नजरअंदाज करेंगे, जबकि उनके साथ मिल-जुल कर रहना जरूरी है।

सातवां मंत्र - यदि कोई चीज न मिले तो निराश नहीं होना। जैसे कि आप मर्सीडीज खरीदना चाहते हैं लेकिन खरीद नहीं पा रहे, तो उसके लिए खेद महसूस न कीजिए। अपने को कोसिए मत और उस चीज को अनदेखा करके भूल जाइए।

आठवां मंत्र - धन, पद, शक्ति, सौंदर्य, जाति, प्रभाव जैसी चीजें आपका अहंकार बढ़ाती हैं। आपको इस पर नियंत्रण रखना है। इन चीजों पर कंट्रोल रखते हुए विनम्रता अपनानी है, लोगों के साथ प्यार से बात करनी है, सभी के साथ हंसी-खुशी से जीना है, तभी आपका जीवन स्वस्थ रहेगा।

नौवां मंत्र - अगर आपके बाल सफेद हो जाते हैं, तो यह मत सोचिए कि मैं बूढ़ा हो गया। आशावादी बनिए, उम्र के साथ बाल सफेद होते ही हैं, यात्रा करिए, आनंद लीजिए, जब तक आपके घुटने चल रहे हैं, खूब घूमिए, प्यार से रहिए। सफेद बाल को बुढ़ापा मत समझिए और जिंदगी को मत त्यागिए।

अंतिम मंत्र - अपने छोटों से बहुत प्यार करिए, सहानुभूति रखिए और उनके साथ मिल-जुल कर स्नेह से रहिए क्योंकि कभी-कभी वे भी बहुत कुछ सिखा जाते हैं। यह भी मत समझिए कि मैं बड़ा हूं तो सबको हाथ जोड़ कर या पैर छूकर मेरी इज्जत करनी है, आपको भी सबकी उतनी ही इज्जत करनी है। बिना बात के मुस्कुराइए। इन मंत्रों को जीवन में अपनाएंगे तो पाएंगे कि आपकी जिंदगी कैसे बदल जाती है।

ये हैं जिंदगी को आसान बनाने के दो तरीके

दूसरों को खिला कर खाने वालों के भंडार हमेशा प्रभु कृपा से भरे रहते हैं, उनके भंडार कभी खाली नहीं रहते। प्रभु सबको खिलाकर स्वयं भोग लगाते हैं। प्रभु तो हमारे पैदा होते ही हमारे दूध का प्रबंध कर देते हैं, पर एक इंसान ही ऐसा है जोकि भगवान से सब नियामतें पाने के बाद भी उसका धन्यवाद तक नहीं करता।

दुनिया चाहे आपको कितना भी हारा हुआ माने लेकिन आप कभी अपनी नजरों में हार मत मानना।

बातें नहीं, काम बड़े करो क्योंकि लोगों को सुनाई कम, दिखाई ज्यादा देता है।

परेशानी में जो अनुभव और सीख मिलती है, वह सीख दुनिया का कोई भी स्कूल नहीं दे सकता।

जिंदगी आसान बनाने के दो तरीके- पहला गुस्से में थोड़ा रुक जाना और दूसरा, गलती में थोड़ा झुक जाना।

सोच को हमेशा अच्छा रखो क्योंकि नजर का इलाज संभव है लेकिन नजरिए का नहीं।

जीवन की यात्रा में आपको दूसरों से ज्यादा अपने आपकी जरूरत है।

लाला जगत नारायण जी की पारिवारिक पृष्ठभूमि का ज्ञात प्रथम छोर अर्थात उनके पूर्वज दीवान मूल राज चोपड़ा थे, जिन्हें शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह का एक विश्वस्त अधिकारी समझा जाता था तथा वह मुल्तान (अब पाकिस्तान में) के गवर्नर थे। प्रखर राष्ट्रवादी महाराजा रणजीत सिंह नहीं चाहते थे कि पंजाब के लोग धर्म या जाति के नाम पर बंट कर कमजोर बनें तथा विदेशियों के लिए उन पर आक्रमण करना और उन्हें कुचलना आसान हो। वह महान पंजाब के एक महान शासक थे। उनकी शूरवीरता, अदय साहस और प्रशासनिक कुशलता इतिहास सिद्ध है। उनके राज्य में हिन्दू, मुस्लिम और सिख सभी समान रूप से परस्पर प्रेमपूर्वक रहते थे। धार्मिक, सांप्रदायिक या जातिगत शत्रुता-भाव के लिए कोई स्थान नहीं था।

दीवान मूल राज चोपड़ा भी इस प्रभाव से अछूते नहीं रहे। उन्होंने एक अधिकारी के तौर पर पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य किया तथा कई वर्षों तक सेवारत रहे। उदार हृदयी महाराजा रणजीत सिंह ने दीवान मूल राज चोपड़ा की अनन्य स्वामी भक्ति से प्रभावित और प्रसन्न होकर उन्हें वजीराबाद (अब पाकिस्तान में) में कुछ भूमि तथा दीवानों की हवेली के नाम से प्रसिद्ध एक महल उपहार स्वरूप प्रदान किया। उन दिनों दीवान को अच्छे अधिकार प्राप्त होते थे। उन्हें 'छोटी मोहर वाले' कह कर पुकारा जाता था तथा उनकी मोहर के बिना चिनाब नदी को पार करने की अनुमति नहीं थी।

वजीराबाद उन दिनों एक अच्छा जाना-पहचाना ऐतिहासिक नगर था, जो रेल द्वारा लाहौर, रावलपिंडी, स्यालकोट आदि नगरों से जुड़ा हुआ था। कहा जाता था कि सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक बार अपना घोड़ा यहां के 'गुरु कोठा गुरुद्वारा' में बांधा था। यहीं महाराजा रणजीत सिंह का गर्मियों में विश्राम करने के लिए 'मुस्सम बुर्ज' नामक एक महल था।

लाला जगत नारायण जी के जन्म काल के समय इस नगर के लोग बहुत प्रगतिशील, शिक्षित व सजग थे। लगभग एक दर्जन स्कूल भी नगर में थे। पंजाबियत व पंजाबी संस्कृति के विविध रूप-रंग यहां विद्यमान थे। बैसाखी, बसंत पंचमी तथा होली के अवसर पर यहां के मेले बड़े प्रसिद्ध थे। नगर से कोई तीन किलोमीटर दूर चिनाब नदी थी। यहीं लगता था बैसाखी का मेला, जहां पंजाबियत का पूरा प्रदर्शन होता था।

लाला जगत नारायण जी के पूर्वज वजीराबाद में गली आर्यांवाली, वेहड़ा चोपड़ां दा, मोहल्ला दीवान में स्थित एक विशाल मकान में रहते थे, जो छोटी ईंटों से बना हुआ था तथा जिसमें नौ कमरे थे। लाला जगत नारायण को अपने पूर्वजों की प्रतिष्ठा व वैभव पर गर्व था, जिसे याद कर वह कई बार रोमांचित हो उठते थे। अपने पूर्वजों के महान आदर्शों का प्रभाव लाला जी के व्यक्तित्व में भी देखा जा सकता था। वह भारतीय और पंजाबी पहले थे, हिन्दू बाद में। राष्ट्रीयता की भावना का संचार उनकी नस-नस में था।

लाला जी के पिता श्री लखमी दास चोपड़ा, दीवान मूल राज चोपड़ा के पौत्रों में से एक थे। श्री लखमी दास चोपड़ा का जन्म व पालन-पोषण वजीराबाद में उसी महल में हुआ, जो उन्हें महाराजा रणजीत सिंह ने भेंट किया था परंतु लखमी दास जी ने अपने पूर्वजों से हट कर अपने लिए अलग व्यवसाय चुना। वजीराबाद में उन्होंने ब्रिटिश सरकार के पुलिस बल में जाना स्वीकार कर लिया। धीरे-धीरे वह पुलिस में प्रचलित शराब व सिगरेट आदि व्यसनों के भी अयस्त हो गए, परंतु श्रीमती लाल देवी से विवाह होते ही उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। श्रीमती लाल देवी एक सुसंस्कृत आर्य-समाजी परिवार से संबंधित थीं। उनमें व्यक्तिगत साहस एवं प्रबल इच्छा शक्ति थी। धीरे-धीरे वह अपने पति श्री लखमी दास को सभी प्रकार के दुर्व्यसनों से मुक्त कराने में सफल हो गईं और वह पूर्णतः शाकाहारी बन गए। इस प्रकार श्रीमती लाल देवी के माध्यम से श्री लखमी दास जी आर्य समाज के संस्थापक महाऋषि दयानंद के आदर्शों व विचारों से प्रभावित हुए बिना न रह सके।

यह समय भारत में 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' का काल था। देश भर में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, स्वामी विवेकानंद व महर्षि दयानंद सरस्वती जैसे विचारक एवं समाज सुधारक समाज में फैले अज्ञान, अंधविश्वासों, कुरीतियों, गली-सड़ी पर पराओं व जर्जर मान्यताओं के अंधकार से लड़ रहे थे। पंजाब में 'आर्य समाज' की वैदिक विचारधारा का प्रसार व प्रभाव अधिक देखा जा सकता था। महर्षि दयानंद के आदर्श विशेष रूप से पढ़े-लिखे युवकों में अधिक लोकप्रिय हो रहे थे। महर्षि दयानंद राष्ट्रीयता व भारतीयता के पोषक थे। 'आर्य समाज' के विचारों के अनुरूप डी.ए.वी. शिक्षा आंदोलन का सूत्रपात भी उन दिनों हो चुका था। डी.ए.वी. शिक्षा प्रणाली प्राचीन व नवीन का समन्वय थी। वैदिक जीवन मूल्यों पर आधारित आधुनिक विज्ञान स मत शिक्षा इस आंदोलन का ध्येय था। यह शिक्षा आंदोलन राष्ट्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय सिद्ध हुआ।

इस परिवेश का लाला जगत नारायण पर भी प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से प्रभाव पड़ा। उनको राष्ट्रीयता, भारतीयता, प्रगतिशीलता, व्यक्तिगत साहस, निर्भीकता जैसे उच्च संस्कार पूर्वजों से विरासत में प्राप्त हुए जिन्होंने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त लखमी दास उर्दू व फारसी के अच्छे ज्ञाता थे। उनकी लिखाई बहुत ही सुंदर थी। उनमें चिनाब नदी के प्रति एक चु बकीय आकर्षण था। वह कहा करते थे :

'नहीं रीसां चिना दियां भावें सुक्की वगे।'

'दर्शकों का प्यार' ही मेरी प्रेरणा : तमन्ना

साऊथ इंडियन फिल्मों की सुपरस्टार तमन्ना भाटिया ने साऊथ में नहीं, बल्कि मुंबई महाराष्ट्र में जन्म लिया। फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से हिन्दी फिल्मों में डेब्यू करने वाली तमन्ना इस फिल्म के फ्लॉप होते ही साऊथ चली गई और वहां शिखर पर पहुंचते उसे वक्त नहीं लगा। फिल्म 'बाहुबली' की सफलता के बाद अब फिर हिन्दी फिल्मों सक्रिय हो चुकी है और मधुर भंडारकर की फिल्म 'बबली बाऊंसर' से लेकर 'खामोशी', 'प्लान ए प्लान बी', 'जी करदा' जैसी फिल्मों से लेकर 'लस्ट स्टोरीज 2' और 'आखिरी सच' जैसी वैब सीरीज में नजर आ चुकी है।

उसकी अगली हिन्दी फिल्मों में 'वेदा' और 'स्त्री 2' शामिल हैं। अब अटकलें लग रही हैं कि नीरज पांडे की बहुप्रतीक्षित फिल्म में भी वही लीड रोल करने जा रही है।

एक सूत्र के अनुसार, यह फिल्म एक ओ.टी.टी. प्लेटफार्म के लिए बनाई जा रही है। सूत्र ने बताया, हमें पता चला है कि तमन्ना भाटिया को नीरज पांडे की अगली अनाम फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। तमन्ना फिल्म में मुख्य अभिनेत्री होगी। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। बाकी स्टार कास्ट के फैसले को लेकर भी अभी टीम के बीच चर्चा हो रही है।

फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शूटिंग का पहला दिन 24 फरवरी को था। फिल्म इस साल के अंत में रिलीज होगी। यह सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होगी और फिल्म का प्रीमियर एक प्रमुख ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर होगा। यह भी चर्चा है कि नीरज पांडे अपनी हिट वैब सीरीज 'स्पैशल ऑप्स' के सितारों में से ही किसी को अपनी नई फिल्म में बतौर लीड हीरो लेना चाहता है, ताकि वह किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शूटिंग कर सके, जिसके साथ वह पहले ही काम कर चुका है।

सूत्र ने यह भी बताया, फिल्म को लेकर सब कुछ गुप्त रखा जा रहा है क्योंकि वे नहीं चाहते कि फिल्म के बारे में कुछ भी अभी बाहर जाए। इसीलिए शूटिंग के पहले दिन सैट पर बहुत कम लोगों को आने दिया गया था।

हालांकि, सम्पर्क करने पर इस संबंध में फिल्म से जुड़े लोगों ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। फिल्मों में पूरे किए 19 वर्ष तमन्ना फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे ही सही लेकिन अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब रही है। उसने हिंदी फिल्मों के अलावा तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काफी काम किया है। हाल ही में तमन्ना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से फिल्म इंडस्ट्री में 19 वर्ष पूरे होने की खुशी अपने फैंस के साथ शेयर की। तमन्ना ने एक पोस्ट शेयर करके दर्शकों का शुक्रिया करते हुए लिखा, आप सभी ने मुझे और मेरी फिल्मों को जितना प्यार दिया है, उसके लिए दिल से शुक्रिया। आप लोग ऐसे ही मुझे प्यार देते रहिएगा। आपका समर्पण और उत्साह मेरे काम के पीछे प्रेरक शक्ति रहा है। मैं वायदा करती हूं कि मैं ऐसी फिल्में बनाना जारी रखूंगी, जो आप सभी को पसंद आएं। आगे और भी अद्भुत वर्ष हैं, प्यार और अनगिनत यादों से भरे हुए। सबका आभार। यह तो बस शुरूआत है। काशी विश्वनाथ के किए दर्शन इंडस्ट्री में 19 वर्ष पूरे होने से ठीक पहले तमन्ना ने भोलेनाथ के दर्शन किए। तमन्ना ने काशी विश्वनाथ मंदिर से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वह मंदिर परिसर में खड़ी दिखाई दे रही थी। सुपरनैचुरल थ्रिलर में आएगी नजरतमन्ना अब 'ओडेला 2' में अभिनय करने के लिए तैयार है। यह एक सुपरनैचुरल थ्रिलर है। इसके पोस्टर में तमन्ना पहले कभी नहीं देखे गए अनूठी व रहस्यमयी अवतार में नजर आई है। वह इस फिल्म की शूटिंग काशी में शुरू करेगी।

विजय वर्मा के साथ आई नजर

तमन्ना और विजय वर्मा के अफेयर को लेकर खूब बातें होती हैं। दोनों की शादी को लेकर भी अटकलें लगने लगी थीं लेकिन अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक खबर सामने नहीं आई है। इसी बीच तमन्ना और विजय का नया वीडियो सामने आया है। वीडियो में तमन्ना वन पीस ड्रेस में बेहद हसीन लग रही है वहीं विजय इस वीडियो में बेहद हैंडसम लग रहा है। वीडियो के दौरान तमन्ना और विजय रोमांटिक अंदाज में दिखाई दिए। विजय ने तमन्ना का पर्स सम्भालने की पेशकश की लेकिन उसने विजय से कोई मदद नहीं ली। इसको लेकर विजय का मजाक भी उड रहा है।

रोमांटिक प्रपोजल के बाद एमी जैक्सन ने एड वेस्टविक संग की दूसरी सगाई

एक्स बॉयफ्रेंड संग बन चुकी हैं बिन ब्याही मां

साउथ फिल्म अदाकारा एमी जैक्सन ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर दूसरी सगाई का ऐलान किया है। अदाकारा एमी जैक्सन ने अपने बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक के साथ अमेरिका में धूमधाम से सगाई कर ली। अदाकारा की सगाई की तस्वीरें इंस्टाग्राम की दुनिया में आते ही वायरल होने लगी हैं। जिसमें अदाकारा अपने 4 साल के बेटे के साथ सगाई के लिए पहुंची थीं। अदाकारा एमी जैक्सन की सगाई की फोटोज इंस्टाग्राम पर आते ही वायरल होने लगी हैं। यहां देखें फोटोज।

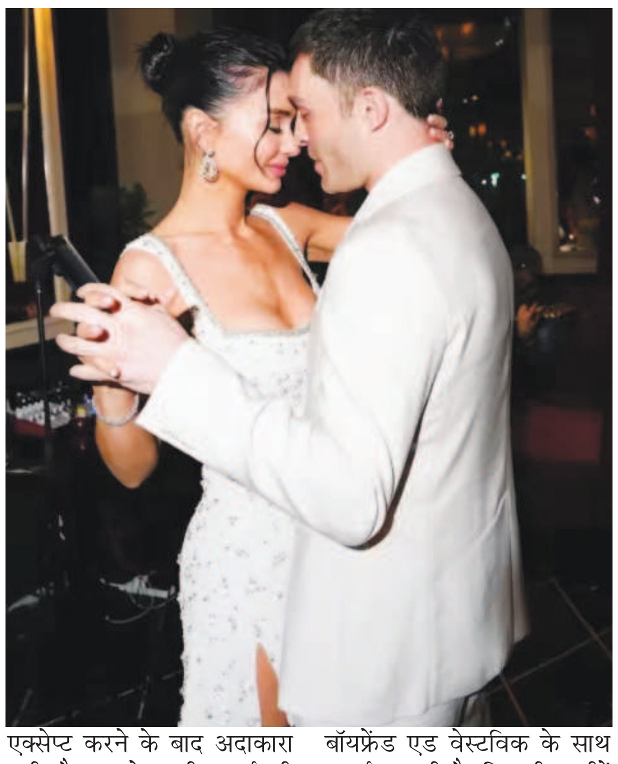

बता दें कि अदाकारा एमी जैक्सन और एड वेस्टविक की इसी साल जनवरी महीने में सगाई हुई थी। दोनों ने एक दूसरे संग रोमांटिक अंदाज में सगाई की थी।

दरअसल, जनवरी महीने में अदाकारा एमी जैक्सन को उनके बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक ने रोमांटिक अंदाज में प्रपोज किया था। जिसके बाद दोनों ने सगाई की।

स्विट्जरलैंड की हसीन वादियों में रोमांटिक प्रपोजल को एक्सेप्ट करने के बाद अदाकारा एमी जैक्सन ने दूसरी सगाई की है। अदाकारा की सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छाने लगीं।

अदाकारा एमी जैक्सन ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर बताया है कि उन्होंने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक के साथ सगाई कर ली है। जिसकी तस्वीरें आप यहां देख सकते हैं।

बता दें कि फिल्म स्टार एमी जैक्सन ने दूसरी बार सगाई की है। इससे पहले वो ब्रिटेन के बिजनेसमैन जॉर्ज पायनिट्टू संग सगाई कर पहले बच्चे की मां बनी थीं।

फिल्म स्टार एमी जैक्सन ने अपने बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक की भी तस्वीर शेयर की। जिसमें वो सगाई के लिए बेहद उत्साहित दिखे।

अदाकारा एमी जैक्सन ने अपनी दूसरी सगाई के लिए एक बेहद ग्रैंड पार्टी रखी थी। जिसकी झलक अदाकारा ने लेटेस्ट तस्वीरों के साथ दिखाई।

अदाकारा एमी जैक्सन की दूसरी सगाई के लिए खास डिनर का इंतजाम किया गया था। जिसे बिल्कुल शाही अंदाज में सजाया किया गया था।

सगाई की बीच अदाकारा एमी जैक्सन ने अपने मंगेतर एड वेस्टविक को लिप-लॉक कर लिया। जिसकी फोटोज फैंस का दिल जीत ले गईं।

बता दें कि एमी जैक्सन ने अपने बेटे एंड्रियास को एक्स बॉयफ्रेंड जॉर्ज पायनिट्टू के साथ जन्म दिया था। अदाकारा ने मंगेतर जॉर्ज पायनिट्टू से बिना शादी के पहले बच्चे को जन्म दिया। मगर इसके बाद इनका रिश्ता टूट गया था। अब करीब 2 साल से एक्ट्रेस एड वेस्टविक के साथ रिश्ते में थीं।

रोल के लिए डांस बार में बिताई कई रातें : अदा शर्मा

कलाकार अपनी अदाकारी में परफेक्शन लाने के लिए नए-नए ट्रिक्स को फॉलो करते हैं. अपने किरदार में ढलने के लिए रियल लोकेशंस पर जाकर समय बिताते हैं. जिस तरह की कहानी बन रही होती है, उसी तरह के माहौल सीखने-समझने की कोशिश करते हैं, ताकि उनके एक्टिंग ऑरिजनल लगे. बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म के एक्टर्स-एक्ट्रेसेज ऐसा कर चुके हैं. एक पैन इंडिया एक्ट्रेस ने भी अपने किरदार को रियल बनाने के लिए कई रातें डांस बार में बिताई, क्योंकि उसे भी एक प्रोजेक्ट में डांस बार गर्ल का किरदार निभाना था.

डांस बार से समझ ही गए होंगे कि हम अदा शर्मा की बात कर रहे हैं. हाल में ओटीटी पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'सनफ्लॉवर 2' में उन्होंने डांस बार गर्ल का किरदार निभाया था. उन्होंने 'सनफ्लॉवर 2' में अपनी भूमिका को लेकर खुलासा किया कि अपने किरदार के लिए एक डांस बार में कई रातें बिताईं. वह स्क्रीन पर इम्प्रेसिव दिखना चाहती थीं.

अदा शर्मा ने कहा, "मैं स्क्रीन पर इम्प्रेसिव दिखना चाहती थी. इस दौरान मैंने सिर्फ डांस करना ही नहीं बल्कि एक डांस बार गर्ल किस तरह से बैठती है. किस तरह से खड़ी होती है. और डांस परफॉर्मेंस के दौरान वह किस तरह से अपने फिजिकल अपीयरेंस देती है. यह सब सीखा." उन्होंने कहा कि वह कभी-कभी डांस बार में सुबह 5 बजे तक रुकती थीं.

रात 9 बजे जाती थीं अदा शर्मा

अदा शर्मा ने आगे कहा,"बार मालिक इतने अच्छे थे कि उन्होंने मुझे बार में रुकने और चीजों को देखने की इजाजत दी. कस्टमर्स से बात करते समय डांस बार गर्ल के कॉन्फिडेंस को देखने की कोशिश. मैं रात को 9 बजे जाती थी, कभी-कभी सुबह 4 से 5 बजे तक रुकती थी." 'सनफ्लॉवर 2' सुनील ग्रोवर, रणवीर शौरी और मुकुल चड्ढा मुख्य रोल में हैं. इस सीरीज को जी5 पर देखा जा सकता है.

कंगना ने 10 साल में सिर्फ एक सुपरहिट फिल्म दी : फिर भी फीस 17 करोड़

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट 37 साल की हो गई हैं। कंगना अपनी फिल्मों के लिए कम, विवादों के चलते ज्यादा सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने कहा था कि जब वो बॉलीवुड में नई थीं तो उन्हें जानवरों की तरह ट्रीट किया जाता था। अब कंगना को बॉलीवुड की कॉन्ट्रोवर्शियल क्वीन कहा जाता है और इस छवि से उनके करियर को कहीं न कहीं नुकसान भी हुआ है। फिल्ममेकर्स उन्हें अपनी फिल्मों में लेने से कतराने लगे हैं। कंगना ने बीते दस सालों में केवल एक सुपरहिट, एक हिट और एक एवरेज फिल्म दी है। पिछले साल वो फिल्म 'तेजस' में नजर आई थीं, जो कि फ्लॉप रही। इससे पहले रिलीज हुई 'धाकड़' ने तो सिर्फ तीन करोड़ ही कमाए थे।

वैसे, फ्लॉप फिल्मों के बावजूद कंगना अब भी बॉलीवुड की सबसे मंहगी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उनकी एक फिल्म की फीस 15-17 करोड़ रुपए तक है।

दस साल में दी सिर्फ एक सुपरहिट

पिछले कुछ सालों में कंगना के करियर में डाउनफॉल देखने को मिला है। 10 सालों में उनकी सिर्फ एक फिल्म 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' ही सुपरहिट हुई है। इससे पहले 2014 में आई क्वीन हिट साबित हुई थी। 2019 में आई उनकी फिल्म 'मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी' एवरेज साबित हुई थी। मणिकर्णिका के बाद पिछले पांच साल में कंगना की पांच फिल्में रिलीज हुई हैं और सभी फ्लॉप रही हैं।

'इमरजेंसी' से है कंगना को उम्मीद

कंगना की अपकमिंग फिल्मों की बात की जाए तो इसमें फिल्म 'इमरजेंसी' का नाम सबसे ऊपर है। फिल्म में कंगना इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म पिछले साल रिलीज होने वाली थी, लेकिन ये टल गई। अब इसे 14 जून, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

इसके अलावा कंगना के पास एक अनटाइटल्ड फिल्म है जिसमें वो आर. माधवन के साथ नजर आएंगी। 2021 में कंगना के फिल्म सीताः द इनकार्नेशन में काम करने की खबरें थीं, लेकिन इस फिल्म की शूटिंग अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। कुल मिलाकर देखा जाए तो कंगना के पास अभी इमरजेंसी के अलावा दो फिल्में ही हैं।

सामंथा रुथ प्रभु ने ओपन जैकेट में दिखाया बोल्ड लुक, इंटरनेट पर मची तबाही

साउथ फिल्म अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर धांसू कमबैक की तैयारी में हैं। बीमारी से ठीक होते ही अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु ने अपना बोल्ड अवतार दिखाना शुरू कर दिया है। अब हाल ही में अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। जिसमें अदाकारा ब्लैक कलर की ओपन जैकेट में अपना किलर लुक फैंस को दिखाती दिखीं। जिसके बाद ये तस्वीरें सोशल मीडिया की दुनिया में आग की तरह वायरल हो गईं। यहां देखें सामने आईं फोटोज।

अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु जल्दी ही अपनी वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर दर्शकों के बीच पहुंचने वाली है। जिसे अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम किया जाएगा।

अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु धांसू कमबैक की तैयारी में हैं। बीमारी से ठीक होते ही अदाकारा ने अपनी कमर कस ली है। इस दौरान एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी खा सा एक्टिव हैं।

अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में बोल्ड फोटोशूट करवाया है। जिसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम की दुनिया में आते ही छाने लगी हैं।

अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छाने लगी हैं। अदाकारा की इन तस्वीरों पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। कुछ वक्त पहले ही अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। जिसमें अदाकारा बैकलेस ड्रेस में अपना बोल्ड अवतार फैंस को दिखाती दिखी थीं। अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु का हर अंदाज बेहद किलर और ग्लैमरस था। जिसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम की दुनिया में आते ही छाने लगीं।

अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु दिन ब दिन बोल्ड होती जा रही हैं। अक्सर एक्ट्रेस अपनी बोल्ड तस्वीरों से फैंस का दिल धड़काने लगी हैं। अदाकारा ने इस दौरान एक बेहद ग्लैमरस मैटलिक ड्रेस में नजर आईं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने भी सोशल मीडिया पर खूब खलबली मचाई। अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु की तस्वीरों पर फैंस की नजर टिक गई हैं। अदाकारा की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही छाने लगीं।

राहुल मोदी संग रिश्ते को कबूल करेंगी श्रद्धा कपूर, एक्ट्रेस को फैमिली से मिली मंजूरी?

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर को इंडस्ट्री में एक दशक से ज्यादा का समय हो गया है और उन्होंने अपनी एक्टिंग से लोगों का ध्यान खींचा है। श्रद्धा कपूर अपनी एक्टिंग के साथ ही अपनी प्यारी सी अदाओं से फैंस को दीवाना बनाती हैं। श्रद्धा कपूर बीते दिनों से अपनी लव-लाइफ को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, श्रद्धा कपूर को लेकर बताया जा रहा है कि वह फिल्म राइटर राहुल मोदी के साथ रिलेशनशिप में है। इसी बीच श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के रिश्ते को लेकर नया अपडेट आया है। आइए जानते हैं कि श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी को लेकर क्या खबर सामने आई है।

श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी को पसंद है दोनों की जोड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अब अपने रिश्ते को किसी से छिपाना नही चाहते हैं। दरअसल, दोनों अब एक दूसरे के साथ बहुत कम्फर्टेबल महसूस करते हैं। श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के घरवालों को दोनों की जोड़ी पसंद है। फिलहाल, दोनों हैप्पी प्लेस में रहकर अपने रिलेशनशिप में आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी के प्री-वेडिंग सेरेमनी में श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी एक साथ पहुंचे। दोनों की कई तस्वीरें और फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे।

राहुल मोदी ने लिखी थी श्रद्धा कपूर की ये फिल्म

रिपोर्ट में बताया जाता है कि फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के सेट पर श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी की नजदीकियां बढ़ी थीं। हालांकि, श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी ने अपने रिलेशनशिप पर कोई बयान नहीं दिया है। गौरतलब है कि श्रद्धा कपूर पॉपुलर फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ के साथ रिलेशनशिप में थीं। दोनों का चार साल के रिश्ते के बाद ब्रेकअप हो चुका है। फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' को राहुल मोदी ने लिखा है। राहुल मोदी राइटर हैं कई फिल्मों को लिख चुके हैं। श्रद्धा कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछली बार साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'तू झठी मैं मक्कार' में नजर आई थीं। अब श्रद्धा कपूर की पाइपलाइन में फिल्म 'स्त्री 2' है।

कान साफ करना खतरनाक : माचिस की तीली या रुई से हो सकता है बहरापन

हर दिन कान साफ करना बीमारी को न्योता देने जैसा है। कई लोग नियमित रूप से कान साफ करते हैं। कुछ लोग जो मिला, उसी से कान साफ कर लेते हैं। माचिस की तीली, पेपर क्लिप, चाबी, पेन, पेंसिल या कोई भी ऐसी चीज जो कान में जा सकती है, उससे लोग कान साफ करने बैठ जाते हैं। दिल्ली, लखनऊ, पटना या किसी भी शहर में जाएं, राह चलते लोग कान साफ कराते नजर आ जाते हैं।

कॉटन बड्स से भी कान साफ न करें

कान साफ करने के लिए लोग सबसे ज्यादा कॉटन बड्स का इस्तेमाल करते हैं। कई फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां तरह-तरह के कॉटन बड्स बनाती हैं। बाजार में कॉटन ईयर बड्स के साथ पेपर स्टिक बड्स, बंबू ईयर बड्स, एलोवेरा बड्स भी मिल रहे।

ये कॉटन बड्स कानों की सफाई के लिए कितने सही हैं?

कान की सफाई के लिए किसी भी तरह के बड्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यह मिथ है कि कॉटन बड्स सुरक्षित हैं। जो कंपनियां इन्हें बनाती हैं वो भी वॉर्निंग के तौर पर लिखती हैं कि इनका इस्तेमाल कान के बाहरी हिस्से की सफाई के लिए करना चाहिए, न कि कान के भीतर डालकर।

कॉटन बड्स से सफाई के दौरान इस बात का खतरा अधिक होता है कि कान में मौजूद वैक्स ईयर कैनाल में न चला जाए। इसी तरह रुई के फाहे भी निकलकर कान में चले जाते हैं। इससे ईयर ट्रॉमा हो सकता है यानी कान में इंजरी हो सकती है। अगर कॉटन बड्स कान के भीतरी हिस्से में पहुंचता है तो कान के परदे फट सकते हैं। कानों में इन्फेक्शन हो सकता है। इन्फेक्शन बढ़ने पर कान में तेज दर्द हो सकता है।

कान में जमी वैक्स क्या कान का मैल है?

कान में जमी वैक्स को हम सभी कान का मैल समझ लेते हैं। जबकि ये वैक्स ही बाहर से आ रही धूल-मिट्टी को कान में जाने से रोकता है। वैक्स कान में नमी बनाए रखता है। कान में स्किन की ऊपर परत झड़ती रहती है। इसकी डेड सेल्स को भी वैक्स कान के अंदर जाने से रोकता है।

कानों में जमी वैक्स मैल नहीं है। कान में हर दिन ये वैक्स निकलती है किसी में कम, किसी में ज्यादा। कान और मुंह का मैकेनिज्म ऐसा है कि जब भी हम कुछ चबाते हैं तो कान पर प्रेशर पड़ता है और ये वैक्स अपने आप बाहर आता है। इसलिए इसे निकालने के लिए कॉटन बड्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

कान बजने या झनझनाने की शिकायत क्या होती है?

कई लोगों की शिकायत होती है कि उनके कान से आवाज आती है, झनझनाट जैसा अनुभव होता है। कान में अधिक वैक्स जमा होने से ऐसी शिकायत हो सकती है। ऐसे में उन्हें कॉटन बड्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए बल्कि ENT स्पेशियलिस्ट को दिखाना चाहिए।

जो ज्यादा कान साफ करते हैं उनमें ज्यादा वैक्स

कान में वैक्स एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में वैरी करता है। जैसे किसी में पसीना कम निकलता है किसी में अधिक, उसी तरह किसी के कान में अधिक वैक्स निकलता है किसी में कम। जो लोग कान को ज्यादा स्क्रैच करते हैं या कॉटन बड्स का अधिक इस्तेमाल करते हैं उनमें वैक्स भी अधिक निकलता है। इसका कारण यह है कान से वैक्स ऑटोमेटिक तरीके से बाहर निकलता है। जब बाहरी चीज का इस्तेमाल करके वैक्स निकालते हैं तो वैक्स का प्रोडक्शन भी बढ़ जाता है। इससे कान को और नुकसान होता है।

कान में पानी डालने से फंगस होने का खतरा

कान की भीतरी बनावट बहुत जटिल होती है। ईयर कैनाल बहुत संकरी और टेढ़ी-मेढ़ी होती है। कुछ लोग ये सोचते हैं कि कान को पानी से साफ करने से कान का मैल मुलायम होकर बाहर निकल आएगा। या फिर इसे कॉटन बड्स से निकालने में आसानी होगी।

कान में पानी डालने से कान में फंगस होने का खतरा होता है। कान के भीतरी हिस्से में नमी होने से वहां इंफेक्शन हो जाता है। जो स्विमर्स होते हैं उनके कानों में इस तरह का इन्फेक्शन अधिक देखने को मिलता है। इससे कानों में असहनीय दर्द हो सकता है।

कानों में तेल डालना भी सुरक्षित नहीं

कान दर्द होने या कान में जमी मैल को निकालने के लिए लोग अक्सर तेल डाल देते हैं। सरसों तेल, जैतून का तेल, नारियल तेल, बेबी ऑयल कान में डालना आम है। डॉ. जफर बताते हैं कि कान में किसी भी तरह का तेल डालना ठीक नहीं है। कई लोग गर्म तेल डालते हैं। ऐसा करना खतरनाक हो सकता है। गर्म तेल से ईयर कैनाल छिल सकता है। कान के परदे में छेद हो सकता है। दरअसल, तेल डालने से कान में इन्फेक्शन नहीं खत्म होता। वैक्स को मुलायम करने के लिए भी तेल नहीं डालना चाहिए।

कान में दर्द है तो ईयर ड्रॉप्स नहीं डालें

कान में दर्द होने पर ईयर ड्रॉप्स से कोई फायदा नहीं होता। कई बार लोग यह समझ लेते हैं कि ईयर ड्रॉप्स की कुछ बूंदें डालने पर कान का दर्द कम हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं है। ईयर ड्रॉप्स से वैक्स मुलायम हो सकता है। कान बहने पर एंटी बायोटिक दवा का इस्तेमाल होता है।

प्याज का रस लगाने से क्या वास्तव में नए बाल आ सकते हैं?

बालों के झड़ने और गंजापन की समस्या युवाओं में तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गड़बड़ लाइफस्टाइल और आहार में पौष्टिकता की कमी के कारण लोगों में इस तरह की दिक्कतें अधिक देखी जा रही हैं। बालों को झड़ने से रोकने और दोबारा बालों के विकास को बढ़ाने का दावा करने वाले कई कॉस्मेटिक उत्पाद बिक रहे हैं, पर क्या इनसे लाभ मिलता है।

इस बीच बालों को स्वस्थ रखने के लिए प्याज का रस लगाने के उपाय को लेकर काफी चर्चा है। कहा जा रहा है कि प्रभावित हिस्से में रोजाना प्याज के रस से मालिश करने से न सिर्फ बालों का टूटना बंद होता है साथ ही नए बाल भी आते हैं।

क्या वास्तव में बालों के लिए प्याज का रस इतना असरदार है? क्या इससे वैश्विक स्तर पर बढ़ रही बालों की समस्या में लाभ पाया जा सकता है?

प्याज के रस के लाभ

अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं दोनों में बाल झड़ने की स्थिति काफी सामान्य है। बालों के पतले होने या झड़ने का सबसे आम कारण वंशानुगत स्थिति है जिसे एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया कहा जाता है। इसके अलावा कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट या हार्मोनल समस्याओं के कारण भी बाल झड़ सकते हैं।

मेडिकल रिपोर्ट्स में दावा किया जाता रहा है कि प्याज का रस बालों की कई समस्याओं जैसे- एलोपीसिया, स्कैल्प में खुजली या सूखापन को दूर करने, बालों का झड़ना रोकने, रूसी, समय से पहले बाल सफेद होना और नए बालों के ग्रोथ में मदद कर सकती है।

क्या प्याज का रस वास्तव में प्रभावी है?

वैसे तो बालों को फिर से उगाने के लिए प्याज के रस के उपयोग पर व्यापक शोध नहीं किया गया है। हालांकि जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित छोटे अध्ययन से संकेत मिलता है कि स्कैल्प पर प्याज का रस लगाने से कुछ लोगों में बालों को फिर से उगाने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में ऐसे प्रतिभागी शामिल थे जिन्हें एलोपेसिया एरीटा था, जिसमें पैच में बाल झड़ने लगते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन में दो बार प्याज के रस का उपयोग करने के 2 सप्ताह बाद बालों का विकास शुरू हुआ। लगभग 74 प्रतिशत प्रतिभागियों में 4 सप्ताह के बाद कुछ बाल फिर से उग आए थे और 6 सप्ताह में लगभग 87 प्रतिशत ने बालों के फिर से उगने का अनुभव किया।

कैसे काम करता है प्याज का रस?

अध्ययनकर्ताओं का कहना है, बालों में प्याज का रस लगाने से जड़ों को पोषक तत्व प्राप्त होते हैं जिससे बालों की मजबूती में सुधार हो सकता है। ये बालों के टूटने और पतले होने को भी कम कर सकता है।

प्याज का रस बालों को फिर से बढ़ने में कैसे मदद करता है, इसके पीछे इसमें मौजूद डायट्री सल्फर को कारण माना जाता है। एंजाइम और प्रोटीन के पर्याप्त उत्पादन के लिए सल्फर की आवश्यकता होती है। प्याज के रस में मौजूद सल्फर बालों को बढ़ाने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान कर सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ लोगों को बालों के विकास और कंडीशनिंग के लिए प्याज के रस के उपयोग से लाभ मिल सकती है, पर सभी के लिए यह फायदेमंद हो ऐसा आवश्यक नहीं है। इसके अलावा प्याज के रस के इस्तेमाल से बहुत तेजी से बाल नहीं उगते हैं। इसके सकारात्मक परिणाम के लिए कई हफ्तों का समय भी लग सकता है, परिणाम मिलें ही यह भी जरूरी नहीं है। बालों के झड़ने के कारण और उसके आधार पर उपचार के तरीकों के बारे में जानने के लिए किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ की मदद लें।

स्मोकिंग करने का मतलब शुरू हो गया ऐसा कैंसर!

धूम्रपान करने से आपकी आवाज में भारीपन आ सकता है। लेकिन ये हैवीनेस खतरे की घंटी बजा सकती है और कैंसर का लक्षण साबित हो सकती है। भारी आवाज आकर्षक और दमदार महसूस होती है। कुछ लोगों का मानना है कि स्मोकिंग करने से भी आवाज को भारी बनाया जा सकता है। इसके लिए वो सिगरेट-बीड़ी पीना शुरू कर देते हैं। मगर यह एक ऐसा मिथ है, जो आवाज के लिए काफी हानिकारक साबित हो सकता है।

धूम्रपान एक बुरी आदत है, जिससे आपकी वोकल कॉर्ड लंबे समय तक के लिए खराब हो सकती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन डेफनेस एंड अदर कम्युनिकेशन डिसऑर्डर के अनुसार, स्मकिंग एक वोकल कॉर्ड एब्यूज है। पुणे स्थित जहांगीर अस्पताल के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. पंकज जैन ने बताया कि कोई सिगरेट कैमिकल रहित नहीं होती है और यह वोकल कॉर्ड में इंफ्लामेशन और डैमेज से आवाज जा भी सकती है।

आवाज को कैसे नुकसान पहुंचाती है स्मोकिंग?

कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट और चेस्ट फिजीशियन डॉ. पंकज जैन के मुताबिक, वॉइस बॉक्स (लैरिंक्स) की दो मसल्स बैंड होती हैं, जो वोकल कॉर्ड का निर्माण करती हैं। जब आप बात करते हैं या गाते हैं तो ये वोकल कॉर्ड वाइब्रेट होती हैं और आवाज पैदा करती हैं। स्मोकिंग इन कॉर्ड को डैमेज कर देती हैं, जिससे इनके वाइब्रेट होने की क्षमता कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, आवाज में बदलाव आने लगता है और यह दिक्कत गायकों की आवाज में एकदम से दिख जाती है।

स्मोकिंग से दिखने वाले लक्षण

आवाज भारी होना
आवाज का कर्कश होना
आवाज बैठना
सांस फूलना, आदि

बन सकता है कैंसर

डॉक्टर ने बताया कि स्मोकिंग से वॉइस बॉक्स इतना ज्यादा खराब हो सकता है कि लैरिंक्स का कैंसर बन सकता है। यह जीभ के पीछे या फेफड़ों में भी शुरू हो सकता है। धूम्रपान करने वालों में यह मौत का कारण बन सकता है।

लक्षण दिखने पर क्या करें?

अगर आप धूम्रपान करते हैं और ऊपर बताए कुछ लक्षणों से परेशान हैं तो आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। वह आपके लक्षणों और हिस्ट्री की जांच करके उचित सलाह और इलाज शुरू कर सकता है।

ये घरेलू उपाय आएंगे काम

अगर स्मोकिंग करने से आपकी आवाज बैठ गई है या फिर गले में सूजन व दर्द महसूस हो रहा है तो कुछ घरेलू उपायों से राहत पा सकते हैं। सबसे पहले तो आपको धूम्रपान छोड़ना चाहिए। उसके साथ पर्याप्त पानी पीएं और नमक वाले पानी से गरारे करें।

वेट लॉस में मिल रही नाकामयाबी तो अपनाएं ये टिप्स

जिन कैलोरी को शरीर इस्तेमाल नहीं कर पाता है, उन्हें फैट बनाकर स्टोर कर लेता है। ये चर्बी सबसे पहले और ज्यादा मात्रा में पेट पर जमती है। इससे तोंद बनती है और आप मोटे दिखने लगते हैं। इस बेली फैट को हटाने के लिए लोग वर्कआउट की मदद लेते हैं।

कई बार देखा जाता है कि वर्कआउट के बाद भी चर्बी घटाने में नाकामयाबी हासिल होती है। ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि आपका शरीर पर्याप्त मात्रा में कैलोरी बर्न नहीं कर रहा है। मगर सर्टिफाइड फिटनेस कोच वंश ने ऐसे 5 टिप दिए हैं, जिन्हें वर्कआउट के बाद अपनाने से काफी सारी कैलोरी बर्न होगी और आपकी चर्बी घटने लगेगी।

चर्बी घटाने के लिए क्या करें?

ट्रेडमिल पर पसीना बहाएं

कई शोध में देखा गया है कि सिंपल सा चलना या जॉगिंग करने से फैट लॉस में मदद मिलती है। इसलिए वर्कआउट सेशन खत्म करने के बाद सबसे पहले ट्रेडमिल पर 5 मिनट नॉर्मल वॉक करें। उसके बाद 8-10 की स्पीड सेट करके 5 मिनट रनिंग करें।

साइकिल चलाएं

साइकिल चलाना बचपन का एक अहम हिस्सा था, जो हमें हेल्दी रखने में भी मदद करता था। क्योंकि, यह कार्डियो वर्कआउट का एक हिस्सा है, जो कोर मसल्स को टारगेट करके चर्बी जलाती है। आप वर्कआउट के बाद 10 मिनट साइकिल जरूर चलाएं।

क्रॉस ट्रेनर

क्रॉस ट्रेनर भी कार्डियो का हिस्सा है। इससे आपकी जांघ, कूल्हें, हाथ और पेट की मसल्स पर असर पड़ता है। इन हिस्सों पर जमा फैट जल्दी खत्म होने लगेगा। आप नॉर्मल स्पीड में 10 मिनट क्रॉस ट्रेनर जरूर करें।

रस्सी कूदना और स्टेपर

आखिरी दो टिप में आपको रस्सी कूदना और स्टेपर एक्सरसाइज परफॉर्म करनी है। इन दोनों एक्सरसाइज के 50 रैप्स के 3 सेट्स लगाने से जल्दी फैट लॉस होने लगेगा।

थायराइड से बढ़ते वजन को रोक देगा ये सूप इसके अंदर हैं ट्रीटमेंट के लिए जरूरी ये चीजें

थायराइड एक ग्रंथि होती है, जो आपके गले में मौजूद होती है। ये कुछ हॉर्मोन का उत्पादन करती है, जो शरीर के कई सारे काम के लिए जरूरी होती है। जब ये ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में हॉर्मोन का उत्पादन नहीं कर पाती है तो उसे हाइपोथायरायडिज्म कहा जाता है।

हाइपोथायरायडिज्म में वजन बढ़ना: इस बीमारी के कई सारे लक्षण हो सकते हैं, जिसमें शरीर का वजन बढ़ना भी शामिल है। इसके अन्य संकेतों में थकान, कब्ज, ड्राई स्किन, चेहरे पर सूजन, रूखे बाल, बैठी आवाज आदि शामिल हैं। डाइटिशियन मनप्रीत के मुताबिक, हाइपोथायराइड को मैनेज करने के लिए 5 माइक्रो न्यूट्रिएंट की जरूरत होती है। जो सिर्फ एक रेसिपी में मिल जाएंगे।

हाइपो थायराइड में फायदेमंद रेसिपी

ऐसे बनाएं हेल्दी सूप

एक कूकर में 1 चम्मच देसी घी डालकर 1 कटी हुई गाजर भून लें।

अब 2 चम्मच भीगी हुई लाल मसूर दाल डालकर स्वादानुसार नमक और काली मिर्च के साथ थोड़ा चलाएं।

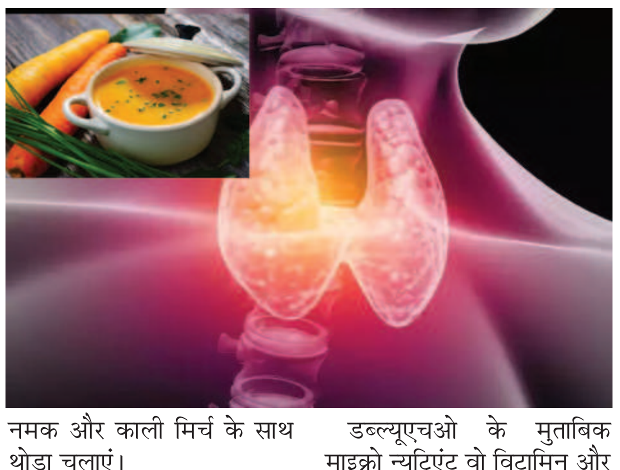

फिर थोड़ा पानी डालकर उबालें और 10 मिनट के लिए ढक्कन लगाकर पकाएं।

जब सूप तैयार हो जाए तो इसे कटोरी में निकालें और थोड़े कद्दू व सूरजमुखी के बीज डालकर पीएं।

सूप से मिलेंगे 5 जरूरी माइक्रो न्यूट्रिएंट

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक माइक्रो न्यूट्रिएंट वो विटामिन और मिनरल होते हैं, जिनकी बहुत कम मात्रा में शरीर को जरूरत होती है। ये पोषक तत्व थायराइड हॉर्मोन के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। डाइटिशियन के अनुसार, इस सूप से हाइपोथायराइड के लिए फायदेमंद विटामिन ए, आयोडीन, आयरन, जिंक और सेलेनियम मिलता है।

विटामिन ए, आयोडीन और आयरन

विटामिन ए, आयोडीन और आयरन तीन ऐसे पोषक तत्व हैं, जिनकी कमी से थायराइड हॉर्मोन का उत्पादन कम हो जाता है। कई शोध में देखा गया है कि इन माइक्रो न्यूट्रिएंट के सप्लीमेंट लेने से हाइपो थायराइड में फायदा मिलता है।

जिंक और सेलेनियम

कद्दू के बीज में जिंक और सूरजमुखी के बीज से सेलेनियम होता है। ये दोनों तत्व थायराइड ग्रंथि को एक्टिव करने में मदद करते हैं और हॉर्मोन के उत्पादन को बढ़ाकर वजन कम करने में लाभदायक होते हैं।

क्या आपकी आंख की झिल्ली पर सफेद निशान आ गए हैं

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। रात में कम दिखाई देता है। आंख की झिल्ली पर सफेद निशान भी आ गए हैं। क्या इस का आयुर्वेद में इलाज है ?

– प्रसाद राव, महबूबनगर

उत्तर : रात में कम दिखाई देना या नहीं दिखाई देना रतौंधी कहलाता है। ऐसी स्थिति जीवनीय तत्व -ए की कमी से उत्पन्न होती है। आहार में जीवनीय तत्वों की कमी, लंबे समय तक अपच की स्थिति, बार-बार जुलाब लेने की आदत के चलते ऐसी हालत हो सकती है। जीवनीय तत्व ए की कमी है अक्सर बड़ी उम्र वालों या बच्चों में ही होती है। इसकी कमी से आंख की झिल्ली पर सफेद दाग जिन्हें बिटाट स्पॉट कहते हैं-पनप सकते हैं। इलाज नहीं किए जाने पर अंधेपन का खतरा बना रहता है।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। सुबह-शाम गाय के गुनगुने दूध में त्रिफला घृत मिलाकर पीने से जल्दी ही लाभ होता है। इसी दूध के साथ ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया लेवें। दूध, घी, मक्खन आदि का प्रयोग करें । हर रोज गाजर और चुकंदर के 50 मिलीलीटर रस में 10 मिलीलीटर शहद मिलाकर पीने से जीवनीय तत्वों के अभाव की पूर्ति होती है। सभी प्रकार के पीले फल- उदाहरण के लिए -आम, पपीता, संतरा, मौसमी आदि भरपूर मात्रा में प्रयोग पोषक तत्वों के संग विटामिन ए भी पहुंचाते हैं। यह औषधि क्रम 6 से 8 महीने तक धैर्य पूर्वक चालू रखें। इससे अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है । काफी कमजोरी आ गई है। हमारे वैद्यजी कहते हैं की पांडु रोग हो गया है। यह क्या है? और इसको दूर करने के उपाय क्या है? कृपा कर बताएं।

– सत्यकाम, सिकंदराबाद

उत्तर : पांडु वह रोग है जिसमें रक्त में रक्त कणिकाओं की गुणात्मक और मात्रात्मक कमी होने से रोगी का रंग पीताभ हो जाता है। इसके पूर्व रूप में हृदय में अत्यधिक स्पंदन,(पल्पिटेशन) मुख का सूखना , पसीना कम आना, और शरीर में थकावट होना आदि होते हैं ।

इसके प्रमुख लक्षणों में : पीतभासता, भोजन के पचाने की शक्ति में कमी, भोजन में अरुचि, अत्यधिक लालास्राव, थकावट , कमजोरी, शरीर की कांति का ह्रास, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, ज्वर, ठंडे पदार्थों से अरुचि, हाथ पैरों में दर्द व ऐंठन, शरीर में भारीपन, श्रम पर श्वासकष्ट आदि मिलते हैं । मोटी भाषा में इसे एनीमिया या खून की कमी भी का सकते हैं ।

ऊंझा मंडूर भस्म को शहद में मिलाकर चाटने से लाभ होता है। ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया, धात्री लोह टिकिया , आमलकी रसायन, लोहासव, पंचासव आदि का भोजन के बाद वैद्यकीय संरक्षण में प्रयोग खून की कमी को दूर करता है।

खट्टे व नमकीन पदार्थ, पचने में भारी भोजन , बहुत अधिक पानी पीना , धूप में फिरना, बहुत ज्यादा मेहनत करना ,अधारणीय वेगों का धारण करना आदि का पाण्डुरोग में निषेध है।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।

– नवल किशोर अग्रवाल, हैदराबाद

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पीसी खांड या शक्कर लेवें। ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है । औरा रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है।

चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

बीजेपी के सारथी बने उद्योगपति नवीन जिंदल

चुनावी चंदे में किस पार्टी को कितना पैसा दिया

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस को हरियाणा में एक बड़ा झटका लगा है। कुरुक्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व सांसद और दिग्गज कारोबारी नवीन जिंदल ने पार्टी का हाथ छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया है। बीजेपी ने उन्हें कुरुक्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। लंबे समय से उनके बीजेपी जॉइन करने की अटकलें लग रही थीं। नवीन जिंदल लगातार दो बार 2004 से 2009 और साल 2009 से 2014 तक कुरुक्षेत्र से सांसद रहे। नवीन जिंदल बड़े उद्योगपति हैं और जिंदल स्टील एंड पावर के प्रमोटर भी हैं। हाल में इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली कंपनियों की लिस्ट में जिंदल ग्रुप की कई कंपनियों के नाम शामिल हैं। आइए जानते हैं कि जिंदल ग्रुप ने कुल कितना चंदा दिया और किस पार्टी के खाते में कितनी रकम आई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एसबीआई द्वारा चुनाव आयोग के दिए गए आंकड़ों के मुताबिक जिंदल ग्रुप की कई कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा दिया था। इनमें

जिंदल साउ लिमिटेड, जिंदल स्टेनलेस और जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड शामिल हैं। कोल ब्लॉक आवंटन मामले में ईडी ने अप्रैल, 2022 में जिंदल स्टील एंड पावर और इसके प्रमोटर नवीन जिंदल की ठिकानों पर छापेमारी की थी।

इसके बाद कंपनी ने अक्टूबर 2022 में पहला इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा था। कंपनी ने कुल 123 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। इनमें से 100 करोड़ रुपये ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजेडी को दिए गए, 20 करोड़ कांग्रेस को और तीन करोड़ रुपये बीजेपी को दिए गए। इसी तरह जिंदल स्टेनलेस ने 30 करोड़ रुपये का चंदा दिया था। जिंदल ग्रुप की दूसरी कंपनियों ने अप्रैल 2019 से बीजेपी को कुल 72.5 करोड़ रुपये का चंदा दिया।

नवीन जिंदल का परिवार

नवीन जिंदल का जन्म 9 मार्च 1970 को हुआ था। वह जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के चेयरमैन होने के साथ-साथ फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट भी हैं। जेएसडब्लू ग्रुप के चेयरमैन नवीन के बड़े भाई सज्जन जिंदल हैं। उनकी मां सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 29.4 अरब डॉलर हैं। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में वह 56वें नंबर पर हैं। वह ओपी जिंदल ग्रुप को कंट्रोल करती हैं जिसकी स्थापना उनके पति ओम प्रकाश जिंदल ने की थी। इस ग्रुप का कारोबार माइनिंग, पावर जेनरेशन, इंडस्ट्रियल गैसेज और पोर्ट तक फैला है। जिंदल परिवार के पास दिल्ली में एक महंगा बंगला भी है जिसकी कीमत 150 करोड़ रुपये बताई जाती है। यह परिवार देश के सबसे अमीर परिवारों में आता है।

एसआरएम कॉन्ट्रैक्टर्स का आईपीओ आज ओपन होगा:28 मार्च तक कर सकेंगे अप्लाय

लिस्टिंग पर 32% से ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स कंपनी एसआरएम कॉन्ट्रैक्टर्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए कल ओपन होगा। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 28 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। 3 अप्रैल को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी 130.20 करोड़ जुटाना चाहती है। यह पूरी तरह से फ्रेश इश्यू होगा, जिसके लिए कंपनी 6,200,000 नए शेयर इश्यू करेगी।

इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 70 शेयर के लिए अप्लाई करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 200-210 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 210 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,700 लगाने होंगे। रिटेल

निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 910 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 191,100 इन्वेस्ट करने होंगे।

इन्वेस्ट करने पर मिल सकता है 32.38% रिटर्न

आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 32.38% यानी 68 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 210 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 278 पर हो सकती है।

2008 में स्थापित हुई थी एसआरएम कॉन्ट्रैक्टर्स

2008 में स्थापित हुए एसआरएम कॉन्ट्रैक्टर्स लिमिटेड कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स कंपनी है, जो मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सड़क, पुल सुरंग सहित अन्य डेवलपमेंट के काम करती है।

आपके कैंसल टिकट से रोज कितना कमाता है रेलवे, रकम जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। क्या आप जानते हैं रेलवे आपके कैंसल टिकट से रोज कितनी कमाई करता है? जी हां, जितना आप सोच रहे हैं वो रकम उससे कहीं ज्यादा है. एक आरटीआई के जवाब के अनुसार रेलवे को रोज एक करोड़ रुपए से ज्यादा इनकम सिर्फ कैंसल करने वाले टिकट से होती है. खास बात तो ये है कि जनवरी के महीने में ही रेलवे ने कैंसल टिकटों से 40 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रेलवे को बीते त साल में कैंसल होने वाले टिकटों से कितनी कमाई हुई है. आरटीआई के जवाब के अनुसार, भारतीय रेलवे ने 3 साल की अवधि के भीतर कैंसल किए गए टिकटों से 1,230 करोड़ रुपए की कमाई की है. यह कमाई साल 2021, 2022 और 2023 के दौरान की गई. भारतीय रेलवे ने जनवरी 2024 में केवल एक महीने में कुल 45.86 लाख कैंसल किए गए टिकटों से 43 करोड़ रुपए कमाए. ये तमाम कमाई उन कैंसल टिकटों से हुई जो पहले वेटिंग लिस्ट में थी. इसका मतलब है कि वेटिंग लिस्ट वाले ट्रेन टिकटों को कैंसल करना भी भारतीय रेलवे के खजाने में एक अहम योगदान देता है.

कैंसल टिकटों से किस साल बढ़ी कितनी कमाई

2021 में भारतीय रेलवे ने कुल 2.53 करोड़ कैंसल वेटिंग लिस्ट टिकटों से 242.68 करोड़ रुपए कमाए. 2022 में भारतीय रेलवे ने कुल 4.6 करोड़ कैंसल वेटिंग लिस्ट टिकटों से 439.16 करोड़ रुपए कमाए. 2023 में, भारतीय रेलवे ने कुल 5.26 करोड़ कैंसल वेटिंग लिस्ट टिकटों से 505 करोड़ रुपए कमाए.

दिवाली पर हुई जबरदस्त कमाई

अगर बात दिवाली की करें तो रेलवे को 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई हुई थी वो भी सिर्फ एक हफ्ते में. आंकड़ों के अनुसार दिवाली 2023 के मौके पर 5 नवंबर से 12 नवंबर 96.18 लाख टिकटों को कैंसल किया गया था. जिसकी वजह से रेलवे को 10.37 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी.

किस तरह से लगता है चार्ज

भारतीय रेलवे आरएसी टिकट कैंसल करने पर ट्रेन टिकट के किराए से एक फिक्स्ड अमाउंट काटता है. आरएसी का मतलब रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन होता है. भारतीय रेलवे फिजिकल काउंटर्स से और आईआरसीटीसी वेबसाइट से ऑनलाइन टिकट बेचता है. कैंसिलेशन फीस बुकिंग मोड के आधार पर भिन्न होती है. भारतीय रेलवे अपने फिजिकल काउंटर्स से खरीदे गए टिकटों को कैंसल करने पर प्रति टिकट 60 रुपए का फिक्स्ड चार्ज वसूला जाता है. वहीं दूसरी ओर ऑनलाइन बुक किए गए टिकटों को शेड्यूल्ड डिपार्चर टाइम से 48 घंटे पहले कैंसल किए जाता है. उनमें अलग से चार्ज वसूला जाता है. नीचे दिए गए टेबल में आप साफ देख सकते हैं.

31 मार्च से पहले कर लें ये काम, वर्ना हो सकता है बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष 2023-24 समाप्ति की ओर है। 31 मार्च 2024 न सिर्फ वित्त वर्ष 2023-24 के खत्म होने का आखिरी दिन है, बल्कि यह तारीख निवेश, टैक्स फाइलिंग, टैक्स सेविंग जैसे सभी पर्सनल फाइनेंस से जुड़े कामों की डेडलाइन भी है। जिसमें फास्टैग केवाईसी, टैक्स कटौती के लिए टीडीएस फाइलिंग सर्टिफिकेट, टैक्स सेविंग, आईटीआर जैसे काम शामिल हैं। चालू वित्त वर्ष का आखिरी महीना चल रहा है। इस महीने फाइनेंस से जुड़े कई काम हैं जिनकी समय सीमा नजदीक आ रही है। किसी भी तरह की परेशानी या नुकसान से बचने के लिए इन जरूरी कामों को 31 मार्च 2024 से पहले पूरा करना काफी जरूरी है।

अपडेटिड आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन

वित्त वर्ष 2021 (असेसटमेंट ईयर 2021-22) के लिए अपडेटिड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2024 है। इस डेडलाइन

का यूज वह टैक्सपेयर्स कर सकते हैं जिन्होंने पहले वित्त वर्ष 2020-21 (असेसटमेंट ईयर 2021-22) के लिए अपना रिटर्न फाइल नहीं किया था या या अनजाने में अपनी किसी भी आय की रिपोर्ट करने से चूक गए या पहले आवेदन करते समय गलत इनकम डिटेल दी थी। इसके अतिरिक्त, टैक्सपेयर्स को कुछ नियमों के अधीन, असेसमेंट ईयर के अंत से 24 महीने यानी 2 साल के भीतर अपडेटिड रिटर्न दाखिल करने की सुविधा है। ऐसे में जिन टैक्सपेयर्स ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए आवेदन नहीं किया है उनके पास अभी भी 31 मार्च 2024 तक आवेदन करने का मौका है।

टैक्स सेविंग स्कीम की डेडलाइन

अगर आपने पुरानी टैक्स व्यवस्था का विकल्प चुना है और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए टैक्स छूट का लाभ लेने के लिए किसी योजना में निवेश करना चाहते हैं तो विकल्प चुनने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 है। इस तारीख से पहले निवेश कर आप टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। आयकर की धारा 80सी के तहत पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), इक्विटी-लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) और टर्म डिपॉजिट (एफडी) जैसी विभिन्न टैक्स बचत योजनाएं उपलब्ध हैं।इसके अलावा, हेल्थ इंश्योरेंस बीमा प्रीमियम, एजुकेशन लोन और होम लोन जैसे खर्च भी कुछ अन्य विकल्प हैं जो आपको आपकी आय पर कर कटौती का लाभ दे सकते हैं और आपकी कर देनदारी को कम कर सकते हैं। इसके अलावा, पुराने टैक्स रिजीम को चुनने वाले टैक्सपेयर्स इनकम टैक्स की धारा 80डी 80जी और 80सीसीडी(1बी) के तहत अतिरिक्त लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए आप अपने वित्तीय सलाहकार से मदद ले सकते हैं।

चुटकियों में पता करें कहां जल्दी डबल होगा पैसा, रोज-रोज नहीं पड़ेगी दिन गिनने की जरूरत, जोखिम भी एकदम जीरो

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। बाजार में निवेश के तमाम विकल्प होते हैं, जिसमें आप पैसे लगा सकते हैं. वैसे तो रिटर्न सभी तरह के निवेश पर मिलता है, लेकिन ऐसा कौन सा विकल्प है जो आपके पैसे को जल्दी से दोगुना करेगा. आज हम आपको कुछ ऐसे ही विकल्पों के बारे में बताएंगे जिसमें आपका पैसा सुरक्षित होने के साथ-साथ अच्छा खासा रिटर्न भी मिलता है. अगर आपको भी अपने निवेश पर रिटर्न की गणना करनी है और यह पता करना हो किस तरह के विकल्प में पैसा जल्दी दोगुना होता है. इसके लिए आप अपने निवेश पर रूल ऑफ 72 फॉर्म्यूला लगाना होगा. इसके लिए जो भी आपको ब्याज मिलता है, उससे 72 को भाग देने पर जो भी रिजल्ट आएगा, वही आपका पैसा दोगुना करने का समय होगा. किस विकल्प में कितना समय लगेगा, हम पूरी गणना बताते हैं. **बैंक एफडीः** अभी बैंक एफडी की ब्याज दरें बढ़ी हैं और कई बैंक 8 फीसदी तक ब्याज देते हैं. इस ब्याज से देखें तो 9 साल में आपका पैसा दोगुना हो जाएगा.**पीपीएफः** पीपीएफ में सालाना 7.1 फीसदी दर से ब्याज मिल रहा है. इसमें आपके पैसे दोगुना होने में 10.14 साल लगेंगे. **सुकन्या समृद्धि योजनाः** इस योजना में जनवरी से ब्याज बढ़कर 8.2 फीसदी हो गया है. अगर इस ब्याज से 72 को भाग देते हैं तो 8.7 साल में आपका पैसा दोगुना हो जाएगा. **किसान विकास पत्र :** इस सरकारी योजना में 7.5 फीसदी का ब्याज मिल रहा है. अगर इस ब्याज से आप 72 को भाग देते हैं तो 9.6 आता है यानी आपका पैसा 9.6 साल में दोगुना हो जाएगा. **एनएससीः** नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में अभी 7.7 फीसदी का ब्याज मिल है. इस ब्याज दर के हिसाब से आपका पैसा 9.3 साल में दोगुना हो जाएगा. **एनपीएस :** नेशनल पेंशन सिस्टम में औसतन 10 से 11 फीसदी का ब्याज मिलता है. अगर आप 10.5 फीसदी का भी औसतन ब्याज देखें तो आपका पैसा 6.8 साल में दोगुना हो जाएगा.

पेटीएम के बाद अब 1 अप्रैल से बंद हो जाएगा ये वॉलेट भी क्या आप जानते हैं इसकी वजह?

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। कुछ ही दिन पहले देश के करोड़ों ग्राहकों को पेटीएम वॉलेट के बंद होने की समस्या का सामना करना पड़ा, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सविसेस को बैन कर दिया. हालांकि पेटीएम अब भी चालू है. अब एक अप्रैल से एक और पेमेंट वॉलेट बंद होने जा रहा है. क्या आपको उसकी वजह पता है?ओला मनी ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल से वह स्मॉल प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट के तौर पर काम करेगी. इसका मतलब ये हुआ कि उसके सभी कस्टमर्स को नए सिरे से केवाईसी कराई होगी, वहीं ओला मनी वालेट सर्विस की लिमिट भी कम हो जाएगी.ओला मनी की नई पॉलिसी के मुताबिक स्मॉल पीपीआई के तौर पर उसके ग्राहक हर महीने सिर्फ 10,000 रुपए ही अधिकतम लोड कर सकेंगे. अगर उसके ग्राहक इस सर्विस को चालू रखना चाहते हैं तो उन्हें फुल केवाईसी से खुद को स्मॉल पीपीआई पर रजिस्टर करना होगा.अगर ग्राहक अपने वॉलेट को बंद करना चाहते हैं, तो उन्हें उसका भी ऑप्शन मिलेगा. इसके लिए वह बिना किसी बैंक ट्रांसफर फीस के अपने वॉलेट के पैसे को विड्रॉल कर सकते हैं. ग्राहक अगर दोनों में कोई ऑप्शन नहीं चुनते हैं, तो एक अप्रैल के बाद उनका वॉलेट सस्पेंड हो जाएगा.अब जब ओला मनी अपनी वॉलेट सर्विस को चेंज कर रहा है, तो ये जान लेना जरूरी है कि दोनों में क्या फर्क होता है. स्मॉल पीपीआई वॉलेट में आपको जहां 10,000 रुपए हर महीने जमा करने की अनुमति होती है, वहीं फुल केवाईसी वॉलेट से आप 2 लाख रुपए तक के ट्रांजेक्शन कर सकते हैं. इसके अलावा स्मॉल पीपीआई में आप पीयर 2 पीयर ट्रांसफर यानी एक वॉलेट से दूसरे वॉलेट में ट्रांसफर नहीं कर सकते.

बिहार को मिल सकता है गड़ा हुआ खजाना

ओएनजीसी ने शुरू किया ये काम

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। बिहार को जल्दी ही गड़े खजाने का तोहफा मिल सकता है। सरकारी कंपनी ओएनजीसी जल्द ही बिहार में तेल के एक कुएं की खुदाई करने वाली है। यह बिहार में स्थित गंगा घाटी में तेल की खोज के प्रयासों का हिस्सा है।

समस्तीपुर में होगी तेल की तलाश

ईटी की एक रिपोर्ट में ओएनजीसी की डाइरेक्टर सुषमा रावत के हवाले से इसकी जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि ओएनजीसी जिस ब्लॉक में तेल की तलाशी करने जा रही है, वह बिहार के समस्तीपुर जिले में स्थित है। यह पूरा ब्लॉक 300 वर्ग किलोमीटर का है। उसके लिए ओएनजीसी पहले ही 3डी सीस्मिक डेटा हासिल कर चुकी है।

इसी साल होगी पहले कुएं की खुदाई

ओएनजीसी तेल की तलाश के प्रयासों में दो कुओं की खुदाई करने वाली है। पहले कुएं की ड्रिलिंग इसी साल होगी। पहले कुएं की खुदाई पर ओएनजीसी को 30 से 35 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। पहले कुएं की खुदाई से जो डेटा हासिल होगा, उससे कंपनी को दूसरे कुएं की खुदाई में मदद मिलेगी, साथ ही उसे पूरे एक्सप्लोरेशन ब्लॉक के लिए योजना

तैयार करने में मदद मिलेगी।

आधी सदी बाद हो रहा प्रयास

बिहार में इससे पहले तेल के कुओं की तलाश के प्रयास कई दशक पहले हुए थे। करीब आधी सदी पहले अंतिम बार बिहार में तेल के कुएं खोदे गए थे। उसके बाद से अब तक पिछले पांच दशकों में काफी सारे सीस्मिक डेटा निकलकर सामने आए हैं। नए कुएं की ड्रिलिंग से उन डेटा का बेहतर इस्तेमाल करना संभव हो सकेगा।

बलिया में भी होगी खुदाई

ओएनजीसी देश की सबसे बड़ी तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी है। कंपनी बिहार के समस्तीपुर के अलावा उत्तर प्रदेश के बलिया में भी गंगा बेसिन में ही एक अन्य ब्लॉक में कुएं खोदने वाली है। अगर इन प्रयासों में तेल का पता चलता है तो इससे स्थानीय उद्योगों और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम सुरक्षा बीमा योजना के तहत हुआ कितने क्लेम का निपटारा?

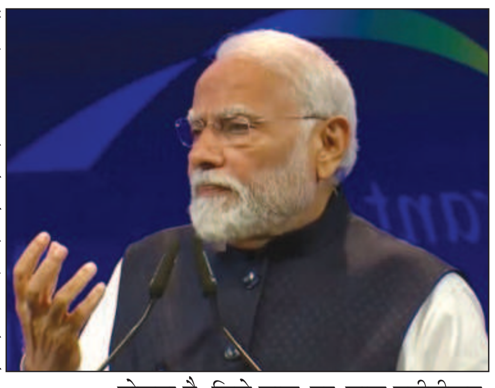

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) से जुड़े आंकड़े सामने आए हैं। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने दावा किया कि 2015 में लॉन्च होने के बाद से इस योजना के तहत तकरीबन 1.73 लाख क्लेम का निपटारा किया गया है, जो 2610 करोड़ रुपये है।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्र ने फरवरी तक पीएमएसबीवाई के तहत 96 प्रतिशत दावों का निपटान कर दिया है। पीएम सुरक्षा बीमा योजना किसी दुर्घटना के कारण मृत्यु या विकलांगता के कारण बीमा कवरेज प्रदान करने वाली योजना है। पीएमएसबीवाई की जुड़ी जानकारी देते हुए अधिकारी ने कहा कि अब तक इस योजना के तहत 43.29 करोड़ लोगों का बीमा किया जा चुका है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 9 मई 2015 को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई थी। जिसका उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग के लोगों के लिए एक किफायती बीमा योजना प्रदान करना है।

पीएमएसबीवाई में क्या खास?

पीएमएसबीवाई एक साल की दुर्घटना बीमा योजना है, जिसे साल-दर-साल नवीनीकृत किया जाता है। जो किसी दुर्घटना के कारण मृत्यु या विकलांगता के लिए कवरेज प्रदान करती है। 18-70 आयु वर्ग के लोग जिनके पास बचत बैंक खाता या डाकघर खाता है, वे योजना के तहत नामांकन के हकदार हैं। पीएमएसबीवाई एक साल की दुर्घटना बीमा योजना है, जो योजना में नामांकन करने वाले लोगों के लिए मृत्यु या विकलांगता कवरेज प्रदान करती है। प्रीमियम प्रति सदस्य 20 रुपये प्रति वर्ष और कवरेज 1 जून से 31 मई तक एक वर्ष के लिए वैध होता है। मृत्यु की स्थिति में बीमा राशि 2 लाख रुपये और विकलांगता की राशि 1 लाख रुपये है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	कन्या	में
मंगल	कुंभ	में
बुध-	मीन	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कुंभ	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
मीन ..	05-41	बजे
मेष--	07-17	बजे
वृष--	09-03	बजे
मिथुन..	11-03	बजे
कर्क...	13-16	बजे
सिंह....	15-27	बजे
कन्या..	17-34	बजे
तुला......	19-40	बजे
वृश्चिक..	21-29	बजे
धनु......	00-03	बजे
मकर....	01-09	बजे
कुंभ.....	04-00	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-18 सूर्यास्त. -18-24
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885124
दिशाशूल -- उत्तरे - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - 14:55 - तक उपरान्त द्वितीया
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , मंगलवार 26 March
नक्षत्र - हस्त- 13 - 33 - तक उपरान्त चित्रा
योग - ध्रुव - 22 - 17 - तक उप व्याघात
करण- कौलव - 14 - 55 - तक उप- तैतिल
विशेषः-
व्रत -त्योहार - कल - सन्त तुकाराम जन्म दि

विशेषः- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:56 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:18 - 07:48	अशुभ	काल.	18:24 - 19:56	अशुभ
उत्पात	07:48 - 09:19	अशुभ	लाभ	19:56 - 21:24	शुभ
चंचल	09:19 - 10:50	शुभ	उत्पात	21:24 - 22:53	अशुभ
लाभ.	10:50 - 12:22	शुभ	शुभ	22:53 - 24:21	शुभ
अमृत	12:22 - 13:53	शुभ	अमृत	24:21 - 01:50	शुभ
काल	13:53 - 15:24	अशुभ	चंचल	01:50 - 03:18	शुभ
शुभ.	15:24 - 16:56	शुभ	रोग	03:18 - 04:47	अशुभ
रोग	16:56 - 18:24	अशु	काल	04:47 - 06:18	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है जो की आज फायदेमंद साबित होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा । इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा । आप अपने काम को नजरअंदाज न करें , हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है । ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है । पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा । आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चों की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे । ज्यादा स्वच्छंद और अनुमानित न हो ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है , लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल सकते है ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

नक्सलियों ने डीआरजी जवान को मारी गोली

अस्पताल में भर्ती; नगर में दहशत का माहौल

बीजापुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। बीजापुर कोतवाली थाना से करीब आधा किलो मीटर दूर अटल आवास से लगे मनकेली गोरना के जंगल में नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने जवान को गोली मार दी।

जवान की पीठ में गोली लगी है। जख्मी हालत में जवान को परिजन जिला अस्पताल लाये, जहां उसका इलाज चल रहा है। जवान की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक डीआरजी में पदस्थ जवान दीपक दुर्गम पुत्र गुरवाइया दुर्गम पर नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम के नक्सलियों ने रविवार रात करीब 8.30 बजे फायरिंग कर दी। इस फायरिंग से जवान को पीठ में गोली लगने से वह जख्मी हो गया।

उसे घायल अवस्था मे परिजन अस्पताल ले गए, जहां जवान का उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि वह खतरे से बाहर है।

पुलिस ने बताया कि बीजापुर नगर के आउटर गंगालूर रोड व गोरना मनकेली के जंगल की तरफ से लगे हुए अटल आवास से लगे जंगल के पास नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने जवान पर फायरिंग की, जिससे जवान घायल हो गया।

फिलहाल जवान की स्थिति सामान्य व खतरे से बाहर हैं। इधर नगर के करीब गोली चलने से लोगों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है।

छत्तीसगढ़ में होली पर जश्न

उड़े गुलाल और रंग; चौक-चौराहों और गली-मोहल्लों में गूंजा 'होली खेले रघुवीरा..'

रायपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में होली का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेशवासी एक दूसरे के गले लगकर पर्व की बधाई और शुभकनाएं दे रहे हैं। एक दूसरे के माथे पर गुलाल लगाकर होली की बधाई दे रहे हैं। बच्चे, बूढ़े और जवान सभी होली के रंग में रंगे हुए हैं। होलिका दहन के बाद सुबह से ही राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के 33 जिलों में होली का जश्न लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

चारों तरफ गुलाल और रंग उड़ रहा है। सभी होली के रंग में रंगरेज हो गये हैं। पूरे प्रदेश में ओज, उमंग और हर्षोल्लास के साथ होली का त्योहार मनाया जा रहा है। सभी होली के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। कोई सतरंगी कलर में, तो कोई रंग-बिरंगी टोपी, तो कोई मुखौटे पहनकर होली की मस्ती में डूबा हुआ है। वहीं कोई बड़े-बड़े बालों वाले मुखौटे के साथ होली के रंग में रंगीन हो रहा है।

गली-मोहल्लों में बज रहे फाग गीत

चारों तरफ गुलाल और रंग उड़ रहे हैं। पूरा वातावरण कलर से नहाया हुआ है। चौक-चौराहों और गली-मोहल्लों में फाग गीत बज रहे हैं। कही छत्तीसगढ़ी फाग गीत 'मुख मूरली बजाय...' तो और कहीं मशहूर बॉलीवुड होली होली सॉन्ग 'होली खेले रघुवीरा अवध में...' जमकर बज रहे हैं। सभी होली के गीत पर खूब डांस कर रहे हैं। एक दूसरे से मौज-मस्ती, मजाक और खुशी के तराने बांट रहे हैं। चारों तरफ खुशनुमा माहौल है।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, हुड़दंगी की तो खैर नहीं

खुशियों का त्योहार होली के रंग में भंग न पड़े इसके लिए छत्तीसगढ़ पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस के जवान मुस्तैद हैं। दो दिन पूर्व से सभी चौक-चौराहों पर जवान मोर्चे पर तैनात हैं। लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से होली मनाने की अपील कर रहे हैं। इसे लेकर पूर्व संध्या पर पुलिस ने फ्लैग मार्च भी निकाला था। हुड़दंगी करने पर सख्ती से निपटने की चेतावनी भी दे रही है। पुलिस चौक-चौराहों पर ज्यादा मस्ती करने वाले युवकों को समझाइश दे रही है।

नेताओं पर चढ़ा चुनावी रंग

इस बार के होली में नेताओं पर चुनावी रंग चढ़ा हुआ है। लोकसभा चुनाव होने से नेता भी पीछे नहीं हट रहे हैं। होली के बहाने जनादेश पाने गली-मोहल्लों में जाकर लोगों से मिल रहे हैं। वार्ड और कस्बों में होली मिलन समारोह का आयोजन कर पर्व की बधाई दे रहे हैं। अपने-अपने पार्टी को वोट देने की अपील कर रहे हैं। नेता भी होली के रंग में डूबे हुये हैं। चुनावी साल में होली पड़ने से नेताओं की खुशियां दोगुनी हो गई है।

पलामू में जमीन विवाद में दो लोगों की चाकू मारकर हत्या

मॉर्निंग वॉक के दौरान घेरकर मारा

रांची, 25 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में रविवार को दो लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। माना जा रहा है कि यह हत्या जमीन विवाद से जुड़े मामले में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना झारखंड की राजधानी रांची से करीब 180 किमी दूर सेमारतंड में हुई।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह हुई, जब दोनों दोस्त मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और चाकू से हमले किए। इस घटना के बाद राजेश कुमार (24) को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।

हालांकि, गंभीर जख्मों के चलते इलाज के दौरान उसकी जान चली गई।

वहीं दूसरा व्यक्ति सुजीत कुमार (26) हमले के दौरान जान बचाकर भाग निकला। लेकिन हमलावरों ने उसका पीछा किया और नवाटोली इलाके में उसकी हत्या कर दी। पुलिस का कहना है कि राजेश के परिवार की सेमारतंड में रहने वाले राम-श्याम नाम के दो लोगों से दुश्मनी थी। यह हत्या की वजह हो सकती है।

मेदिनीनगर संभाग के पुलिस अधिकारी मणि भूषण प्रसाद ने कहा कि मारे गए दोनों लोगों का आपराधिक इतिहास था। उन्होंने बताया कि इन लोगों की हत्या में तीन लोगों का हाथ हो सकता है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया है।

केजरीवाल की पत्नी बन सकती हैं आप का चेहरा

पार्टी के पास कोई पॉपुलर फेस नहीं, एक्सपर्ट बोले- दिल्ली और पंजाब में नुकसान होगा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 7 दिन के लिए ईडी की रिमांड पर है। सवाल ये है कि उनके पीछे आम आदमी पार्टी और दिल्ली की सरकार कैसे चलेगी क्योंकि मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे पार्टी के बड़े नेता भी जेल में हैं।

शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद भी अरविंद केजरीवाल सीएम के पद पर हैं। पार्टी कह रही है कि वे जेल जाते हैं, तो वहीं से सरकार चलाएंगे। हालांकि ये इतना आसान भी नहीं है। फाइलों पर साइन करने से लेकर कैबिनेट मीटिंग तक के लिए उन्हें बार-बार कोर्ट से परमिशन लेनी होगी।

इसके अलावा लोकसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में न सिर्फ दिल्ली की सरकार चलाने की चुनौती है, बल्कि पार्टी को चुनाव की तैयारी भी करनी है। इसका पहला असर 22 मार्च को ही दिख गया। दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की वजह से स्थगित करना पड़ा।

आम आदमी पार्टी के सामने अब तीन सवाल हैं...। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद चुनाव में पार्टी का चेहरा कौन होगा? क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी से पार्टी को भावनात्मक तौर पर फायदा मिलेगा? भ्रष्टाचार के आरोपों से पार्टी कैसे बाहर निकलेगी और क्या इसका नुकसान हो सकता है?

अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के सबसे पॉपुलर फेस हैं। पार्टी उन्हीं के नाम पर चुनाव लड़ती है, उन्हीं के नाम पर वोट मांगती है। पार्टी में सेकेंड लाइन में आम लोगों से जुड़ा कोई बड़ा नेता नहीं है, जिसे सामने किया जा सके। पार्टी को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी का अंदेशा भी नहीं था।

पार्टी के एक नेता पहचान छिपाने की शर्त पर बताते हैं कि चुनाव में नाम तो अरविंद केजरीवाल का ही रहेगा। अगर उन्हें जमानत नहीं मिलती है, तो सुनीता केजरीवाल पार्टी के लिए प्रचार कर सकती हैं।

पति की गिरफ्तारी के बाद सुनीता केजरीवाल एक्टिव भी दिख रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट की थी। इसमें लिखा कि आपके तीन बार चुने हुए मुख्यमंत्री को मोदी जी ने सत्ता के अहंकार में गिरफ्तार करवाया। ये दिल्ली के लोगों के साथ धोखा है। आपके मुख्यमंत्री हमेशा आपके साथ खड़े रहे हैं। अंदर रहें या बाहर, उनका जीवन देश को समर्पित है।

X पर सुनीता केजरीवाल की ये पोस्ट करीब एक साल बाद आई है। बीते एक साल में उन्होंने सिर्फ पार्टी और दूसरे नेताओं की पोस्ट को ही री-पोस्ट किया है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पोस्ट कर पीएम मोदी के खिलाफ बात कही। सोशल मीडिया पर भी इसके बाद चर्चा होने लगी कि सुनीता केजरीवाल पार्टी का चेहरा बन सकती हैं। अगले दिन 23 मार्च को उन्होंने कैमरे पर आकर अरविंद केजरीवाल का मैसेज पढ़कर सुनाया। वीडियो में वे उसी जगह बैठी दिख रही हैं, जहां से अरविंद केजरीवाल लोगों को मैसेज देते हैं।

रशीद किदवई आगे कहते हैं, 'राज्य का सीएम किसी भी वजह से गिरफ्तार होता है तो उसका इमोशनल फायदा जरूर मिलता है। देखा गया है कि जनाधार वाले नेता की गिरफ्तारी के बाद उसकी छवि धूमिल होने के बजाय पब्लिक में अलग मैसेज जाता है।'

'जयललिता इसका उदाहरण हैं। उन्हें अरेस्ट किया गया तो उनके साथ पब्लिक सेंटीमेंट्स बढ़ गया था। सुखराम टेलिकॉम घोटाले में आरोपी थे, लेकिन मंडी से बड़े अंतर से चुनाव जीते थे। मुझे लगता है कि आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर इमोशनल अपील करती है और इसे लोगों को समझा पाती है तो लोकसभा चुनाव में फायदा मिल सकता है।'

कांग्रेस डूबती नैया' : सीएम साय बोले- कवासी लखमा को बनाया बलि का बकरा

प्रदेशवासियों को दी होली शुभकामनाएं

जशपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। विधायक भगत के फार्म हाउस में आयोजित होली मिलन समारोह में कार्यकर्ताओं ने रंग गुलाल लगाकर सीएम साय का स्वागत किया। जशपुर में सीएम विष्णुदेव साय ने बयान देते हुए कहा कि होली पर छोटी-मोटी दुश्मनी को छोड़कर नए जीवन की शुरुआत करें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दो दिवसीय जशपुर दौरे पर हैं। जशपुर पंहुचकर उन्होंने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी हैं। जशपुर विधायक रायमुनि भगत ने सीएम साय का टिकैत गंज में स्वागत किया। यहां होली मिलन समारोह में जिले के सभी कार्यकर्ता शामिल हुए।

विधायक भगत के फार्म हाउस में आयोजित होली मिलन समारोह में कार्यकर्ताओं ने रंग गुलाल लगाकर सीएम साय का स्वागत किया।

जशपुर में सीएम विष्णुदेव साय ने बयान देते हुए कहा कि होली पर छोटी-मोटी दुश्मनी को छोड़कर नए जीवन की शुरुआत करें। कॉंग्रेस डूबती हुई नैया है और उसमें छेद हो गया है, पानी भर रहा है।

कांग्रेस के टिकट से चुनाव नहीं लड़ना चाह रहे लोग, कई जगहों पर कॉंग्रेस की टिकट वापिस कर रहे हैं, कवासी लखमा को बली का बकरा बनाया हैं। सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सभी सीटें भाजपा को जिताकर देंगे।

मोबाइल में ब्लास्ट, 4 बच्चों की जलकर मौत

मां-पिता की हालत गंभीर; मेरठ में फोम के गद्दे पिघलकर बच्चों के शरीर से चिपके, फिर जलने लगे

मेरठ, 24 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ में मोबाइल में ब्लास्ट होने से एक घर में आग लग गई। हादसे में 6 लोग बुरी तरह से झुलस गए। 4 बच्चों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं, उनके मां-पिता की हालत गंभीर है। घटना पल्लवपुरम थाना क्षेत्र के जनता कॉलोनी की है।

पहले चार्जर में शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली वायरिंग में आग लगी। इसके बाद गद्दे पर रखे दोनों मोबाइल में एक-एक करके धमाका हुआ। चारों बच्चे उसी गद्दे पर सोए हुए थे। धमाके के बाद सभी बच्चे आग में फंस गए। बच्चों को बचाने आए माता-पिता भी बुरी तरह से झुलस गए। आग इतनी तेज फैली की कोई बाहर नहीं निकल सका।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों में कल्लू (5 साल), गोलू (7 साल), निहारिका (9 साल) और सारिका (12 साल) हैं। जबकि इनके पिता जॉनी मेरठ मेडिकल कॉलेज में और मां बबिता दिल्ली एम्स में वेंटिलेटर पर हैं।

बेटी निहारिका और बेटे गोलू की रात 2 बजे मौत हुई। बड़ी बहन सारिका की सुबह 4 बजे और सुबह 10 बजे सबसे छोटे बेटे कल्लू ने भी दम तोड़ दिया। सभी का मेडिकल अस्पताल में इलाज चल रहा था।

मुजफ्फरनगर के सिखेड़ा गांव का रहने वाला जॉनी अपनी पत्नी बबीता और चारों बच्चों के साथ मेरठ की जनता कॉलोनी में पप्पू के मकान में किराए पर रहता है। जॉनी दिहाड़ी मजदूर है। होली के चलते जॉनी शनिवार को घर पर ही था।

शाम को जॉनी, बबीता रसोई में होली के पकवान बना रहे थे। चारों बच्चे कमरे में बेड पर सो रहे थे। बेड का गद्दा फोम का था। चार्जिंग पर लगे दोनों मोबाइल गद्दे पर ही रखे थे। इसी दौरान शाम करीब 6:30 बजे चार्जर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इसके बाद बिजली वायरिंग में भी आग लग गई। कमरे की वायरिंग से आग पर्दे तक पहुंच गई।

आग धीरे-धीरे फोम के गद्दे तक पहुंच चुकी थी। गद्दे का काफी हिस्सा पिघल भी चुका था। हालांकि बच्चे इस समय तक आग से बेखबर थे। तभी चार्जिंग पर लगे दोनों मोबाइल एक के बाद एक करके ब्लास्ट हो गए। इसके बाद आग एकदम से भड़क गई और पिघले फोम बच्चों के शरीर पर चिपक गए। कमरे की दीवारों पर भी फोम के टुकड़े चिपक गए और हर जगह आग लग गई।

नींद से जागे बच्चे कुछ समझ ही नहीं पाए। उनके शरीर पर फोम चिपके हुए थे और वह बुरी तरह से झुलस रहे थे। कुछ ही देर में कमरे में चींख-पुकार मच गई। ब्लास्ट की आवाज सुनकर माता-पिता भी वहां आए। बच्चों की बचाने की कोशिश में वह भी कमरे में घिर गए। आग की लपटों में किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

कर्नाटक सरकार की सुप्रीम कोर्ट में याचिका

कहा- हमारी पानी की किल्लत दूर करने के लिए केंद्र को फंड रिलीज करने का निर्देश दें

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि पानी की कमी से जूझ रहे राज्य को केंद्र सरकार से फंड नहीं मिल रहा है। केंद्र से नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड रिलीज करवाने के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है।

सिद्धारमैया ने कहा कि हम पिछले 5 महीने से फंड का इंतजार कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारी पानी की किल्लत दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट केंद्र को फंड रिलीज करने का निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट में होली के चलते एक हफ्ते की छुट्टी है। हमारी याचिका पर अब अगले हफ्ते ही सुनवाई होगी।

हमने राज्य के 236 तालुकों में से 223 तालुकों में सूखा घोषित किया था। हमने इसका चार बार इवेल्यूएशन भी किया। 48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि फसलें बर्बाद हो गईं। हमने केंद्र को फंड के लिए तीन बार ज्ञापन भेजे, लेकिन हमें अब तक एक पैसा भी नहीं मिला।

हम अपने राज्य के ट्रेजरी से 650 करोड़ रुपए सूखे के लिए रिलीज कर चुके हैं। इससे 33.44 लाख किसानों को 2-2 हजार रुपए पहुंचाए गए हैं। हमें और फंड की जरूरत है, इसलिए केंद्र से मांग कर रहे हैं।

सिद्धारमैया ने कहा- पिछले साल अक्टूबर में एक केंद्र सरकार की एक टीम ने राज्य में आकर निरीक्षण किया था। उन्होंने केंद्र को सूखे को लेकर एक रिपोर्ट भी सौंपी। इसके एक महीने के अंदर ही केंद्र को राज्य के लिए फंड रिलीज करने का आदेश देना था।

केंद्र ने जब हमारी मांग नहीं मानी तो मैं और रेवेन्यू मिनिस्टर कृष्णबायरे गौड़ा दिल्ली गए थे, लेकिन हमसे किसी केंद्रीय मंत्री ने मुलाकात नहीं की। इसके बाद 20 दिसंबर को मैं और कृष्णाबायरे गौड़ा फिर दिल्ली गए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। हमने उनसे फंड रिलीज करने की रिक्वेस्ट की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

कर्नाटक सरकार की याचिका में कहा गया है कि खरीफ सीजन 2023 के लिए राज्य में 48 लाख हेक्टेयर की जमीन पर लगी फसले खराब हुई हैं। इसके मुताबिक, 35,162 करोड़ का नुकसान हुआ है। कर्नाटक सरकार ने 18,171.44 करोड़ रुपये की एनडीआरएफ के तहत केंद्र सरकार से फंड की मांग की है।

याचिका में कहा गया है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के मुताबिक, केंद्र सरकार राज्य सरकारों को आपदा के समय फंड एलोकेट करने के लिए बाध्य है।

कर्नाटक में 196 तालुकों में जल संकट गंभीर

देश के आईटी हब बेंगलुरु के 40% बोरवेल सूख चुके हैं। ग्राउंड वाटर 1800 फीट से नीचे चला गया है। पानी के टैंकर्स के दाम दोगुने हो गए हैं, वो भी बड़ी मिन्नतों के बाद मिल पा रहे हैं। कर्नाटक सरकार ने 240 तालुकों में से 223 को सूखा घोषित किया है। इनमें से 196 को गंभीर रूप से सूखा प्रभावित बताया गया है।

राज्य के जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने बताया कि हालात पर कंट्रोल करने के लिए पानी की आपूर्ति टैंकरों से की जा रही है। प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि पानी की बर्बादी न हो। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका और बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड इस संबंध में सभी प्रयास कर रहे हैं।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम शिवकुमार ने 11 मार्च को कहा था कि राज्य ने पिछले तीन-चार दशकों में इतना गंभीर सूखा नहीं देखा है, और अगले दो महीने बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हालात उतने भी खराब नहीं हैं, जितने विपक्ष दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होगा।

महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक राजू पारवे शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल

मुंबई, 25 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कांग्रेस विधायक राजू देवनाथ पारवे रविवार को शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल हो गए।

उन्होंने सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस और अजित पवार की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली।

राजू पारवे ने आज सुबह ही कांग्रेस पार्टी छोड़ी थी। पारवे शिवसेना (महायुती) की तरफ से रामटेक लोकसभा चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। वे नागपुर के उमरेड विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक थे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सिंगापुर समकक्ष बालाकृष्णन से की मुलाकात, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों सिंगापुर के दौरे पर हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान जयशंकर ने सोमवार को सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन और दो अन्य वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात की। जानकारी के अनुसार, मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बढ़ाने के उपायों और हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई।

अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर जयशंकर शनिवार को सिंगापुर पहुंचे थे। उन्होंने रविवार को प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित किया और शनिवार को निवेशकों से मुलाकात की।

राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे हुए

बालाकृष्णन के अलावा जयशंकर ने व्यापार और उद्योग मंत्री गन किम योंग और वरिष्ठ मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी समन्वय मंत्री टीओ ची हेन के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। जयशंकर ने एक एक्स पोस्ट में बताया, 'सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मिलकर अगली आईएसएमआर'बैठक की तैयारियों के बारे में बात की। हमारे राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने पर भी चर्चा की। हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।'

दो अन्य वरिष्ठ मंत्रि से भी मुलाकात

व्यापार और उद्योग मंत्री गन किम योंग से मुलाकात के बाद जयशंकर ने 'जानकारी दी कि व्यापार, अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा, आपूर्ति श्रृंखला और रक्षा पर चर्चा की। उन्होंने लिखा, 'आशा है कि भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय बैठक में इन्हें आगे बढ़ाया जाएगा।'

इसके बाद उनकी मुलाकात टीओ ची हेन से हुई। इस मुलकात को लेकर जयशंकर ने कहा, 'भारत में व्यापक बदलावों और हमारी साझेदारी के लिए उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों पर चर्चा की गई।'

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं दीं। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा, 'प्रधानमंत्री ली सीन लूंग से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' बता दें कि विदेश मंत्री का फिलीपीन और मलयेशिया की यात्रा करने का भी कार्यक्रम है।

चीन की छह दिवसीय यात्रा पर पहुंचे श्रीलंका के पीएम, राष्ट्रपति जिनपिंग से करेंगे मुलाकात

बीजिंग , 25 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्धने अपनी छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को चीन पहुंचे। इस दौरान वह द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने को लेकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ बातचीत करेंगे।

चीन की मीडिया के मुताबिक, गुणावर्धने के आगमन पर चीन के उप विदेश मंत्री एवं भारत में पूर्व राजदूत सन वेइदॉन्ग ने उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि भारत की सुरक्षा चिंताओं के कारण कोलंबो द्वारा हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी अनुसंधान जहाजों को बार-बार यात्रा पर रोक लगाए जाने के बाद किसी श्रीलंकाई नेता की बीजिंग की यह पहली यात्रा है।

उस समय कोलंबो के इस कदम पर चीन ने नाराजगी जाहिर की थी। हालांकि, श्रीलंका ने इसी महीने की शुरुआत में कहा कि वह ऐसे जहाजों पर एक साल के प्रतिबंध के बावजूद अपने बंदरगाहों पर ईंधन भरने की अनुमति देगा।

जापान की उत्तर कोरिया से विवाद सुलझाने की कोशिश, बिना शर्त बातचीत के लिए भेजा न्योता

प्योंगयांग , 25 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया की बड़ी महाशक्तियों का ध्यान उत्तर कोरिया की तरफ केंद्रित हो रहा है। हाल ही में रुस और उत्तर कोरिया के रिश्तों में जिस तरह से मजबूती आई है, उसे पूरी दुनिया ने देखा। अब जापान भी उत्तर कोरिया की तरफ अपना ध्यानाकर्षित कर रहा है। जापान ने कहा है कि वो बिना किसी शर्त के उत्तर कोरिया से बातचीत करना चाहता है।

जापान के प्रधानमंत्री का बयान

जापान के पीएम फुमियो किशिदा ने कहा है कि वह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ बिना किसी शर्त बातचीत करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वो व्यक्तिगत रूप से किम जोंग द्वारा शिखर सम्मेलन को साकार करने के प्रयासों की निगरानी कर रहे हैं।

किम जोंग ने क्या कहा?

उत्तर कोरिया के शक्तिशाली नेता की बहन किम यो जोंग ने सोमवार को बताया कि जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा ने किम जोंग से मुलाकात की इच्छा जताई है। जापान चाहता है कि उत्तर कोरिया के साथ बिना किसी शर्त के बातचीत की जाए। किम यो जोंग ने एक मीडिया चैनल से इस बारे में अवगत कराया। इस बीच किम जोंग ने कहा है कि उत्तर कोरिया और जापान के बीच द्विपक्षीय संबंधों में जापान का व्यावहारिक और राजनीतिक निर्णय बहुत बड़ी भूमिका अदा करेगा।

कैसे होगी जापान-उत्तर कोरिया की मुलाकात?

एक रिपोर्ट में किम के हवाले से लिखा गया गया है कि जापान के प्रधानमंत्री सिर्फ इसलिए मुलाकात करना चाहते हैं क्योंकि उन्होंने मुलाकात का फैसला किया है। इसका यह मतलब नहीं है कि किम जोंग उनसे मुलाकात करेंगे। किम जोंग ने भी कहा है कि जापान डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया का विरोध करता है और उसके संप्रभु अधिकारों का उल्लंघन करता है। ऐसे में उसे हमारा दुश्मन माना जाता है।

एर्दोगन बोले- नेतन्याहू को अल्लाह के पास भेजो : इजराइल का जवाब- कोई भगवान हमास के दोस्तों की नहीं सुनेगा

तुर्की, 25 मार्च (एजेंसियां)। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दिए बयान के बाद इजराइल ने तुर्किये से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। एर्दोगन ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नेतन्याहू को अल्लाह के पास भेजने की बात कही थी। इजराइल ने नेतन्याहू के बयान पर पलटवार किया है। विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने तुर्किये के राजदूत को रिमांड के लिए तलब किया। काट्ज ने एर्दोगन को मैसेज भिजवाया है। इसमें लिखा है- तुम बच्चों को जलाने, हमास के हत्यारों और रेपिस्टों का समर्थन करते हो। आपको भगवान के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं।

'चुप रहिए और आपको शर्म आनी चाहिए'

इजराइल के विदेश मंत्री के मैसेज में लिखा है कि कोई भगवान क्रूर हमास के दोस्तों की नहीं सुनेगा। वो हमास जो इंसानियत के खिलाफ जुर्म करता है। इसलिए चुप रहो और शर्म करो। दूसरी तरफ, अमेरिका ने कहा है कि अगर इजराइल ने गाजा के राफा में ऑपरेशन चलाया तो लाखों लोगों के पास जाने को जगह नहीं होगी। अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा- मैनें मैप देखा है। इन लोगों को यहां आने के लिए कहा गया था, अब इनके पास राफाह से आगे जाने की कोई जगह नहीं है। इजराइल का राफाह में कार्रवाई करना बड़ी गलती होगी। इस बीच इजराइल के डिफेंस मिनिस्टर योआव गैलांट अमेरिका जा रहे हैं।

नेतन्याहू वॉर क्रिमिनल

ये पहली बार नहीं है जब एर्दोगन ने नेतन्याहू को लेकर इस तरह के बयान दिए हों। इससे पहले एर्दोगन ने नेतन्याहू की तुलना तानाशाह स्टालिन, हिटलर और मुसोलिनी से की थी। एर्दोगन ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को वॉर क्रिमिनल (युद्ध अपराधी) बताया था। एर्दोगन ने कहा था- इजराइल और हमास की जंग खत्म होने के बाद नेतन्याहू पर वॉर क्राइम्स के लिए केस चलना चाहिए।

उन्होंने यूगोस्लाविया के पूर्व राष्ट्रपति मिलोसेविक की मिसाल देते हुए कहा था- जिस तरह मिलोसेविक पर युद्ध अपराध का केस चलाया गया था। वही सलूक नेतन्याहू के साथ भी होना चाहिए।

एर्दोगन ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल के सदस्य देशों पर भी तंज कसा था। कहा था- ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, रूस और अमेरिका दोहरा रवैया अपना रहे हैं। अब बहुत जरूरी हो गया कि सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार किए जाएं। फिलहाल, सिक्योरिटी काउंसिल का जो स्ट्रक्चर है, उसमें वो कभी किसी जगह अमन नहीं ला सकता और ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं।

नवंबर में NATO देशों के अहम सदस्य तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इजराइल पर हमला करने वाले फिलिस्तीनी संगठन हमास का बचाव किया था। एर्दोगन ने पार्टी सांसदों से मुलाकात के दौरान कहा था- मैं इजराइल नहीं जाऊंगा। हमास आतंकी संगठन नहीं है। इसके मेंबर्स आजादी की जंग में हिस्सा लेने वाले मुजाहिदीन हैं। ये अपनी जमीन और नागरिकों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। हम आम नागरिकों पर हमलों के खिलाफ हैं, भले ही वो इजराइली क्यों न हों।

नीति आयोग की महिला कर्मचारी की ब्रिटेन में मौत : साइकिल से घर लौटते वक्त ट्रक ने कुचला

लंदन, 25 मार्च (एजेंसियां)। नीति आयोग की एक महिला कर्मचारी की लंदन में रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने सोशल मीडिया पर 33 साल की चेसिथा कोचर के निधन की खबर शेयर की। अमिताभ कांत ने लिखा- चेसिथा कोचर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में पीएचडी कर रही थीं। पिछले हफ्ते वह यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने के बाद साइकिल से लंदन स्थित अपने घर लौट रही थीं, उसी दौरान एक ट्रक के कुचलने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कोचर को 19 मार्च को एक गारबेज ट्रक ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना के समय उनके पति प्रशांत उनसे आगे थे और उन्हें बचाने के लिए दौड़े। हालांकि एक्सीडेंट इतनी जोरदार दी थी कि चेसिथा को बचाया नहीं जा सका।

पिछले साल सितंबर में लंदन गईं

चेइस्ता कोचर के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वे 2021 से 23 के बीच नीति आयोग में नेशनल बिहेवीयर इनसाइट यूनिट में बतौर सीनियर एडवाइजर काम कर रही थी। वे गुरुग्राम में रह रही थीं। पिछले साल सितंबर में ही वे लंदन PHD के लिए गई थीं। चेइस्ता ने हायर एजुकेशन दिल्ली यूनिवर्सिटी, अशोक यूनिवर्सिटी के अलावा पेंसिल्वेनिया और शिकागो यूनिवर्सिटी से की थी। इसके अलावा उन्होंने अपनी स्कूलिंग दिल्ली और देश के अन्य आर्मी स्कूल से पूरी की थी।

पिता सेना से रिटायर

चेइस्ता कोचर के पिता लेफ्टिनेंट जनरल एसपी कोचर सेना से रिटायर हैं। वे बेटी का शव लेने लंदन गए हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- मैं फिलहाल लंदन में हूं। अपनी बेटी की अस्थियों को लेने आया हूं। चेइस्ता का जाना परिवार और उसके दोस्तों के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दी होली की शुभकामनाएं, राष्ट्रपति जरदारी ने भी दिया ये संदेश

इस्लामाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। रंगों का त्योहार होली भारत सहित दुनियाभर में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार को रंग-गुलाल के साथ दुनियाभर में हिंदू समुदाय होली मना रहा है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री सहित कई देशों के प्रतिनिधियों ने इस पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। इस बीच पाकिस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने लोगों को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं।

हम बहु-धार्मिक विशेषताओं पर गर्व करते हैंः शरीफ

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संदेश में लोगों से हमारे मतभेदों को ताकत के रूप में मनाने का संकल्प लेकर इस शुभ त्योहार को मनाने का आग्रह किया। शरीफ ने कहा, 'रंगों के त्योहार होली के शुभ अवसर पर मैं हिंदू समुदाय को शुभकामनाएं देता हूं। पाकिस्तानी होने के नाते हम अपने समाज की बहु-जातीय, बहुभाषी, बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक विशेषताओं पर गर्व करते हैं।'

उत्सव शांति, समृद्धि और खुशी लाएः जरदारी

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी इस मौके पर हिंदुओं को बधाई दी। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान का संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। यह एक विविध राष्ट्र के रूप में उसकी स्थिति को दर्शाता है, जहां सभी धर्मों के लोग सौहार्दपूर्वक रहते हैं। उन्होंने रविवार को अपने संदेश में कहा, 'यह उत्सव न केवल हिंदुओं के जीवन में बल्कि सभी लोगों के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशी लाए।' पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी होली का त्योहार मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं।

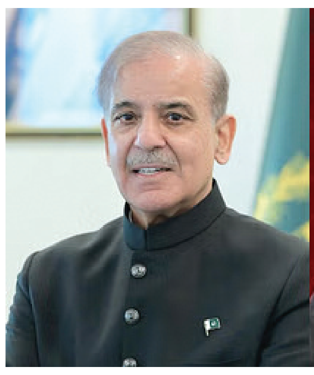

हिंदू परिवारों के लिए एक विशेष होली पैकेज

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने भी होली के अवसर पर हिंदू समुदाय को बधाई दी। इसके साथ ही मरियम ने 700 हिंदू परिवारों के लिए एक विशेष होली पैकेज की घोषणा की। सीएम सचिवालय के अनुसार, हिंदू समुदाय के लिए होली पैकेज के हिस्से के रूप में प्रत्येक को 10,000 रुपये के चेक बांटे जाएंगे।

राष्ट्रपति पुतिन ने मृतकों की याद में जलाई मोमबत्ती आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि

मॉस्को, 25 मार्च (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में आतंकवादी हमले में जान गंवाने वालों को चर्च में मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस हमले में अबतक 130 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। रूसी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा किया, जिसमें पुतिन मोमबत्ती जलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रोकस सिटी हॉल में आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले सभी लोगों को याद किया।'

अब तक 62 शवों की हो चुकी है पहचान

रूसी मीडिया के अनुसार, क्रोकस सिटी हॉल में आतंकवादी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 130 से अधिक हो गई है। रूसी जांच समिति ने एक बयान में कहा, 'मृतकों के शवों की पहचान जारी है। फिलहाल, आतंकी हमले की जगह पर 130 से अधिक लोगों के शव मिले हैं, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। घटनास्थल पर जांच जारी है। अब तक, 62 शवों की पहचान की जा चुकी है। आतंकवादी हमले के दिन कॉन्सर्ट परिसर में मौजूद लोगों को निजी सामान, जैसे कि दस्तावेज और कार आदि जारी करने का काम शुरू हो गया है।

चार लोगों पर आरोप लगाए गए

रूस की स्थिति के बारे में समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि शोक संतप्त देश में राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुका दिया गया है। रूस ने शोक के एक दिन के लिए झंडों को आधा झुका दिया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह बीते दो दशकों में रूस के अंदर सबसे घातक हमला है। मास्को के बाहर एक संगीत कार्यक्रम में 137 लोगों की हत्या के आरोप लगाते हुए चार लोगों पर आरोप लगाए गए हैं।

पुतिन के सख्त तेवर, कहा- हत्याकांड के दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा

बता दें कि इससे पहले क्रॉकस सिटी में हुई इस गोलीबारी के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 मार्च के दिन राष्ट्रीय शोक का एलान किया था। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड के दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पुतिन ने कहा कि जांच के बाद हत्याकांड के दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

बर्बर आतंकी कृत्य के बाद 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक का एलान

मॉस्को की गोलीबारी पर निराशा और दुख का इजहार करते हुए हाल ही में पांचवीं बार राष्ट्रपति चुने गए पुतिन ने देशवासियों से मुखातिब होकर कहा, 'मैं आज आपसे उस खूनी, बर्बर आतंकवादी कृत्य के संबंध में बात कर रहा हूं, जिसमें दर्जनों निर्दोष, शांतिपूर्ण लोग शिकार बने। मैं 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित करता हूं।'

साइमन हैरिस बनने जा रहे आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री, बदल सकती है देश की तस्वीर

डब्लिन, 25 मार्च (एजेंसियां)। आयरलैंड की तस्वीर अब बदल सकती है, क्योंकि यहां लियो वराडकर के इस्तीफे के बाद देश की कमान युवा हाथों में सौंपी जा रही है। भारतीय मूल के साइमन हैरिस प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त होने के लिए अग्रसर हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार हैरिस गवर्निंग फाइन गेल पार्टी के नए नेता के रूप में चुने जाने के बाद अब वह देश के सबसे कम उम्र के पीएम बनने के लिए तैयार हैं।

37 वर्षीय साइमन हैरिस ने कहा कि लियो वराडकर की जगह रविवार को पार्टी नेता नियुक्त किया जाना मेरे जीवन काफी सम्मानजनक पल था। दरअसल, लियो वराडकर ने बुधवार को अप्रत्याशित रूप से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि पार्टी किसी अन्य नेता के तहत बेहतर ढंग से संचालित होगी।

बता दें कि फाइन गेल के गठबंधन सहयोगियों के समर्थन के कारण, हैरिस को आयरलैंड गणराज्य के अब तक के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री के रूप में वोट दिया जाएगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, फाइन गेल के गठबंधन सहयोगियों के समर्थन के कारण देश की संसद या ओरेचटास की अगली बैठक 9 अप्रैल को होगी।

क्या है राजनीतिक अनुभव

साइमन हैरिस पार्टी की युवा शाखा से स्नातक होने के बाद, कम उम्र से ही राजनीति में सक्रिय हैं। अपनी स्नातक की डिग्री पूरी न करने के बावजूद, उन्होंने जल्द ही खुद को एक समर्पित राजनेता के रूप में स्थापित कर लिया। उन्होंने पार्टी के अंदर विभिन्न भूमिकाएं निभाईं।

इसके बाद उनके अनुभव की बात करें तो हैरिस ने 2016 से 2020 के मध्य तक एक महत्वपूर्ण अवधि के दौरान आयरलैंड के स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाली, जहां उन्होंने कोविड-19 महामारी के लिए देश की प्रतिक्रिया के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में आगे और उच्च शिक्षा मंत्री का पद संभालते हुए, इन भूमिकाओं में उनके कार्यकाल ने उनकी नेतृत्व क्षमताओं और नीति विशेषज्ञता को आकार दिया है।

खस्ताहाल पाक के बदले सुर, भारत संग संबंधों को बहाल करने की जताई इच्छा

इस्लामाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। कर्ज के लिए दर-दर ठोकरें खा रहे पाकिस्तान की हेकड़ी ढीली होती दिखाई दे रही है। करीब पांच वर्षों बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापार संबंधों की बहाली की इच्छा जताई है। विदेश मंत्री मुहम्मद इसहाक डार ने कहा, पाकिस्तान गंभीरता के साथ भारत से व्यापार संबंधों को फिर बहाल करने पर विचार कर रहा है। डार का यह बयान पड़ोसी देश के साथ राजनयिक रुख में संभावित बदलाव का संकेत देता है। भारत के साथ पाकिस्तान के व्यापार संबंध अगस्त, 2019 से निलंबित हैं।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रसेल्स में परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद डार ने लंदन में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान इसका संकेत दिया कि नकदी संकट से जूझ रहे उनके देश का व्यापारिक समुदाय भारत के साथ कारोबार फिर शुरू करने का इच्छुक है। विदेश मंत्री ने शनिवार को कहा, पाकिस्तानी कारोबारी चाहते हैं कि भारत के साथ व्यापार बहाल हो। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने डार के हवाले से कहा, हम भारत के साथ व्यापार के मामलों को गंभीरता से देखेंगे।

अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद राजनयिक संबंध हुए शिथिल

भारत सरकार की तरफ से अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण, जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने व राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद पाकिस्तान ने नई दिल्ली के साथ अपनी राजनयिक गतिविधियां काफी कम कर दी थीं। पाकिस्तान कहता रहा है कि दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की जिम्मेदारी भारत पर है। वह वार्ता के लिए भारत के समक्ष कश्मीर के संबंध में हुए निर्णयों की वापसी की शर्त रखता रहा है। हालांकि, भारत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। भारत ने पाकिस्तान को साफ तौर पर कह दिया है कि जम्मू-कश्मीर व लद्दाख देश का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा।

भारत ने आतंक व शत्रुतामुक्त वातावरण बनाने की रखी शर्त

भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध रखने का इच्छुक है। हालांकि, इसके लिए पाकिस्तान को आतंक और शत्रुता मुक्त वातावरण का निर्माण करना होगा। हालांकि, तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद दोनों देशों ने फरवरी 2021 में नियंत्रण रेखा पर युद्धविराम संबंधी समझौते का नवीनीकरण किया है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में शहबाज शरीफ को पाकिस्तान का पीएम बनने पर शुभकामनाएं दी थी, जिसके बाद राजनयिक संबंधों पर जमी बर्फ के पिघलने की उम्मीद जगी थी। शरीफ ने शुभकामनाओं के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद भी दिया था।

भगत सिंह को न्याय दिलाने के लिए समर्थकों ने उठाई आवाज

पाकिस्तान में स्वतंत्रता संग्राम के नायकों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की 93वीं बरसी पर शनिवार को उनके समर्थकों और अनुयायियों ने उन्हें न्याय दिलाने के लिए उनका केस दोबारा खोलने की मांग की है। 23 मार्च 1931 को ब्रिटिश शासकों ने शासन के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चलाने के बाद शादमान चौक पर भगत सिंह, राजगुरु, सुख देव को फांसी दे दी थी। पाकिस्तान में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे समर्थकों ने भगत सिंह के लिए न्याय की मांग की है।

ताइवान का दावा, रविवार सुबह तक आठ चीनी जहाज और छह विमान हमारे क्षेत्र में सक्रिय

ताइपे, 25 मार्च (एजेंसियां)। ताइवान और चीन के बीच जारी विवाद के बीच ताइवान ने दावा किया कि चीनी विमान और जहाज उसके क्षेत्र में सक्रिय हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि शनिवार सुबह छह बजे से रविवार सुबह छह बजे तक आठ चीनी नौसैनिक जहाज और छह चीनी विमान सक्रिय है। चीन का एक विमान ताइवान के दक्षिण-पश्चिम वायु क्षेत्र में प्रवेश कर गया है। हालांकि, अधिकारियों की विमान पर कड़ी नजर है। किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए उन्होंने उचित बल तैनात कर दिया है।

पहले भी ताइवान को घेर चुका है चीन

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने साल के शुरुआत में एक बड़ा दावा किया था। उन्होंने चीन पर आरोप लगाते हुए कहा था कि 26 जनवरी की सुबह से अगले सुबह तक चीन ने एसयू-30 लड़ाकू विमानों और छह नौसेना जहाजों समेत 33 विमानों द्वीप राष्ट्र ताइवान के चारों तरफ तैनात किए थे। उनका दावा है कि 33 विमानों में से 13 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य को लांघा है।

ताइवान चीन का अभिन्न अंग- वांग यी

ताइवान को लेकर चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने हाल ही में कहा कि यह हमारे देश का अभिन्न अंग है। जो भी चीन की संप्रभुता को चुनौती देगा, उसे मुंहतोड़ जवाब देंगे। हम ताइवान को अपनी मातृभूमि से कभी अलग नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा था कि दुनिया के ज्यादातर देश एक चीन नीति का समर्थन करती है। गौरतलब है कि पिछले साल किन गैंग की बर्खास्तगी के बाद वांग यी ने विदेश मंत्री का पद संभाला था।

चीन-ताइवान के बीच विवाद क्या है?

ताइवान दक्षिण पूर्वी चीन के तट से करीब 100 मील दूर स्थिति एक द्वीप है। ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। उसका अपना संविधान है। ताइवान में लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार है। वहीं चीन की कम्युनिस्ट सरकार ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताती है। चीन इस द्वीप को फिर से अपने नियंत्रण में लेना चाहता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताइवान और चीन के पुनः एकीकरण की जोरदार वकालत करते हैं। ऐतिहासिक रूप से से देखें तो ताइवान कभी चीन का ही हिस्सा था।

सीएम भजनलाल पर चढ़ा होली का रंग

बोले- 4 जून को भी मनाई जाएगी होली...राठौड़ ने भी खेली होली

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल ने सोमवार को ओटीएस में मुख्यमंत्री आवास पर आंगतुकों के साथ होली खेली। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ भी चूरू में आमजन के साथ होली खेलते दिखे।

होली के त्यौहार पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रंगों में रंगे नजर आए। सीएम भजनलाल ने सोमवार को ओटीएस में मुख्यमंत्री आवास पर आंगतुकों के साथ होली खेली। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ भी चूरू में आमजन के साथ होली खेलते दिखे।

इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा पूरी तरह होली के पर्व के उल्लास में डूबे नजर आए। मुख्यमंत्री आवास पर सभी आंगतुकों से मेल-मुलाकात कर सीएम भजनलाल ने होली खेली। सीएमआर में इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर हाउस में आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री सुरक्षा प्रकोष्ठ की यूनिट और जोधपुर हाउस के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ होली सेलिब्रेट की थी।

4 जून को भी मनाई जाएगी होली- सीएम भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमआर में जनता के साथ होली खेली। इस दौरान उन्होंने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि मैं सभी को होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इसी तरह 4 जून को भी होली मनाई जाएगी। हमें गिले-शिकवे मिटाकर भाईचारे के साथ पर्व मनाने चाहिए।

राठौड़ ने दी होली की शुभकामनाएं

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रदेश की जनता को होली की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि 'चूरू आवास पर अपनों के बीच होली का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। रंगों-उमंगों का यह त्यौहार आप सबके जीवन में खुशियां लेकर आए और नई ऊर्जा, उमंग व उल्लास का संचार हो।'

जयपुर में कांग्रेस ने क्यों बदला प्रत्याशी

सुनील ने क्यों कही बड़े षडयंत्र की बात?

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने जयपुर शहर के लिए जिन सुनील शर्मा को अपना प्रत्याशी घोषित किया था उन्हें बदल दिया गया। उनका टिकट कांग्रेस के पूर्व मंत्री प्रतापसिंह खाचारियावास को दे दिया गया। राइट विंग यू ट्यूब चैनल जयपुर डायलॉग्स से संबंध होने के चलते सुनील शर्मा देश भर में ट्रॉल हो गए। टिकट बदले जाने से ठीक पहले सुनील शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस कर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को मुझे डिफेंड करना चाहिए था लेकिन किसी ने मेरा साथ नहीं दिया। जयपुर शहर सीट से सुनील शर्मा को टिकट देने के बाद कांग्रेस में इसका विरोध शुरू हो गया था। यहां तक कि शशि थरूर ने भी

इसका विरोध किया। शशि थरूर ने अपने एक्स पर पोस्ट किया कि 24 अकबर तक जाने वाली सड़क पर चलते समय उनमें दिव्य बदलाव हो गया होगा। ये उस वक्त का उनका एक ट्वीट है, जब उन्होंने मुझपर हमला किया था।

दरअसल, शशि थरूर की यह पोस्ट एक सुनील शर्मा के एक वीडियो को लेकर थी जिसमें वे जयपुर डायलॉग्स के डिबेट कार्यक्रम में थरूर को लेकर अपनी बात कह रहे थे। सुनील शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस में अपना टिकट वापस लौटाने का एलान करते हुए कहा कि इससे पीछे बड़ा षडयंत्र है, जिसे कोई समझ नहीं पा रहा। सुनीश शर्मा को सचिन पायलट का समर्थक माना जाता है और राजस्थान में इस वक्त कांग्रेस में दो बड़े खेमों के बीच टिकटों की लड़ाई चल रही है। इसमें एक खेमा पूर्व सीएम अशोक गहलोत का है। हालांकि, सुनील शर्मा ने किसी का नाम लेकर कोई आरोप नहीं लगाए। लेकिन, सियासी गलियारों में अब धीरे-धीरे ये चर्चाएं चलने लगी हैं।

सुनील शर्मा के टिकट वापस होने से एक दिन पहले ही राजस्थान में उनका टिकट कैंसल होने की चर्चा जोरों पर चल पड़ी थी। लेकिन, अब सवाल यह भी उठ रहे हैं कि कांग्रेस जब गठबंधन में उन लोगों को टिकट दे रही है जो हर मंच पर गांधी परिवार को भला-बुरा कह चुके हैं तो फिर सुनील शर्मा ही दोषी क्यों ठहराए गए?

बीजेपी ने दूसरी लिस्ट में 7 में से 3 सीटों पर महिलाओं पर जताया भरोसा, 2 पर रिपीट प्रत्याशी

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने लोकसभा चुनावों को लेकर जारी अपनी दूसरी लिस्ट में प्रदेश की सात सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की है, जिनमें से तीन महिला उम्मीदवार हैं। जयपुर शहर से वर्तमान सांसद रामचरण बोहरा का टिकट काटकर उनकी जगह पार्टी के कद्दावर नेता भंवरलाल शर्मा की बेटी मंजू शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। शेष प्रत्याशियों में गंगानगर से प्रियंका बालन, राजसमंद से महिमा विश्वेश्वर सिंह, झुंझुनू से शुभकरण चौधरी, जयपुर ग्रामीण से राव राजेंद्र सिंह, टोंक-सवाई माधोपुर से सुखबीर सिंह जौनपुरिया और अजमेर से भागीरथ चौधरी को मैदान में उतारा गया है। देखा जाए तो इस सूची में केवल अजमेर और सवाई माधोपुर से रिपीट में प्रत्याशी उतारे गए हैं, बाकी पांच सीटों से मौजूदा सांसदों

के टिकट काटकर नए चेहरों पर दांव खेला गया है।

भाजपा द्वारा अब तक जारी की गई लिस्ट में कुल जमा 22 उम्मीदवारों की घोषणा की जा चुकी है, जबकि तीन सीटों को होल्ड पर रखा गया है, इनमें करौली-धौलपुर, दौसा और भीलवाड़ा की सीट शामिल है। अजमेर और टोंक-सवाई माधोपुर से क्रमशः भागीरथ चौधरी और सुखबीरसिंह जौनपुरिया को रिपीट किए जाने से उनके समर्थकों में भारी उत्साह है। टिकट मिलने के बाद भागीरथ चौधरी ने बातचीत में कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो उन पर भरोसा जताया है, वे उस भरोसे पर खरा उतरते हुए जीत हासिल करेंगे और इस बार मोदी सरकार 400 का आंकड़ा पार करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि जनता का आशीर्वाद उन्हें मिलेगा। हालांकि हालिया विधानसभा चुनावों में किशनगढ़ से भारतीय जनता पार्टी ने भागीरथ चौधरी को प्रत्याशी बनाया था लेकिन वे कांग्रेस के विकास चौधरी से चुनाव हार गए थे और निर्दलीय प्रत्याशी सुरेश टांक के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

इधर टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर चल रही कई नामों की चर्चाओं पर पूर्ण विराम लगाते हुए पार्टी ने इस सीट पर तीसरी बार सुखबीर सिंह जौनपुरिया को प्रत्याशी बनाकर भरोसा जताया है। उनके नाम के ऐलान होने के बाद उनके समर्थकों ने घंटाघर चौराहे पर जमकर आतिशबाजी की। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने आलाकमान का आभार जताते हुए इस बार 400 पार का नारा दिया और कांग्रेस प्रत्याशी हरीशचंद्र मीना को कबड्डी और कुश्ती खेलने की चुनौती दे दी। उन्होंने कहा कि पिछली बार नमोनारायण मीना टिक नहीं पाए थे और इस बार उनके भाई हरीशचंद्र मीना टिक नहीं पाएंगे।

चुनावों में क्यों हारती है कांग्रेस

पार्टी के इस दिग्गज नेता ने बताई वजह

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। पार्टी क्यों हार रही है, इसे लेकर वरिष्ठ नेता मुरारी लाल मीणा ने बड़ा खुलासा किया है। मीणा ने कहा कि पार्टी की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण है कि मतदान के दिन हम लोग लापरवाही करते हैं। अगर सभी नेता और कार्यकर्ता एक हो जाएं और लापरवाही नहीं बरतें तो पार्टी को चुनावों में हार का सामना नहीं करना पड़े।

पिछले कुछ चुनावों में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को हारना का सामना करना पड़ा है। यहां तक पिछले साल तीन हिंदी भाषी राज्यों-राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था। इन तीन राज्यों में से दो-राजस्थान और छत्तीसगढ़ में तो कांग्रेस की

सरकार थी। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे दिग्गज नेता भी पार्टी को फिर से सत्ता में लाने में विफल रहे थे।

पार्टी क्यों हार रही है, इसे लेकर वरिष्ठ नेता मुरारी लाल मीणा ने बड़ा खुलासा किया है। मीणा ने कहा कि पार्टी की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण है कि मतदान के दिन हम लोग लापरवाही करते हैं। अगर सभी नेता और कार्यकर्ता एक हो जाएं और लापरवाही नहीं बरतें तो पार्टी को चुनावों में हार का सामना नहीं करना पड़े।

जीत में अहम रोल अदा कर सकते हैं पार्टी कार्यकता

मीणा ने आगे कहा कि हर पार्टी की ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता अगर ठीक से काम करें तो वह प्रत्येक बूथ पर पार्टी को मिलने वाले मतों की संख्या में बढ़ोत्तरी करवा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो हम गारंटी से चुनाव जीत सकते हैं। वहीं, मतदान के दिन अगर कार्यकर्ताओं ने मेहनत नहीं की और लापरवाही बरती तो मिलने वाली जीत हार में बदल सकती है।

सिकराय में पहाड़ी के ऊपर जंगल में लगी आग

40 हेक्टेयर क्षेत्र तबाह, तीन घंटे में बुझा पाए वनकर्मी

दौसा, 25 मार्च (एजेंसियां)। दौसा जिले के सिकराय के भूगोरा गांव की पहाड़ी पर अचानक लगी आग से लगभग 40 हेक्टेयर जंगल का एरिया जलकर राख हो गया। वन कार्मियों और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। दौसा जिला वन अधिकारी अजीत ऊंचई ने बताया कि जिले के सिकराय में लाका चौकी क्षेत्र के भूगोरा गांव में पहाड़ी के ऊपर अचानक एकाएक अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई, क्योंकि इस समय पहाड़ी पर सूखी घास लगी हुई है। इस कारण से लगभग 40 हेक्टेयर में आग फैल गई।

उधर, जिला वन अधिकारी अजीत ऊंचाई की मानें तो आग लगने का कारण पहाड़ी पर स्थित मंदिर माना जा रहा है। आज होली होने के चलते मंदिर में पूजा करने आए लोगों ने बिना बुझाई तीली फेंक दी होगी, जिसके चलते संभवत आग लग गई होगी।

इधर, जंगल में आग लगने की सूचना ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस सहित अन्य वन विभाग के अधिकारी को दी। इसके बाद जिम्मेदार लोगों की पर पहुंचे और आग बुझाने के लिए ग्रामीणों ने भी मदद की।

आग की सूचना पर वन विभाग की ओर से अधिकारी रेंज सिकराय के क्षेत्रीय वन अधिकारी क्षेत्रीय रामकिशन मीणा के नेतृत्व में स्टाफ के साथ आग पर काबू पाने के लिए प्रयास किए। ढाई घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका।

क्षेत्र में तेज हवाओं के चलते आग पहाड़ी पर कुछ ही देर में फैलती नजर आई। जिला वन अधिकारी अजीत उज्जैन ने बताया कि जिस पहाड़ी पर आग लगी है उस पहाड़ी का कुछ हिस्सा दौसा जिले में तथा कुछ हिस्सा करौली जिले में आता है।

अंडरपास की दीवार से टकराने के बाद आग का गोला बनी कार, जिंदा जला सेना का जवान

झुंझुनू, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के मुकुंदगढ़ में एक दर्दनाक हादसे में ड्यूटी पर वापस लौट रहे सेना के जवान की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, श्रीनगर में तैनात कंवरपुरा बालाजी डंडलोद निवासी 25 वर्षीय विकास भास्कर एक महीने की छुट्टी पर घर आया हुआ था। बीती रात जब ड्यूटी पर जाने के लिए जब वह ट्रेन पकड़ने के लिए मुकुंदगढ़ रेलवे स्टेशन जा रहा था तब डूंडलोद के बलरिया रोड स्थित अंडरपास की दीवार से कार टकरा गई जिससे कार में आग लग गई।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के मुकुंदगढ़ में एक दर्दनाक हादसे में

ड्यूटी पर वापस लौट रहे सेना के जवान की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, श्रीनगर में तैनात कंवरपुरा बालाजी डंडलोद निवासी 25 वर्षीय विकास भास्कर एक महीने की छुट्टी पर घर आया हुआ था। बीती रात जब ड्यूटी पर जाने के लिए जब वह ट्रेन पकडने के लिए मुकुंदगढ़ रेलवे स्टेशन जा रहा था तब डूंडलोद के बलरिया रोड स्थित अंडरपास की दीवार से कार टकरा गई जिससे कार में आग लग गई।

आग इतनी तेज फैली की विकास को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक जवान पूरा जल चुका था। घटना की सूचना मिलते ही जवान के परिजन तुरंत घटनास्थल पहुंचे।

महीने भर पहले हुआ था बेटा

जानकारी के अनुसार, एक महीने पहले ही विकास की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था। इसी खुशी में वह एक महीने की छुट्टी लेकर घर आया था। जवान की मौत के बाद उसके परिवार वालों का रो-रो के बुरा हाल है।

घसीटने के मिले निशान

मामले की जांच कर रहे एसएचओ महेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड को सूचित कर दिया गया था। हालांकि, जबतक आग को काबू पाया गया, तबतक कार और जवान पूरा जल चुके थे। जहां कार जली, वहां से कुछ मीटर पहले कार के घसीटने के निशान मिले हैं। वहीं, जवान का मोबाइल भी घटना से कुछ दूरी पर मिला है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों का पता चल पाएगा।

अवैध शराब से भरा कंटेनर जब्त, पुलिस ने एक करोड़ रुपये की शराब की बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनू, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा आम चुनाव, 2024 को मद्देनजर रखते हुए आबकारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई ते हुए एक हजार शराब के कार्टून जब्त किया है, जिनकी अनुमानित कीमत 1.05 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

आबकारी थानाधिकारी तारांचद जाखड़ ने बताया कि शनिवार रात से ही इनपुट मिल रहा था कि पंजाब निर्मित शराब से भरा हुआ कंटनेर है, जो कि पंजाब के लुधियाना से लोड होकर गुजरात के राजकोट जा रहा है। जिसके बाद सीकर रोड पर हवाई पट्टी के पास नाकेबंदी की।

थानाधिकारी तारांचद जाखड़ ने बताया कि शनिवार रात से ही इनपुट मिल रहा था कि पंजाब निर्मित शराब से भरा हुआ कंटनेर है, जो कि पंजाब के लुधियाना से लोड होकर गुजरात के राजकोट जा रहा है। जिसके बाद सीकर रोड पर हवाई पट्टी के पास नाकेबंदी कर ट्रक को पकड़ लिया।

पशु चिकित्सक की दर्दनाक मौत

बिजली का तार गिरने से बाइक सहित जिंदा जला

चित्तौड़गढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं इलाके से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां एक पशु चिकित्सक 11000 केवी लाइन के तार की चपेट में आ गया। जिससे उसकी जलकर मृत्यु हो गई। बता दें कि उपखण्ड रायती और फरक्या खेडी गांव के बीच में 11000 लाइन का तार टूटने से रास्ते मे गिर गया। वहां जा गुजर रहे पशु चिकित्सक की बाइक पर तार गिर गया। तार गिरने से बाइक सहित युवक की जलने से मौत हो गई।

धू-धू कर जली बाइक

चित्तौड़गढ़ जिले के बेगू थाना अंतर्गत रायती और फरक्या खेडी के बीच में 11000 केवी लाइन का अचानक तार टूट गया। उसी समय नीचे से बाइक पर जा रहे पशु चिकित्साकर्मी संजय कुमार निवासी गुलाना की बाइक पर तार गिर गया। तार गिरने से बाइक धू-धू कर जलने लगी।

ग्रामीणों ने जताया विरोध

इस पूरे घटनाक्रम में बाइक पर सवार पशु चिकित्साकर्मी भी आग की लपटों में जल गया। मजबूरन गांव के लोग दूर से युवक को जलते हुए देखते रहे। आग की चपेट में आने से संजय कुमार की मौत हो गई। पशु चिकित्सक संजय की मौत पर लोगों ने विद्युत निगम की लापरवाही पर रोष व्यक्त किया।

20 हजार का इनामी पत्नी की हत्या के आरोपी को पुलिस ने दबोचा, भेष बदलकर करवा रहा था आलू की खुदाई

धौलपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। महिला के पिता बबलू निवासी ललपुरा जिला हमीरपुर ने सपना के पति रोहित पुत्र पृथ्वीपाल निवासी रघुवा जिला हमीरपुर के खिलाफ हत्या का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था।

राजाखेड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पत्नी की हत्या के आरोपी पति को आगरा जिले के शमशाबाद थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर 20 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। करीब 13 दिन पूर्व आरोपी ने पत्नी की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। पुलिस को गुमराह कर भेष बदलकर आलू के खेत में खुदाई का काम कर रहा था। राजाखेड़ा थाना प्रभारी वीर सिंह ने बताया पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देश में जिलेभर में वांछित अपराधी और बदमाशों की धर पकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया राजाखेड़ा इलाके में 13 मार्च को 25 वर्षीय विवाहिता सपना की हत्या ईट के भट्टे पर की गई थी। मृतका सपना, पिता और पति के साथ ईट भट्टे पर ही मजदूरी का काम करती थी।

महिला के पिता बबलू निवासी ललपुरा जिला हमीरपुर ने सपना के पति रोहित पुत्र पृथ्वीपाल निवासी रघुवा जिला हमीरपुर के खिलाफ हत्या का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था।

थाना प्रभारी ने बताया तत्कालीन समय पर महिला का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर मामले में अनुसंधान शुरू किया गया। हत्या आरोपी पति रोहित ईट के भट्टे से फरार हो गया था।

आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर धौलपुर पुलिस अधीक्षक ने 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया आरोपी के संभावित ठिकानों पर पुलिस लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन आरोपी ठिकाने और भेष बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। उन्होंने बताया साइबर सेल की मदद से पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

नगरद्वय में धूम-धाम से मनाया गया होली का उत्सव

मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा का होली महोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच शाखा शमशाबाद में होली महोत्सव संपन्न हुआ। रविवार को महिलाओं ने मंगल गीत गाए और युवा चांग की थाप पर जूम उठे। पूजा आरती के पश्चात होलिका दहन किया गया। सोमवार को युवा मंच के साथियों ने एक दूसरे पर रंग, गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर अध्यक्ष भाकरराम कुमावत, मारवाड़ी युवा मंच के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

वारंगल शहर में ब्राम्हण सिखवाल समाज ने प्रधान डाकघर के पास नाग कन्या मंदिर के सामने परंपरानुसार होली और रंगपंचमी का त्योहार मनाया गया।

जियागुडा पुलिस कालोनी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी होली।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता बडेर में सीरवी समाज द्वारा होली महोत्सव पर आयोजित पुजा-अर्चना, होली दहन व बच्चों के ढूंढोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सचिव किशनसिंह राठौड़, सहसचिव बाबुलाल चोयल, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

बेंगलुरू के 22 परिवारों पर पानी के दुरूपयोग का जुर्माना

पीने के पानी से कार धोई, 500 साल में सबसे बडा जल संकट

बेंगलुरू, 25 मार्च (एजेंसियां)। देश में तीसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर बेंगलुरू 500 साल के सबसे बड़े जल संकट से जूझ रहा है। पानी की किल्लत को कम करने के लिए बेंगलुरू वॉटर सप्लाई बोर्ड ने पानी के दुरूपयोग करने वाले 22 परिवारों पर 5-5 हजार का जुर्माना लगाया है। वे पीने के पानी का इस्तेमाल कार वॉशिंग और गार्डनिंग में कर रहे थे।

दरअसल, बोर्ड ने पीने लायक पानी का इस्तेमाल कार धोने, कपड़े धोने या पौधों में डालने पर 2 हफ्ते पहले प्रतिबंध लगाया था। इसे लेकर बोर्ड ने एक्शन लेते हुए 22 परिवारों से कुल 1 लाख 10 हजार का फाइन इकट्ठा किया है। सभी 22 परिवार बेंगलुरू के अलग-अलग इलाके के हैं, लेकिन सबसे ज्यादा फाइन (80 हजार) शहर के साउथ रीजन से इकट्ठा किया गया है।

बोर्ड ने होली के लिए भी कावेरी नदी और बोरवेल के पानी का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। बोर्ड ने कहा कि पूल पार्टी और रेन डांस में पानी का दुरूपयोग होता है। लोगों को इससे बचना चाहिए।

पानी की किल्लत के कारण बेंगलुरू में करीब 1.4 करोड़ लोगों में से एक वर्ग वैकल्पिक समाधान तलाशने के लिए मजबूर है। कई लोग शहर से पलायन करने लगे हैं। दूसरी ओर जो लोग घर खरीदना चाहते थे, वे अपना मन बदलने लगे हैं।

वर्क फ्रॉम होम की मांग :

सोशल मीडिया पर लोग राज्य के सीएम सिद्धारमैया से आईटी कंपनियों के लिए वर्क फ्रॉम होम अनिवार्य करने की गुहार लगा रहे हैं, ताकि शहर में या उसके बाहर घर जाकर इस परेशानी से निजात पा सकें। कोचिंग सेंटर्स और स्कूलों ने बच्चों को स्कूल आने के बजाय घर से ही क्लास लेने की सलाह दी है।

एक अन्य तकनीकी विशेषज्ञ दीपक राघव ने बताया कि वह कोलकाता से आए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हर हफ्ते 6,000 लीटर पानी के लिए 1,500 रुपये का भारी भुगतान करना पड़ता है, क्योंकि किराए के घर में ट्यूबवेल सूख गया है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरू ने कहा, आईआईएमबी अपने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से प्रतिदिन ढाई लाख लीटर से अधिक पानी को दोबारा उपयोग लायक बना रहा है। इसका दायरा बढ़ाने के लिए 57 कृत्रिम गड्ढों की खुदाई की गई है। 17 कुएं बन रहे हैं।

चेन्नई में 2019 में आया था संकट, ट्रेन से पानी की ढुलाई :

चेन्नई 2019 में ही भीषण जलसंकट से गुजर चुका है। वहां हालात ऐसे हो गए थे कि वॉटर ट्रेन से पानी पहुंचाना पड़ा। दरअसल, देश के छठे सबसे बड़े शहर चेन्नई को पानी की आपूर्ति वहां के चार तालाबों से होती है, जो सूख गए थे। मानसून में देरी के कारण संकट विकराल हो गया। इस कारण सरकार को रोज 1 करोड़ लीटर पानी ट्रेन से मंगाना पड़ा, जिसके लिए 66 करोड़ रुपये खर्च हुए।

हैदराबाद में भी संकट की आहट, टैंकर की मांग 4 गुना :

हैदराबाद में भी जल संकट की आहट सुनाई दे रही है। वहां पानी के दो प्राथमिक स्रोत हैं- नागार्जुन सागर जलाशय (कृष्णा नदी) और येल्लमपल्ली जलाशय (गोदावरी नदी)। इन दोनों जलाशयों में जलस्तर खतरनाक रूप से कम है।

ड्रीमलैंड गार्डन स्थित अ.भा.राजपुरोहित संस्थान पुष्कर अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह-सुशीलाकंवर, पुजाकंवर बाकलिया राजपुरोहित परिवार द्वारा होली महोत्सव पर आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित रामसिंह बाकलिया, पारससिंह सेवड़, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, सोहनसिंह बिरावास, विजयसिंह जाणुंदा, गुलाबसिंह, पृथ्वीसिंह राजपुरोहित व समाज बन्धु।

चारमहल के यादव गली में होली के रंगों से सराबोर क्षेत्रीय निवासी।

मुसारामबाग में होलिका दहन

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुसारामबाग स्थित शालिवाहन नगर में श्री राम मित्र मंडल द्वारा आयोजित होलिका दहन रात 11:31 बजे किया गया। जिसमें क़रीब 2000-2500 भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर पंकज कुमार संघी, हरि गोविंद अग्रवाल, राजेश, विनोद गुप्ता, शरद मरदा, राजेश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, गोपाल प्रसाद, संजय संघी, प्रदीप अग्रवाल, प्रकाश तुलस्यान, केशव तुलस्यान, नियति संघी, डिंपल संघी, महेश सिंघानिया आदि उपस्थित थे।

बजरंग सेना ने काचीगुडा में रंग-बिरंगे जैविक पारंपरिक गुलाल के साथ होली उत्सव मनाया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, महासचिव सूर्या शुक्ला, उपाध्यक्ष येर्रम श्रीनिवास, शहराध्यक्ष एम मनोज, अभिनय तिवारी, प्राची जैन, वीरेंद्र अवस्थी, नरेश, राजाराम सहित अन्य मौजूद रहे।

नामपल्ली पब्लिक गार्डन में योग क्लब के सदस्यों ने होली मनाई। इस अवसर पर उपस्थित योग गुरु मधु, मणिलाल शाह एवं अन्य सदस्य।

31 मार्च को शहर में 'अहिंसा रन फॉर पीस एंड अहिंसा'

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईएफएल जीतो 'अहिंसा रन फॉर पीस एंड अहिंसा' का दूसरा संस्करण 31 मार्च को सुबह 05.30 बजे यहां जलविहार, पीवी नरसिम्हा राव मार्ग पर आयोजित किया जाएगा। आज यहां जारी एक प्रेसनोट में, जीतों हैदराबाद के अध्यक्ष सुशील संचेती, मुख्य सचिव परेश शाह, कोषाध्यक्ष बीएल भंडारी ने कहा कि यह एक अनोखी दौड़ है। एक उद्देश्य, एक दौड़ - यह अहिंसा और अपरिग्रह के लिए एक साथ दौड़ है।

दौड़ की श्रेणियां हाफ मैराथन, 10 के और 5के बार दौड़ हैं। लगभग 3,000 प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। 10 के समयबद्ध दौड़ के लिए कुल पुरस्कार राशि 90 हजार रुपये होगी। दौड़ का रूट जल विहार से संजीवैया पार्क की ओर होगा। मैराथन और सामाजिक पहल के क्षेत्र में जीतो अहिंसा रन 2.0 प्रेरणा और परिवर्तन के प्रतीक के रूप में सामने आता है। यह एक अनोखे उद्देश्य के लिए चलाया जाता है और दुनिया भर में एक ही दिन और समय पर आयोजित किया जाता है। भारत में 69 स्थानों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 28 स्थानों पर एक लाख से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी के साथ, पिछले साल के कार्यक्रम ने जीतो की पहल के वैश्विक प्रभाव को प्रदर्शित करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वीना जैन, चेयरपर्सन, टीना शाह, मुख्य सचिव, जीतो हैदराबाद लेडीज विंग के साथ-साथ जीतो यूथ विंग की रेनू चोरडिया और राहुल शाह इसे बड़ी सफलता बनाने की व्यवस्था कर रहे हैं।

ट्रेन में पांच किलो चांदी के साथ एक को पकड़ा

हैदराबाद, 25 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रविवार रात सिकंदराबाद रेलवे डिवीजन के अंतर्गत मिर्यालागुडा में एक ट्रेन में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, जिसके पास कथित तौर पर 3 लाख रुपये मूल्य के लगभग 5.1 किलोग्राम चांदी के आभूषण थे।

आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर और गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ अधिकारियों ने रेलवे पुलिस के साथ मिलकर सिकंदराबाद जाने वाली ट्रेन में तलाशी ली। चूँकि वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहा और उसके पास मौजूद गहनों के बारे में कोई ठोस जवाब नहीं था। जब्त सामग्री के साथ व्यक्ति को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को सौंप दिया गया।

साइबराबाद पुलिस ने 1 किलो अल्प्राजोलम जब्त किया, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद एसओटी (शमशाबाद) टीम ने रविवार शाम को एक कार में कथित तौर पर अल्प्राजोलम की तस्करी कर रहे तीन लोगों को पकड़ा।

पुलिस ने एक किलोग्राम अल्प्राजोलम, एक स्विफ्ट कार और तीन स्मार्ट फोन जब्त किए।

पकड़े गए लोगों में उर्वरक दुकान के मालिक अनिल गौड़ (32), ताड़ी की दुकान के मालिक शरथ बाबू (30) और रियाल्टर सुधाकर (42) शामिल हैं। एक व्यक्ति नरसिम्हुलु फरार है। पुलिस के अनुसार, अनिल गौड़ ने शरथ और सुधाकर के साथ मिलकर नरसिम्हुलु से 15 लाख रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर मादक पदार्थ खरीदा और ताड़ी दुकानों को सप्लाई कर रहे थे।

अग्रवाल समाज श्री अग्रसेन मार्ग शाखा का होलिका दहन

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज श्री अग्रसेन मार्ग शाखा का होलिका दहन कार्यक्रम बंजारा हिल्स स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रांगण में संपन्न हुआ। शाखा के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः 9 बजे डंडा रोपण तथा पूजा का कार्यक्रम हुआ।

रात्रि में होलिका दहन कार्यक्रम हुआ जिसमे क़रीब 500 अग्रबन्धु उपस्थित थे। होलिका दहन कार्यक्रम में संयोजक सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, सुभाषकुमार अग्रवाल, कैलाशचंद अग्रवाल, अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंदलाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, महेश कुमार डाकोतिया, विजय कुमार अग्रवाल, अजय कुमार दोचानिया, गिरीश कुमार सोन्थलिया, रवींद्र कुमार अग्रवाल, महिला समिति की संयोजक माया अग्रवाल, युवा समिति के संयोजक मुकेश कुमार दिल्लीवाले, आईएएस सतीश चंद्र अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य बिशम्भर लाल केडिया, कमल अग्रवाल, चंद्रकांत अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सुनील गुप्ता, माणिक चंद गुप्ता, अशोक चंद अग्रवाल, गोपाल चंद अग्रवाल, प्रकाश चंद अग्रवाल, विनोद कुमार डाकोतिया, महेंद्र प्रसाद डाकोतिया, राधेश्याम मंडोतिया, उदय कुमार मोर, भरत कुमार सोन्थलीया, मधुसुदन सोन्थलिया, बद्रीनारायण सोन्थलिया, राकेश कुमार सिंघल, विजय कुमार दोचानिया, संदीप कुमार दोचानिया एवं महिलाएँ उपस्थित थी।

धूम धाम से मनाई गई होली

भैंसा, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगों का त्योहार होली शहर में बड़ी धूम धाम से मनाया गया। मारवाड़ी समाज द्वारा पारंपरिक तौर से यह त्योहार करीब सप्ताह भर आयोजन किया जाता है। होली से पहले 5 पांच दिन रोज होली के भजनों के कार्यक्रम का आयोजन होता है। रविवार सुबह राधे राधे प्रभात फेरी द्वारा फूलो की होली, राधा कृष्ण झांकी आयोजित की गई और हिंदू संप्रदाय अनुसार होली दहन शहर में सार्वजनिक रूप से गली गली में होती है। जिसके अंतर्गत रविवार की रात 11.30 बजे मारवाड़ी गल्ली में होली मंगल कार्य किया गया और रंग त्योहार दुलंडी सोमवार पर भजन और रैन डांस का आयोजन किया गया। गली गली गुलाल उड़ाए गए, कही पिचकारी की धार से रंग उड़ाया गया, कोई ढोल की ताल झूमते नजर आए। सभी एक दूसरे को रंग लगाकर उत्सव की शुभकामनाएं दी।

होली मनाते हुए बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, नार्थ पिपुल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राज नारायण सिंह, साईं समिति के उपाध्यक्ष मनोज यादव, महासचिव सागर भगत, प्रधाकारी जय प्रकाश भगत, अजय कुमार सिंह, गोपाल भगत, अनिल ठाकुर, पप्पु सिंह, विकास यादव, मंजीत यादव एवं अन्य।

स्तन कैंसर से प्रभावितों की संख्या में तेजी से इजाफा

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएमआर के एक अध्ययन के अनुसार, पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों की तुलना में तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और दिल्ली में स्तन कैंसर से प्रभावितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जिसमें 2025 तक भारत में इस बीमारी के प्रभावितों में पर्याप्त वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

इस महीने की शुरुआत में प्रकाशित अध्ययन, 2012 से 2016 तक राज्य स्तर पर जीवन के खोए हुए वर्षों में विकलांगता के साथ रहने वाले वर्षों , और विकलांगता-समायोजित जीवन वर्षों के संदर्भ में भारत के स्तन कैंसर के बोझ पर केंद्रित था।

आयु मानकीकरण के बाद 2016 में भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर का बोझ प्रति 1,00,000 महिलाओं पर 515.4 होने का अनुमान लगाया गया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और दिल्ली में पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के राज्यों की तुलना में स्तन कैंसर का बोझ अधिक था। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के अध्ययन में कहा गया है कि 2025 के लिए अनुमान 5.6 मिलियन डीएएलवाई तक पहुंचने वाली पर्याप्त वृद्धि का संकेत देता है।

डीएएलवाई समग्र बीमारी के बोझ का एक माप है, जिसे खराब स्वास्थ्य, विकलांगता या प्रारंभिक मृत्यु के कारण बर्बाद हुए वर्षों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है। ग्रामीण महिलाओं में उनके शहरी समकक्षों की तुलना में स्तन कैंसर विकसित होने की संभावना कम होती है और शहरी और मेट्रो क्षेत्रों में आयु-मानकीकृत घटना दर अधिक होती है, भारतीय शहरों में हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली इस सूची में शीर्ष पर हैं।

अनुमान के मुताबिक, 2025 में भारत में महिला स्तन कैंसर का बोझ 5.6 मिलियन होने की उम्मीद है। स्तन कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में कुल बोझ में 5.3 मिलियन का योगदान होगा, शेष विकलांगता के कारण होगा। इस अध्ययन में राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) के तहत देश भर में जनसंख्या-आधारित कैंसर रजिस्ट्रियों के डेटा का उपयोग करके 2016 में भारत में महिला स्तन कैंसर के राज्य-वार बोझ की जांच की गई।

ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी (ग्लोबोकैन) के अध्ययन के अनुसार, 2018 में, दक्षिण मध्य एशिया में महिलाओं में आयु-मानकीकृत स्तन कैंसर की घटना प्रति 1,00,000 महिलाओं पर 25.9 थी।

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) अध्ययन के अनुसार, 2016 में दक्षिण मध्य एशिया में आयु-मानकीकृत स्तन कैंसर की दर प्रति 1,00,000 महिलाओं पर 21.6 थी। इन अध्ययनों ने डेटा स्रोतों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करके राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय बोझ का अनुमान लगाया।

शहरी क्षेत्रों में स्तन कैंसर के अधिक बोझ के लिए शहरी कारकों जैसे गतिहीन जीवन शैली, उच्च मोटापे की दर, शादी और बच्चे के जन्म की देरी की उम्र और न्यूनतम स्तनपान को जिम्मेदार ठहराया गया है। शोधकर्ताओं ने कहा, यह हमारे अध्ययन के निष्कर्षों से समर्थित है, जो दर्शाता है कि चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसी शहरी रजिस्ट्रियों में ग्रामीण रजिस्ट्रियों की तुलना में घटना दर अधिक थी। सामाजिक-आर्थिक कारक कैंसर के बोझ को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं, जो स्वास्थ्य देखभाल, निवारक उपायों और उपचार परिणामों तक पहुंच को प्रभावित करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हार्दिक पंड्या का ऐसा अपमान पहले नहीं हुआ होगा

जीटी बनाम मुंबई इंडियंस मैच से सामने आए वीडियो से पता चली असली कहानी

अहमदाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। क्या अहमदाबाद के स्टेडियम में हार्दिक पंड्या की तुलना कुत्ते से की गई? ये सवाल इसलिए क्योंकि एक वीडियो सामने आया है, जिसमें ऐसा होता प्रतीत हुआ है. वीडियो को देखकर आप ऐसा कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं करेंगे कि क्रिकेट मैदान पर हार्दिक का ऐसा अपमान पहले नहीं हुआ होगा.

अहमदाबाद में टॉस के वक्त जो हुआ वो तो नजर आया. मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर हूटिंग हुई क्योंकि वो गुजरात टाइटंस का साथ छोड़कर चले गए. लेकिन, बीच मैच में जो दिखा वो तो और भी उन्हें अपमानित करने जैसा रहा. जाहिर है आप सोच रहे होंगे कि बीच मैच में क्या हुआ? तो हार्दिक के हुए जिस अपमान की हम बात कर रहे हैं, वो घटना उस दरम्यान की है जब मैदान में कुत्ता घुस आय़ा था और जिसे देख अहमदाबाद के स्टेडियम में बैठे क्रिकेट फैंस हार्दिक-हार्दिक चिल्ला रहे थे.

अहमदाबाद में हार्दिक पंड्या के साथ हुए इस बर्ताव का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे कुत्ते को मैदान में दौड़ता देखकर स्टेडियम में फैंस हार्दिक-हार्दिक के नारे लगा रहे हैं. मतलब एक तरह से वो हार्दिक पंड्या की तुलना कुत्ते से कर रहे हैं.

गुजरात टाइटंस के फैन ने ऐसा क्यों किया?

हार्दिक पंड्या के साथ अहमदाबाद में जो बर्ताव देखने को मिला वो दरअसल गुजरात टाइटंस के फैंस के गुस्से का नतीजा रहा. गुजरात के फैन हार्दिक के टीम की कप्तानी छोड़ मुंबई इंडियंस में शामिल हो जाने से नाखुश थे. और, यही वजह रही कि उन्हें हूटिंग झेलनी पड़ी.

गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस से जीत लिया मैच

जहां तक मैच की बात है तो हार्दिक पंड्या की कमान वाली मुंबई इंडियंस को हार का सामना करना पड़ा है. उसे रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 6 रन से हराया.

आमतौर पर अहमदाबाद में ऐसा कम ही होता है कि जो टीम चेज कर रही होती है वो मुकाबला हारती है. क्योंकि ओस एक बड़ा फैक्टर होता है. लेकिन गुजरात टाइटंस अपने 168 रन के स्कोर को डिफेंड करने में कामयाब रही.

मैच में हार्दिक के प्रदर्शन की बात करें तो गेंदबाजी में 3 ओवर में 30 रन लुटा दिए. यानी इकॉनमी 10 की रही और विकेट एक भी नहीं मिला. वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 4 गेंदों पर 11 रन बनाए. हार्दिक पंड्या ने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाया था. अब मुंबई के साथ भी वो वैसा ही करना चाहते हैं. हालांकि, उस सिलसिले को नहीं तोड़ पाए जो मुंबई इंडियंस के साथ 2013 से बरकरार है. पहला मैच नहीं जीत पाने का.

फ्लोरियन विट्र्ज ने बनाया रिकॉर्ड

जर्मनी के लिए सबसे कम समय में गोल दागने वाले खिलाड़ी बने

ल्योन, 25 मार्च (एजेंसियां)। जर्मनी ने दोस्ताना मुकाबले में फ्रांस को 2-0 से पराजित कर दिया। इस मैच में जर्मनी के लिए फ्लोरियन विट्र्ज ने सातवें सेकेंड में ही गोल कर दिया। यह जर्मनी के लिए अब तक का सबसे तेज गोल है। जर्मनी के लिए दूसरा गोल 49वें मिनट में काई हेवट्र्ज ने किया। इससे पहले जर्मनी के लिए सबसे तेज गोल का रिकॉर्ड नौ सेकेंड में था। यह गोल ल्यूकास पोदोल्स्की ने 2013 में इक्वाडोर के खिलाफ किया था, लेकिन फ्लोरियन विट्र्ज ने 11 साल बाद इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया। फ्रांस के खिलाफ जीत ने जर्मनी के मैनेजर जूलियन नागेल्समैन की योजनाओं को बल प्रदान किया है। 2024 की यूरोपियन चैंपियनशिप की मेजबानी जर्मनी करने जा रहा है।

क्रूज के पास पर किया गोल

यूरोपियन चैंपियनशिप के लिए अंतरराष्ट्रीय संन्यास से वापस आने वाले टोनी क्रूज ने अपनी वापसी को सार्थक करके दिखाया। यह उन्हीं का पास था, जिस पर विट्र्ज ने सातवें सेकंड में गोल किया। क्रूज ने बाद में कहा भी कि उन्होंने अभ्यास सत्र में इस तरह के मूव की तैयारी भी की थी। जर्मन सॉकर फेडरेशन ने भी इस बात की घोषणा कर दी है कि यह जर्मनी का सबसे तेज गोल है। यह जर्मनी की फ्रांस पर लगातार दूसरी जीत है, लेकिन पिछले 11 मैचों में यह उसकी तीसरी जीत है।

17 वर्षीय एंड्रिक वेंबले में सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले फुटबॉलर बने

वेंबले स्टेडियम में खेले गए एक अन्य दोस्ताना मुकाबले में ब्राजील ने इंग्लैंड को 1-0 से पराजित कर दिया। ब्राजील के लिए यह गोल इस सत्र के अंत में रियल मैड्रिड से जुड़ने जा रहे 17 वर्षीय एंड्रिक ने किया। वह वेंबले में सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले फुटबालर बन गए। उन्होंने यह गोल 80वें मिनट में 17 वर्ष 246 दिन की उम्र में किया। एंड्रिक 18 वर्ष के होने पर रियल से जुड़ेंगे। एंड्रिक को 71वें मिनट में रोड्रिगो की जगह उतारा गया था। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल भी है।

रणजी ट्रॉफी खेले होते तो, ईशान किशन से मैदान पर हुई गलती, अंबाती रायडू ने लाइव मैच किया ट्रोल

अहमदाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन लंबे समय तक क्रिकेट के मैदान से दूर थे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी का एक भी मुकाबला नहीं खेला। बीसीसीआई की चेतावनी के बाद भी ईशान ने झारखंड के लिए मुकाबला नहीं खेला। इसके बाद बीसीसीआई ने उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया। अब ईशान मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2024 में खेल रहे हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में ईशान ने मुंबई के लिए विकेटकीपर की।

रायडू ने ईशान को ट्रोल किया

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायडू ने ईशान किशन को ट्रोल कर दिया। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के साथ खेलते हुए रायडू 3-3 आईपीएल खिताब जीत चुके हैं। विकेटकीपर के दौरान ईशान किशन एक गेंद पकड़ नहीं पाए। अंबाती रायडू को यहां मौका मिल गया।

कमेंट्री के दौरान उन्होंने कहा- शायद रणजी ट्रॉफी खेले होते तो पकड़ लेते ये गेंद।

ईशान का खाता भी नहीं खुला

ईशान किशन इस मुकाबले में खाता भी नहीं खोल पाए। पहले ही ओवर की तीसरी गेंद पर वह आउट हो गए। वर्ल्ड कप 2023 में अफगानिस्तान के लिए कमाल का प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने ईशान को आउट किया। बाहर निकलती गेंद पर विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने कैच लिया।

गुजरात ने जीता मुकाबला

जसप्रीत बुमराह ने 14 रन देकर तीन विकेट लिये जिसकी मदद से मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को छह विकेट पर 168 रन पर रोक दिया। बायें हाथ के युवा बल्लेबाज बी साइ सुदर्शन ने 39 गेंद में 45 रन बनाये जबकि राहुल तेवतिया ने 15 गेंद में 22 रन की पारी खेली। मुंबई की टीम एक समय जीत के करीब दिख रही थी। लेकिन वहां से वापसी करते हुए गुजरात ने मुकाबले को 6 रन से जीत लिया। मुंबई इंडियंस की टीम 9 विकेट पर 162 रन ही बना सकी।

सारा खेल आशीष नेहरा के दिमाग का है

मुंबई इंडियंस को हराने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। जब कोच आशीष नेहरा जैसा हो तो फिक्र की क्या बात है? गुजरात टाइटंस की जीत के पीछे उन्हीं की बनाई रणनीतियां तो होती है. आईपीएल 2024 में भी यही देखने मिल गया. कप्तान बदल गया लेकिन कोच का गेम प्लान फिर भी गुजरात के लिए मैदान पर काम करता दिखा.

इस बार ना तो हाथ में वो पर्चा था. ना ही लैपटॉप और ना ही पैरों में चप्पल. और तो और हार्दिक पंड्या भी तो पलटी मारकर विरोधी खेमें से जा जुड़े थे. लेकिन, इन सबके नहीं होने के बावजूद उलटी टोपी पहने आशीष नेहरा ने वही किया, जैसा देखने की हिंदुस्तान उनसे उम्मीद कर रहा था. उन्होंने ये साबित कर दिया कि गुजरात टाइटंस की असली ताकत चाचा चौधरी वाला उनका दिमाग है ना कि हार्दिक पंड्या थे, जो साथ छोड़कर चले गए. नेहरा जी ने बाहर से ही ऐसी चाल चली कि मैदान के अंदर एक के बाद एक जीत की सारी गोटी गुजरात टाइटंस के लिए सेट होती चली गई.

गुजरात टाइटंस को जीत दिलाने का उतावलापन मैदान पर आशीष नेहरा के हाव-भाव में साफ झलक रहा था. कुछ जो अलग था वो इस बार की उनकी रणनीतियों में नजर आया, जो थोड़ी बदली-बदली सी थी. इस बार नेहरा जी की रणनीतियों का दायरा सिर्फ गुजरात टाइटंस के कप्तान तक सीमित नहीं था बल्कि हर एक खिलाड़ी उसके केंद्र में था. ऐसा मैदान पर तो दिख ही रहा था, लेकिन इस बात पर मुहर तब और लग गई जब मुंबई इंडियंस को हराने के बाद गुजरात टाइटंस के ही खिलाड़ी ने उन्हें लेकर बड़ी बात कह दी.

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी ने आशीष नेहरा को लेकर क्या कहा?

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी स्पेंसर जॉनसन ने बताया कि आशीष नेहरा को पहले से ही जीत का यकीन था. उन्होंने मुझे और टीम के हरेक खिलाड़ी से खुद को बस शांत बनाए रखने की बात कही. और नतीजा सबके सामने है. स्पेंसर जॉनसन के मुताबिक आशीष नेहरा ने हरेक खिलाड़ी के अंदर जो जीत का मंत्र फूंका उसका असर भी नजर आया. गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ एक ऐसे मैदान पर स्कोर डिफेंड किया, जिस पर कि वैसा करना मुश्किल था. क्योंकि ओस एक बड़ा फैक्टर होता है.

भारत ने वो देखा जो आषीश नेहरा दिखाना चाहते थे!

आशीष नेहरा ने अपने खिलाड़ियों के जरिए मैदान पर स्ट्रेटजी को तो अमलीजामा पहनाया ही. साथ ही भारत के क्रिकेट फैंस को वो चीज भी खूब देखने को मिला, जिसे देखने को लिए वो बेकरार थे.

हम बात कर रहे हैं शुभमन गिल की कप्तानी की, जिन्हें हार्दिक पंड्या के चले जाने के बाद इस रोल के लिए कोच आशीष नेहरा ने राइट पर्सन बताया था. साथ ही ये भी कहा था कि हम सब ये देखने को बेकरार हैं कि शुभमन गिल कैसी कप्तानी करते हैं?

नेहरा और गिल के लिए पिक्चर अभी बाकी!

लेकिन, जैसा कि स्पेंसर जॉनसन ने मैच के बाद बताया गिल भी कोच नेहरा जी की तरह काफी कूल हैं. वो अविश्सनीय युवा कप्तान हैं. कुल मिलाकर आशीष नेहरा और शुभमन गिल ने अपने इम्तिहान का पहला पड़ाव तो पार कर लिया है लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है. ये दोनों जानते हैं. आईपीएल 2024 में शुभमन गिल के साथ मिलकर आशीष नेहरा कुछ वैसा ही कमाल करना चाहते हैं जैसा आईपीएल 2022 में हार्दिक पंड्या के साथ मिलकर किया था.

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 328 रन से हराया, पाकिस्तान को हुआ फायदा

ढाका, 25 मार्च (एजेंसियां)। पहले टेस्ट में श्रीलंका ने बांग्लादेश को 328 रन से हराया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 में यह श्रीलंका की पहली जीत है। इससे पहले टीम को अपने पहले 2 मैच में हार मिली थी।

सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका ने बांग्लादेश को 328 रन से हराया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 में यह श्रीलंका की पहली जीत है। इससे पहले टीम को अपने पहले 2 मैच में हार मिली थी। बांग्लादेश को हराने के बाद श्रीलंका डब्ल्यूटीसी पॉइंटस टेबल में छठे पायदान पर पहुंच गई है। दूसरी ओर हार के बाद बांग्लादेश 7वें नंबर पर खिसक कई है। बांग्लादेश की इस हार का पाकिस्तान को फायदा हुआ है और टीम डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में चौथे पायदान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान ने मौजूदा साइकिल में 5 मैच खेले हैं और 2 में जीत दर्ज की है।

मुकाबले की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने पहली पारी में 280 रन बनाए। कप्तान धनंजय डिसिल्वा (102) और कामिंदु मेंडिस (102) ने शतक लगाया। उनके अलावा किसी भी बैटर का बल्ला नहीं चला। जवाब में बांग्लादेश टीम पहली पारी में 188 रन ही बना सकी। इसके बाद श्रीलंका ने दूसरी पारी में 418 रन बना दिए और पहली पारी के आधार पर 510 रनों की बढ़त प्राप्त की। श्रीलंका की दूसरी पारी में दिमुथ करुणारत्ने ने 52, कप्तान डिसिल्वा ने 108 और कामिंदु मेंडिस ने 164 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश टीम 182 रन पर सिमट गई। मोमिनुल हक ने सबसे ज्यादा 87 रन बनाए।

इमाद वसीम के बाद एक और पाकिस्तानी प्लेयर का यूटर्न, संन्यास लिया वापस

इस्लामाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 को लेकर अब सभी टीमें अपने-अपने फाइनल स्क्वाड को लेकर रणनीति तैयार कर रही है। विश्व कप 2023 की नाकामी के बाद पाकिस्तान की टीम का ध्यान अब आगामी टी20 विश्व कप 2024 पर है। टी20 विश्व कप को लेकर पाकिस्तान टीम में दो दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी हो सकती है। दरअसल ये दोनों ही खिलाड़ी पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके थे लेकिन अब टी20 विश्व कप से पहले दोनों ही खिलाड़ियों ने अपना-अपना संन्यास वापस ले लिया है। बीते दिन ऑलराउंडर इमाद वसीम ने संन्यास वापस ले लिया था। जिसके बाद अब एक और खिलाड़ी ने अपना संन्यास वापस लेकर टी20 विश्व कप 2024 के लिए पाक टीम में अपनी उपलब्धता के संकेत दे दिए हैं।

पाकिस्तान सुपर लीग 2024 में इमाद वसीम ने काफी शानदार प्रदर्शन किया था। फाइनल में भी कमाल का प्रदर्शन करके इमाद ने अपनी टीम इस्लामाबाद यूनाइडेट को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। जिसके बाद पाक टी20 टीम के कप्तान शाहीन अफरीदी ने इमाद वसीम को संन्यास वापस लेने की बात कही थी। जिसके बाद इमाद ने संन्यास वापस ले लिया।

वहीं अब पाक टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भी अपना संन्यास वापस ले लिया है। जिसके बाद अब मोहम्मद आमिर भी टी20 विश्व कप 2024 के लिए उपलब्ध रहने वाले हैं। आमिर के संन्यास वापस लेने के बाद फैंस के चेहरे भी खिल उठे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार अपना रिएक्शन दे रहे हैं।

बता दें, मोहम्मद आमिर पर फिक्सिंग का आरोप भी लगा था जिसके बाद उनके करियर पर संकट के मंडराने लगे थे। साल 2021 में मोहम्मद आमिर ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का फैसला किया था। वहीं हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में आमिर का प्रदर्शन काफी शानदार रहा था। आमिर ने 9 मैचों में 10 विके हासिल किए थे।

धोनी से धोखाधड़ी के मामले में कोर्ट ने दिया ये आपराधिक मुकदमा चलाने का आदेश, आरोपी की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के साथ धोखाधड़ी करने वाली अरका स्पोर्ट्र्स प्राइवेट लिमिटेड एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के मिहिर दिवाकर सौम्या दास एवं उसकी कंपनी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा। रांची सिविल कोर्ट के न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय की अदालत ने 15 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में मिहिर दिवाकर सहित तीनों के खिलाफ संज्ञान लिया है।

राज्य ब्यूरो, रांची। भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के साथ धोखाधड़ी करने वाली अरका स्पोर्ट्र्स प्राइवेट लिमिटेड एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के मिहिर दिवाकर, सौम्या दास एवं उसकी कंपनी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा।

रांची सिविल कोर्ट के न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय की अदालत ने 15 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में मिहिर दिवाकर सहित तीनों के खिलाफ संज्ञान लिया है। संज्ञान लेने के बाद अदालत ने आरोपितों की उपस्थिति को लेकर समन जारी किया है।

इन पर धोनी को 15 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप है। अदालत ने छह

मार्च को सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। यह शिकायतवाद धोनी की ओर से सीमांत लोहानी ने दर्ज कराया है।

दर्ज शिकायतवाद पर पांच जनवरी को धोनी के प्रतिनिधि सीमांत लोहानी का बयान शपथ पत्र पर दर्ज किया गया, जिसमें उन्होंने मिहिर दिवाकर एवं सौम्या दास के ऊपर लगाए आरोपों के बारे में बताया था। आगे की सुनवाई में शिकायतकर्ता की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत किया गया था।

धोनी के प्रतिनिधि ने 2023 में किया मुकदमा

एमएस धोनी ने अपने प्रतिनिधि सीमांत लोहानी को मुकदमा दर्ज करने का अधिकार दिया है, जिसके बाद धोनी के प्रतिनिधि सीमांत लोहानी ने 27 अक्टूबर 2023 को उक्त मुकदमा दर्ज कराया।

इसमें कहा गया है कि मिहिर दिवाकर ने कथित तौर पर दुनिया भर में क्रिकेट अकादमी खोलने के लिए साल 2017 में एमएस धोनी के साथ एक समझौता हुआ था। समझौते के बाद उसे फ्रेंचाइजी दिया गया था।

समझौते के तहत धोनी को लाभ का 70 फीसदी भुगतान करना था, लेकिन समझौते के सभी नियम और शर्तों पालन नहीं किया गया।

जब धोनी को इसकी जानकारी हुई तो समझौते को अगस्त 2021 में वापस ले लिया। इसके बावजूद आरोपितों ने एमएस धोनी क्रिकेट अकादमी खोले जा रहे थे।

इसके बाद धोनी ने उनलोगों को कानूनी नोटिस भेजा, जिसका जवाब भी दिया गया, लेकिन अकादमी खोलना बंद नहीं हुआ। इससे 15 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। यह मुकदमा धोखाधड़ी, विश्वासघात, जाली कागजात तैयार करके फर्जीवाड़ा करने सहित अन्य आरोपों के तहत किया गया है।

कांग्रेस प्रतिबद्धता से आगे बढ़ेगी : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया है कि कांग्रेस पार्टी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेगी क्योंकि तेलंगाना राज्य में सामाजिक न्याय - एससी उप-जातियों का संतुलन का मुद्दा, विशेष रूप से एससी वर्गीकरण मुद्दा चर्चा में है। इसी तरह, उन्होंने याद दिलाया कि प्रशासन के सौ दिनों के दौरान सरकार द्वारा नियुक्त सभी विभिन्न सरकारी नियम सामाजिक न्याय के साथ हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मडिगाला का विकास, कल्याण और भविष्य उनकी जिम्मेदारी है। इन मामलों को लेकर डॉ. संपत कुमार, पूर्व विधायक एवं एआईसीसी सचिव, डॉ. चरकोंडा वेंकटेश, टीपीसीसी राज्य महासचिव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ लगभग एक घंटे तक चर्चा की।

टीपीसीसी ने नेताओं को पार्टी अनुशासन तोड़ने के खिलाफ दी चेतावनी

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने के प्रति आगाह किया है और चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के नियमों का उल्लंघन कर मीडिया पर बयान जारी करने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और कहा कि सभी को पार्टी के दिशानिर्देशों के तहत काम करना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि पार्टी अनुशासन का उल्लंघन कर बोलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और पार्टी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई बर्दाश्त नहीं करेगी, चाहे वे वरिष्ठ नेता ही क्यों न हों। इस बीच, यह चेतावनी तब आई है जब कुछ वरिष्ठ नेताओं ने हाल ही में कांग्रेस पार्टी में नए शामिल नेताओं को तरजीह देने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर नाराजगी व्यक्त की है। वरिष्ठ नेता निरंजन और वी हनुमंत राव ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के उम्मीदवारों के रूप में 'पैराशूट नेताओं' की घोषणा करने के लिए मुख्यमंत्री पर दोष पाया, उन्होंने वास्तविक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की अनदेखी की, जिन्होंने पार्टी झंडा उठाया और पार्टी के विकास के लिए संघर्ष किया।

किसानों की दुर्दशा हृदयविदारक : हरीश राव

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक टी. हरीश राव ने आज दावा किया कि राज्य में किसानों की हालत दयनीय है। यहां तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, हरीश राव ने कहा कि उन्होंने रविवार को वारंगल जिले के देवरुप्पला मंडल में लक्ष्मीबाई टांडा का दौरा किया और कहा कि किसानों ने उन्हें बताया कि चार से पांच बोरवेल बिछाए गए थे, लेकिन वे पानी प्राप्त करने में विफल रहे। भले ही फसलें सूख रही हों, लेकिन कांग्रेस सरकार को चींटी का डंक नहीं लग रहा है। टांडों में पीने का पानी भी ठीक से नहीं आ रहा है। किसानों पर कोई फोकस नहीं है, लेकिन यह सरकार छोटी-मोटी गड़बड़ियां कर रही है।' अब तक 180 किसानों ने आत्महत्या की। कम से कम अधिकारियों की एक टीम को फील्ड स्तर पर नहीं भेजा गया। यह दावा करते हुए कि किसान अभी भी कर्ज में डूबे हुए हैं, राव ने कहा कि बैंक अधिकारी किसानों को कर्ज चुकाने के लिए कानूनी नोटिस जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंडोल निर्वाचन क्षेत्र के रेगोड मंडल में ग्रामीण विकास बैंक के अधिकारी किसानों को नोटिस जारी कर अपना ऋण चुकाने के लिए कह रहे हैं। राव ने कहा कि बैंक अधिकारी किसानों को यह स्पष्ट कर रहे थे कि फसल ऋण माफी योजना पर सीएम रेवंत रेड्डी ने जो कहा है, उससे उनका कोई लेना-देना नहीं है, जबकि वे सोच रहे थे कि क्या यह किसानों से ऋण वसूलने का आदर्श समय है? कांग्रेस ने किसानों से चार बड़े वादे किए हैं। संसदीय चुनाव में कांग्रेस किस चेहरे को हाथ में लेकर वोट मांगेगी? सीएम रेवंत का ध्यान पार्टी के द्वार खोलने पर है न कि सिंचाईपरियोजनाओं के द्वार खोलने पर है। यह खुलासा करते हुए कि उनकी पार्टी प्रमुख केसीआर ने सोमवार सुबह उनसे बात की, हरीश राव ने कहा कि पूर्व सीएम ने बीआरएस कैडरों को किसानों के खेतों का दौरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, केसीआर ने हमसे आज और अगले दिन खेतों का दौरा करने और फसल के नुकसान का विवरण पार्टी के केंद्रीय कार्यालय को भेजने के लिए कहा। राव ने राज्य सरकार से प्रभावित किसानों को तुरंत 25,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि वे किसानों के पक्ष में हर मंच पर लड़ाई लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार को तुरंत उन किसानों का विवरण एकत्र करना चाहिए, जिन्हें नुकसान हुआ है और कहा कि चुनाव संहिता प्राकृतिक आपदाओं की सहायता देने में बाधा नहीं बननी चाहिए। हरीश राव ने यह भी कहा कि किसानों को बैंक ऋण नहीं चुकाना चाहिए। अगर बैंक अधिकारी उन्हें कहीं भी परेशान करते हैं, तो किसानों को इसे बीआरएस नेताओं के ध्यान में लाना चाहिए।

बंडारू दत्तात्रेय ने मनाईं होली

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा आज हरियाणा राजभवन, चंडीगढ़ में सामान्य उत्साह और उमंग के साथ होली मनाई गई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह, उनकी पत्नी सुमन सैनी, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, मंत्री कंवर पाल, मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, डीजीपी शत्रुजीत कपूर, वरिष्ठ अधिकारी, सम्मानित अतिथि और गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

टिकट कटने के बाद भावुक हुई टीडीपी नेता

चित्तूर, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी (जेएसपी) प्रमुख पवन कल्याण ने टीडीपी, भाजपा और जनसेना गठबंधन के हिस्से के रूप में तिरुपति विधानसभा क्षेत्र के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में अरानी श्रीनिवासुलु के नाम की घोषणा की है।

तिरुपति टीडीपी प्रभारी सुगुनम्मा, जो सोच रही थीं कि तिरुपति का टिकट टीडीपी को आवंटित किया जाएगा और वह खुद चुनाव लड़ेंगी, उन्हें झटका लगा क्योंकि टिकट जेएसपी को आवंटित किया गया था। सोमवार को वह मीडिया के सामने रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि उन्होंने पार्टी के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। उन्होंने चंद्रबाबू नायुडू और पवन कल्याण से जन सेना पार्टी को तिरुपति विधानसभा सीट के आवंटन पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

सुगुनम्मा ने सवाल किया कि चंद्रबाबू के सर्वेक्षणों का क्या हुआ क्योंकि उन्होंने टीडीपी को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किया था।

उन्होंने कहा, मैं उन लोगों का समर्थन करने के लिए सहमत हो गई हूं जो कहीं से भी आए हैं, लेकिन पार्टी कैडर सहमत नहीं है, उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चंद्रबाबू और पवन एक बार फिर से तिरुपति उम्मीदवार पर पुनर्विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर टिकट आवंटित किए जाते हैं जो लोग वाईएसआरसीपी से आए हैं, लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। सुगुनम्मा ने कहा कि उन्होंने तिरुपति में वाईएसआरसीपी नेताओं के खिलाफ हर कदम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की कोई योजना नहीं है।

केसीआर ने सभी 17 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी बीआरएस पार्टी ने आगामी संसदीय चुनावों में लड़ने वाली सभी 17 एमपी सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। हैदराबाद एमपी सीट से उम्मीदवार की घोषणा के साथ ही उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस उद्देश्य से, बीआरएस प्रमुख केसीआर ने उम्मीदवारों के चयन में सामाजिक संतुलन बनाए रखकर बहुजनों का विश्वास जीता है। ऐसे नेताओं का चयन करके, जिनके पास जनता की ताकत है, उन्होंने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां पार्टी की जीत की संभावना प्रतिद्वंद्वी पार्टियों से बेहतर है। गौरतलब है कि केसीआर द्वारा सूची की घोषणा किये जाने पर विश्वास जताया जा रहा है। पिछले साल के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद पार्टी आगामी संसदीय चुनाव जीतने के लिए कमर कस रही है। कुछ उम्मीदवार, जिनकी घोषणा पहले ही हो चुकी है, अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और लोगों तक पहुंच रहे हैं। पार्टी के शीर्ष नेता और जन प्रतिनिधि सभी संसदीय क्षेत्रों में व्यापक चुनाव प्रचार करने और लोगों की लोकप्रियता हासिल करने के लिए कमर कस रहे हैं। चुनाव अभियान को तेज करने के लिए केसीआर जल्द ही कदम उठा सकते हैं। राज्यव्यापी दौरों के साथ, वह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ लोगों में भी जोश भरेंगे और बीआरएस उम्मीदवारों की जीत के लिए जनता का समर्थन जुटाएंगे। बीआरएस पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार खम्मम - नामा नागेश्वर राव (ओसी), महबुबाबाद (एसटी) मलोथ कविता, करीमनगर- बोइनीपल्ली विनोद कुमार (ओसी), पेद्दापल्ली (एससी), कोप्पुला ईश्वर, महबूबनगर- मन्ने श्रीनिवास रेड्डी (ओसी), चेवेल्ला- कसानी ज्ञानेश्वर (बीसी), वारंगल (एससी)- डॉ. कडियम काव्य, निज़ामाबाद- बाजीरेड्डी गोवर्धन (बीसी), जहीराबाद- गली अनिल कुमार (बीसी), आदिलाबाद (एसटी)- अतराम सक्कू (आदिवासी), मल्काजगिरि- रागीदी लक्ष्मा रेड्डी (ओसी), मेदक- पी. वेंकटरामी रेड्डी (ओसी), नगरकुर्नूल (एससी)- आर.एस. प्रवीण कुमार, सिकंदराबाद- थेगुल्ला पद्मराव गौड़ (बीसी), भुवनगिरि- काम मल्लेश (बीसी), नलगोंडा- कांचरला कृष्णा रेड्डी (ओसी) और हैदराबाद- गड्डाम श्रीनिवास यादव (बीसी) है।

होली के दौरान चार युवकों की नदी में डूबने से मौत

आसिफाबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। होली के त्योहार के दौरान कोमरम भीम आसिफाबाद जिला के कौटाला मंडल में होली मनाने के बाद नहाने गये चार लोगों की मौत हो गई । जिले के कौटाला मंडल की वर्धा नदी में नहाने गए चार युवक लापता हो गए। जिनकी तलाश में पुलिस ने गोताखोरों की मदद से चार शवों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान नदीमाबाद के संतोष, प्रवीण, कमलाकर और साई के रूप में हुई है। शवों को कौटाला अस्पताल ले जाया गया।

वहीं मंचिरयाला जिले के दांडेपल्ली मंडल के थानिमाडुगु में लिफ्ट सिंचाई नहर में नहाने गए एक अन्य युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जन्नाराम मंडल के धर्माराम गांव निवासी कार्तिक के रूप में की गई है।

मेडक जिले में अलग-अलग घटनाओं में दो लोग डूबे

संगारेड्डी, 25 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेडक जिले में अलग-अलग घटनाओं में दो व्यक्ति डूब गए। रविवार देर रात गुम्मदीडाला मंडल के नल्लवल्ली गांव में एक 14 वर्षीय लड़का डूब गया। पीड़ित नल्लवल्ली का रहने वाला कार्तिक चारी था। वह कथित तौर पर रविवार दोपहर अपने दोस्तों के साथ तैरने के लिए एक जलाशय में गया था। उसका शव को बरामद कर लिया गया है। दूसरी घटना में, रविवार रात पेद्दा शंकरमपेट मंडल में निज़ाम सागर जलाशय के बैकवाटर में एक चरवाहा डूब गया। वह नागुलगिड्डा मंडल के मुक्तापुर का निवासी चौधरीपल्ली राजू था। सोमवार सुबह शव निकाला गया।

पानी की टंकी ढहने से 12 वर्षीय बच्ची की मौत, दो घायल

नारायणपेट, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जिले के गोपालपेट स्ट्रीट पर एक पीने के पानी की टंकी गिरने से 12 वर्षीय लड़की लक्ष्मी प्रणिता की मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे घायल हो गए।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, तीनों बच्चे सीमेंट की पानी टंकी के पास खेल रहे थे। अचानक पानी की टंकी टूट गई और मलबा बच्चों के ऊपर गिर गया, जिससे बच्चे घायल हो गए। स्थानीय निवासियों ने तुरंत लक्ष्मी प्रणिता और दो बच्चों, श्री प्रणिता और हरिप्रिया को अस्पताल पहुंचाया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में लक्ष्मी प्रणिता की मौत हो गई, श्री प्रणिता का हाथ टूट गया और हरिप्रिया का पैर टूट गया।

मुलुगु में सड़क दुर्घटना में दो की मौत

मुलुगु, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता। जिले के वेंकटपुर मंडल के पालमपेट-लक्ष्मीपुरम में सोमवार को मोटरसाइकिल सड़क किनारे पेड़ से टकराने से दो युवकों की मौत हो गई। उनकी पहचान थिम्मापुर के उमेश (22) और वारंगल जिले के लक्ष्मीदेवीपेट के एम श्रीसंत (22) के रूप में हुई। खबरों के मुताबिक, दोनों तेज गति से यात्रा कर रहे थे और जब वे लक्ष्मीपुरम पहुंचे तो बाइक नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

फोन टैपिंग मामले के आरोपी एसआईबी के पूर्व चीफ हैं अमेरिका में

लुकआउट नोटिस जारी, मामले में तीन अधिकारी पहले से गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चल रहे फोन टैपिंग के मामले में हैदराबाद पुलिस ने राज्य खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व चीफ टी प्रभाकर राव को मुख्य आरोपी बताया गया है। टी प्रभाकर राव फिलहाल अमेरिका में है और उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया है। राव के आदेश पर बीआरएस सरकार के दौरान विपक्षी नेताओं के फोन को अवैध रूप से टैप कर डेटा हासिल किया गया था।

फिलहाल हैदराबाद में राव के घर की तलाशी ली गई है। 10 से ज्यादा स्थानों पर भी सर्चिंग की गई है, जिसमें श्रवण राव का घर भी शामिल है। श्रवण राव एक तेलुगु टीवी चैनल भी चलाते हैं। श्रवण राव के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने देश से बाहर रहकर स्थानीय स्कूल के परिसर से फोन-टैपिंग इक्विपमेंट और सर्वर स्थापित करने में मदद की थी। इस संबंध में तेलंगाना के कई अन्य पुलिस अधिकारियों की भी जांच की जा रही है।

मामले में तीन अधिकारियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसमें एडिशनल डीसीपी तिरुपतन्ना, एडिशनल एसपी एन भुजंगा राव और डिप्टी एसपी प्रणीत राव शामिल हैं। पुलिस ने कहा है कि पिछले हफ्ते गिरफ्तार किए गए भुजंगा राव और तिरुपथन्ना ने अवैध रूप से निजी व्यक्तियों के फोन टैप करने और सबूत मिटाने की बात कबूल की है। एन भुजंगा तेलंगाना में बीआरएस सरकार के दौरान सीएम सुरक्षा प्रकोष्ठ में तैनात थे। आरोप है कि बीआरएस कार्यकाल के दौरान विपक्षी नेताओं की निगरानी के लिए उनके फोन टैप किए गए। वहीं, तिरुपतन्ना पर उन निगरानी दलों का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है, जो कथित तौर पर विपक्षी राजनेताओं के टेलीफोन कॉल को सुनते थे। वह एसआईबी के पूर्व प्रमुख टी. प्रभाकर राव को रिपोर्ट करते थे। टी प्रभाकर राव भी इस मामले की जांच के दायरे में हैं।

डिप्टी एसपी प्रणीत राव को इस महीने की शुरूआत में गिरफ्तार किया गया था। उन पर अज्ञात लोगों की प्रोफाइल बनाने और अवैध रूप से उन लोगों की जासूसी करने के आरोप थे। इसके अलावा उन पर कंप्यूटर सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के डेटा को डिलीट करने का भी आरोप लगाया गया था। कहा जा रहा है कि प्रभाकर राव के आदेश पर सबूत नष्ट किए गए थे। यह आदेश कथित तौर पर 2023 के चुनाव में कांग्रेस के बीआरएस को हराने के एक दिन बाद दिया गया था। जिन लोगों पर नजर रखी गई थी, उनमें मौजूदा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के साथ-साथ बीआरएस के लोग भी शामिल थे। इसके अलावा तेलुगु एक्टर्स और कारोबारी भी सर्विलांस पर थे।

गलती करने वाले पुलिस अधिकारियों को सख्ती से दंडित करें : निरंजन

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने आज पूर्व एसआईबी प्रमुख प्रभाकर राव सहित तीन लोगों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने और अतिरिक्त डीसीपी स्तर के अधिकारियों की गिरफ्तारी की बात कही। विशेष खुफिया शाखा के उच्च पदस्थ अधिकारियों द्वारा फोन टैपिंग के मामले में निलंबित डीएसपी प्रणीत राव द्वारा बताए गए विवरण के आधार पर सनसनी मच गई। इसने पुलिस व्यवस्था में लोगों के विश्वास को धोखा दिया है। यहां गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर पुलिस ही साइबर अपराध करेगी तो आम आदमी की सुरक्षा और संरक्षण कहां है? इंटेलिजेंस और काउंटर-इंटेलिजेंस सिस्टम और टैपिंग का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन सत्ताधारी दलों के लोगों के मार्गदर्शन में ऐसा करना एक गंभीर अपराध है। इस सारे घटनाक्रम की जानकारी तत्कालीन डीजीपी स्तर के अधिकारियों को क्यों नहीं लगी? उन्होंने पूछा, क्या उन्हें यह सब पता था?

निरंजन ने कहा कि बढ़ती तकनीक और इसके दुरूपयोग से लोगों की निजता और उनका जीवन खतरे में है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारिक लेनदेन पर नजर रखी जा रही है। वे प्रतिद्वंद्वी पार्टियों पर प्रहार करने की कोशिश कर रहे हैं, जो लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। क्या पुलिस अधिकारियों के लिए अपने कर्तव्यों को निष्पक्षता से निभाने के लिए कोई "आचार संहिता" है? या नहीं? क्या तबादलों और पदोन्नति के लिए सत्ता में बैठे लोगों के इर्द-गिर्द घूमने वाले अधिकारी लोगों के साथ न्याय कर सकते हैं? राज्य सरकार को इस साजिश की गहन जांच करनी चाहिए और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा देनी चाहिए।

बंडी ने सफाई कर्मियों, ऑटो चालकों के साथ मनाया होली का त्योहार

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और करीमनगर संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बंडी संजय कुमार ने आज करीमनगर में आयोजित होली समारोह में भाग लिया। आज सुबह बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता, नेता और प्रशंसक उनके घर पहुंचे और संजय को रंगों से रंगकर होली की शुभकामनाएं दीं। संजय कुमार ने सुबह अपनी पत्नी के साथ होली मनाई और अपने प्रशंसकों, कार्यकर्ताओं और नेताओं को रंग लगाकर शुभकामनाएं दीं। बाद में, वह एक दोपहिया वाहन पर सवार हुए और उन सभी को रंग लगाकर होली मनाई, जो सड़कों पर घूमते दिखे। वह रास्ते में दिखे सफाई कर्मियों के पास गए और रंग-गुलाल लगाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। रास्ते में वह ऑटो चालकों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों को रंग-गुलाल लगाकर होली मनाने गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.